RNI NO.: 54818-92 REG. NO-MH/MR/North East/317/2014-16

मुंबई, पुणे और नाशिक से एक साथ प्रकाशित

हमारा महानगर

MARRY CRISMISTMAS

https://www.hamaramahanagar.net

वर्ष 34 ■ अंक 149 ■ मुंबई, गुरुवार 25 दिसंबर 2025 ■ पेज 10 ■ मूल्य : ₹ 5.00

संरक्षक : आरएन सिंह

Short News एक नजर

कैलाश मानसरोवर तीर्थ यात्रा आवेदन की अंतिम तिथि 30 दिसंबर

वाराणसी। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कैलाश मानसरोवर की पवित्र तीर्थ यात्रा पर जाने वाले राज्य के मूल निवासियों को आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। इस योजना के अंतर्गत इच्छुक तीर्थयात्री 30 दिसंबर 2025 को सायं 5 बजे तक विभागीय वेब पोर्टल WWW.UPDHARMARTHKARYA.IN पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। संयुक्त निदेशक, धर्मार्थ कार्य विभाग ने जानकारी देते हुए बताया कि यह सुविधा उन श्रद्धालुओं के लिए है जो कैलाश मानसरोवर यात्रा पर जाना चाहते हैं और उत्तर प्रदेश के मूल निवासी हैं।

ट्रेन से कटकर दंपति और दो बच्चों समेत पांच की मौत

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में बुधवार शाम दर्दनाक हादसा हुआ। रोजा रेलवे स्टेशन के पास मानव रहित रेलवे क्रॉसिंग को पार करते समय बाइक सवार लोग गरीब रथ एक्सप्रेस से टकरा गए। हादसे में दो बच्चों समेत पांच लोगों की मौत हो गई। दर्दनाक हादसा देख वहां मौजूद लोगों का कलेजा कांप गया। मृतकों के शव रेलवे ट्रैक पर इधर-उधर जा गिरे। सूचना मिलते ही थाना पुलिस और जीआरपी मौके पर पहुंच गई। मृतकों की पहचान 40 वर्षीय हरिओम निवासी ग्राम बनके गांव थाना उचौलिया जिला लखीमपुर खीरी, उनके साढू सेठ पाल निवासी गांव विकन्ना निगोही (शाहजहांपुर), सेठ पाल की 35 वर्षीय पत्नी पूजा व दो बच्चों के रूप में हुई।

ढाका में पेट्रोल बम से धमाका, एक की मौत

ढाका। पड़ोसी देश बांग्लादेश में अराजकता का माहौल कायम है। वहां हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। क्रिसमस से एक दिन पहले बुधवार की शाम राजधानी ढाका के मोघाबाजार इलाके में पेट्रोल बम से धमाका हुआ है। इस धमाके में एक शख्स की मौत हो गई है। द डेली स्टार की रिपोर्ट में कहा गया है कि एक फ्लाई ओवर से शाम करीब 7 बजे पेट्रोल बम फेंका गया था, जिसकी चपेट में एक शख्स आ गया और उसकी मौत हो गई। इस धमाके में मारे गए शख्स की पहचान सैफुल सियाम के तौर पर हुई है।

कनाडा में भारतीय मूल की महिला की हत्या

टोरंटो। कनाडा के टोरंटो शहर में 30 साल की भारतीय मूल की महिला हिमांशी खुराना की हत्या कर दी गई। पुलिस ने मामले में एक संदिग्ध की गिरफ्तारी के लिए वारंट जारी किया है। पुलिस के अनुसार, 19 दिसंबर 2025 की रात करीब 10:41 बजे स्ट्रैचन एवेन्यू और वेलिंगटन स्ट्रीट वेस्ट इलाके से एक महिला के लापता होने की सूचना मिली। अगली सुबह पुलिस ने एक घर के अंदर महिला का शव बरामद किया। पुलिस ने मौत को हत्या मानकर जांच शुरू कर दी है। मृतका की पहचान टोरंटो निवासी हिमांशी खुराना के रूप में हुई। पुलिस का कहना है कि संदिग्ध अब्दुल गफूरी (32 साल), जो भी टोरंटो का रहने वाला है, पीड़िता को जानता था।

योगी बोले-मैं भजन करने नहीं आया...

महानगर नेटवर्क

लखनऊ

बुधवार को यूपी विधानसभा के शीतकालीन सत्र का चौथा और आखिरी दिन था। सीएम योगी ने विपक्ष के हर सवाल का जवाब दिया। उन्होंने कहा-हमें खुशी है कि हमने उत्तर प्रदेश को बीमारू राज्यों की सूची से बाहर निकाला है। आज प्रदेश में व्यापारियों से गुंडा टैक्स नहीं लिया जाता है। आज अगर कोई गुंडा किसी बेटी को छेड़ता है तो वो जानता है कि जल्द ही यमराज का बुलावा आ जाएगा। अगर आबादी की भूमि पर या किसी सरकारी भूमि पर कोई माफिया कब्जा करके उसपर मॉल बनाकर, या वसूली का अड्डा बनाकर उसके माध्यम से अनैतिक, अवैध गतिविधियों का संचालन करके कोई छांगुर जैसा व्यक्ति वहां अनैतिक

अब यूपी बताता है कि सुधर जाओ वरना...

गतिविधियों का संचालन करेगा तो बुलडोजर भी चलेगा, उसको कोई रोक नहीं सकता। योगी ने भागवत गीता का श्लोक भी पढ़ा- परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम्। फिर कहा- मैं यहां भजन करने के लिए नहीं बैठा। अगर भजन करना होता, तो हमारे पास मठ है। शेष पेज 7 पर

'हमने सरकारी योजनाओं की लूट को रोका'

मुख्यमंत्री योगी ने सपा पर हमला करते हुए कहा- हमने योजनाओं में जो लूट थी उसे रोका। सपा के लोग इंफ्रास्ट्रक्चर की बात करते हैं। बड़े-बड़े दावे करते हैं। जेपीएनआईसी पौने दो सौ करोड़ का प्रोजेक्ट था 860 करोड़ खर्च हो जाने के बाद भी अधूरा है। गोमती रिवर फ्रंट 167 करोड़ का प्रोजेक्ट था 1400 करोड़ खर्च हो गए तब भी अधूरा है। पूर्वांचल एक्सप्रेस वे के सिविल वर्क के लिए 15 हजार 200 करोड़ रुपये तय किए गए थे हमने वहीं एक्सप्रेस वे 11 हजार 400 करोड़ रुपये में पूरा करके दिखा दिया। यही सपा के समय इंफ्रास्ट्रक्चर की सच्चाई है।

'यूपी में दंगा और अराजकता नहीं है'

मुख्यमंत्री योगी ने कहा- यूपी में दंगा और अराजकता नहीं है। दंगे का उपचार क्या है? इस बारे में बरेली के मौलाना से पूछ लीजिए। यूपी में न कर्फ्यू है, न दंगा। अब सब कुछ चंगा है। आपकी पार्टी से सदस्य चुनी गईं पूजा पाल को आपने न्याय नहीं दिलाया। क्योंकि, आपमें हिम्मत नहीं थी। माफिया के सामने झुकना मजबूरी थी। आप उन गुंडों और माफिया के सामने एक गरीब बेटी को न्याय नहीं दे पाए। क्या वो पीडीए की पार्ट नहीं थीं। बेटी चाहे उस पक्ष की या हमारे पक्ष की, हर हाल में न्याय मिलेगा।

महायुति में मुंबई की सीटों का बंटवारा तय

फडणवीस–शिंदे की निर्णायक बैठक

महानगर नेटवर्क

मुंबई

बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव को लेकर महाराष्ट्र की सत्तारूढ़ महायुति (भाजपा–शिवसेना गठबंधन) में लंबे समय से चली आ रही सीट बंटवारे की चर्चा अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। सूत्रों के अनुसार बुधवार रात मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के सरकारी आवास 'वर्षा' में मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बीच

हुई अहम बैठक में सीट बंटवारे को लेकर लगभग सहमति बन गई है। सूत्रों के मुताबिक गुरुवार को भाजपा और शिवसेना (शिंदे गुट) के बीच महायुति की औपचारिक घोषणा होने की प्रबल संभावना है। मुंबई महानगरपालिका की कुल 227 सीटों के लिए बंटवारे का खाका लगभग तय हो चुका है। प्रस्तावित फार्मूले के अनुसार, शिवसेना (शिंदे गुट) को 75 से 80 सीटें, भाजपा को करीब 140 से 145 सीटें और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई) को 5 सीटें देने पर सहमति बनी है। फडणवीस–शिंदे की यह बैठक इसलिए भी बेहद अहम मानी जा रही है क्योंकि बीएमसी चुनाव को महाराष्ट्र की राजनीति का 'सेमीफाइनल' कहा जाता है। महायुति के तीसरे दल अजीत पवार की राकांपा को लेकर आज अंतिम फैसला होने वाला है।

भारत ने रचा इतिहास

भारत से भेजा गया यह सबसे भारी उपग्रह, धरती पर कहीं से भी वीडियो कॉल कर सकेंगे

महानगर नेटवर्क

श्रीहरिकोटा

आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (ISRO) ने बुधवार सुबह LVM3-M6 रॉकेट से अमेरिकी सैटेलाइट ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 लॉन्च किया। 6,100 किलोग्राम वजनी ब्लूबर्ड, भारत से लॉन्च किया गया अब तक का सबसे भारी सैटेलाइट है। इसरो चेयरमैन वी. नारायणन ने इसे देश के लिए बड़ी उपलब्धि बताया। इससे पहले, नवंबर में लॉन्च किया गया LVM3-M5 कम्युनिकेशन सैटेलाइट-03 करीब 4,400 किलोग्राम का था। इसे जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (GTO) में स्थापित किया गया था। ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 को जिस LVM3-M6 रॉकेट से लॉन्च किया गया, उसका वजन 640 टन है। यह भारत का सबसे भारी लॉन्च व्हीकल है। ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 नेक्स्ट-जेन कम्युनिकेशन सैटेलाइट है, जिसका मकसद सामान्य स्मार्टफोन तक सीधे हाई-स्पीड सेल्युलर ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी पहुंचाना है।

इंडिगो का टूटेगा घमंड

देश को मिलेंगी 3 नई एयरलाइंस, सरकार ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। इंडिगो संकट के बाद केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए तीन नए एयरलाइंस को मंजूरी दी। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने तीन प्रस्तावित एयरलाइंस को नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (NOC) जारी किया। दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते एविएशन मार्केट में बढ़ते डुओपॉली को लेकर चिंताओं के बीच कॉम्पिटिशन को बढ़ावा देना चाहती है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा कि पिछले सप्ताह उन्होंने तीन नई एयरलाइंस की टीमों से मुलाकात की। केंद्रीय मंत्री ने एक्स पोस्ट मे लिखा, पिछले एक हफ्ते में, भारतीय आसमान में उड़ान भरने की चाह रखने वाली नई एयरलाइंस - शंख एयर, अल हिंद एयर और FlyExpress की टीमों से मिलकर खुशी हुई। शंख एयर को पहले ही मंत्रालय से NOC मिल चुका है, अल हिंद एयर और फ्लाई एक्सप्रेस को इस हफ्ते NOC मिल गई हैं।

PM ने G RAM G का किया समर्थन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को विकसित भारत गारंटी रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) एक्ट (VB-G RAM G) 2025 का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि यह कानून सिर्फ ग्रामीणों को मजदूरी देने तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे गांवों में काम के साथ-साथ स्थायी संपत्तियां बनेंगी, खेती को मजबूती मिलेगी और लंबे समय में ग्रामीण इलाकों की उत्पादकता बढ़ेगी। PMO के मुताबिक, इस कानून को बनाने से पहले केंद्र सरकार ने राज्य सरकारों से बात की। इसके अलावा विशेषज्ञों के साथ तकनीकी बैठकों और अलग-अलग हितधारकों के साथ चर्चा भी की गई, ताकि सभी पहलुओं को ध्यान में रखा जा सके। VB-G RAM G बिल संसद के शीतकालीन सत्र में विपक्ष के हंगामे और विरोध के बीच 18 दिसंबर को पास हुआ था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 21 दिसंबर को मंजूरी दी, इसके बाद यह कानून बना था।

कहा- गांवों में रोजगार के साथ संपत्ति बनेगी

उद्धव सेना-मनसे में गठबंधन का ऐलान

ऐसे दिखा रहे हैं जैसे पुतिन-जेलेंस्की साथ आ गए: मुख्यमंत्री

महानगर नेटवर्क

मुंबई

उद्धव और राज ठाकरे ने बुधवार को बृहन्मुंबई नगर निगम (BMC) चुनाव एक साथ लड़ने का ऐलान किया। 20 साल बाद दोनों की पार्टी शिवसेना (यूबीटी) और मनसे में चुनावी गठबंधन हुआ है। दोनों ने जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसका ऐलान किया। उद्धव ठाकरे ने कहा कि हमारी सोच एक है अगर बंटेंगे तो बिखरेंगे। महाराष्ट्र के लिए हम सब एक हैं।

राज ठाकरे बोले-

मुंबई का मेयर मराठी होगा: मैंने एक बार कहा था कि हमारी आपसी किसी भी विवाद या लड़ाई से महाराष्ट्र बड़ा है। आज की बैठक के बाद हम अन्य नगर निगमों के लिए भी घोषणा करेंगे। मुंबई का मेयर मराठी ही होगा और वह हमारे दल से होगा।

उद्धव ठाकरे बोले-

बंटेंगे तो हम सब बिखर जाएंगे: मैं सभी से अनुरोध और अपील करता हूं कि पिछली विधानसभा चुनावों के दौरान भाजपा ने 'बंटेंगे तो कटेंगे' जैसा दुष्प्रचार किया था। मैं मराठी लोगों से कहना चाहता हूं- अब अगर आपसे चूक हुई तो सब खत्म हो जाएगा। अब अगर हम बंटे तो पूरी तरह मिट जाएंगे। इसलिए न टूटें, न बंटें। मराठी अस्मिता की विरासत को न छोड़ें।

सीएम का तंज

मुख्यमंत्री ने शिवसेना यूबीटी और मनसे पर निशाना साधते हुए कहा, 'दोनों पार्टियां अस्तित्व के संकट से जूझ रही हैं, इन पार्टियों ने बार-बार अपनी भूमिकाएं बदलकर लोगों के बीच अविश्वास पैदा किया है, इन्होंने तुष्टिकरण की राजनीति कर अपना वोटबैंक खो दिया है। इनके साथ आने से कौन सा फर्क पड़ने वाला है। अगर ये अपना अस्तित्व बचाने के लिए साथ आ रही हैं तो ये चुनाव नहीं जीत सकते। शेष पेज 7 पर

अब अमेरिका में जॉब पाना और मुश्किल

महानगर नेटवर्क

वाशिंगटन

अमेरिका ने H-1B वीजा को लेकर बड़ा बदलाव किया है। इसका असर सिर्फ यहां जॉब पाने का ख्वाब देख रहे भारतीयों समेत विदेशी वर्कर्स पर ही नहीं पड़ने वाला है, बल्कि विदेशी स्टूडेंट्स भी बड़े पैमाने पर प्रभावित होंगे। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार ने ऐलान किया है कि H-1B वीजा प्रोग्राम के सेलेक्शन प्रोसेस को बदल दिया गया है। अब ये वीजा लॉटरी के जरिए नहीं मिलेगा, बल्कि विदेशी वर्कर को दी जाने वाली सैलरी और उसकी स्किल के आधार पर H-1B देने दिया जाएगा। डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी ने कहा कि वह USCIS के जरिए उस सेलेक्शन प्रोसेस को बदल रहा है, जिसके माध्यम से H-1B वीजा रजिस्ट्रेशन के बाद विदेशी वर्कर्स को सेलेक्ट किया जाता है। नया नियम उन लोगों को वीजा देने में प्राथमिकता देगा, जिनकी ज्यादा सैलरी है और उनके पास अच्छी स्किल है। नए नियम 27 फरवरी, 2026 से लागू हो जाएंगे। पिछले कुछ समय से अमेरिका अपने देश में आने वाले अन्य देशों के कुशल वर्करों और छात्रों को लेकर कड़ाई बरत रहा है जिसका सबसे ज्यादा असर भारत पर दिख रहा है।

RO-KO को रोक पाना मुश्किल : भारतीय क्रिकेट फैंस के लिए बुधवार, 24 दिसंबर का दिन खास बन गया। टीम इंडिया के दो सबसे बड़े सुपरस्टार विराट कोहली और रोहित शर्मा एक बार फिर घरेलू क्रिकेट में खेलते नजर आए। दोनों दिग्गज विजय हजारे ट्रॉफी 2025 में अपनी-अपनी टीमों के लिए मैदान पर उतरे और बल्ले से जलवा बिखेरा है। विराट कोहली ने दिल्ली की ओर से आंध्र प्रदेश के खिलाफ शतक जड़ा, जबकि रोहित शर्मा ने मुंबई की जर्सी में सिक्किम के खिलाफ तूफानी शतक लगाया। दोनों दिग्गजों ने अपनी टीम को जीत दिलाई।

अरावली का पूरा क्षेत्र संरक्षित करने का ऐलान

मोदी सरकार ने खनन पर लगाई रोक

नई दिल्ली। अरावली पहाड़ियों को लेकर केंद्र सरकार ने बुधवार को बड़ा फैसला लिया। केंद्र ने राज्यों को अरावली में नए खनन पट्टे देने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया है। सरकार का कहना है कि वह अरावली की पहाड़ियों के संरक्षण के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। जैव विविधता के संरक्षण में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देती है। अरावली रेंज दिल्ली से गुजरात तक फैली हुई है, जिसको लेकर पिछले कुछ दिनों से विवाद चल रहा था। सोशल मीडिया पर भी लोग अरावली को लेकर सरकार का विरोध कर रहे थे। अब अवैध खनन से बचाने के लिए बड़ा कदम उठाते हुए केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने राज्यों को अरावली में किसी भी तरह की नई माइनिंग पर पूरी तरह से रोक लगाने के आदेश दिए।

मुंबई में 2051 तक 30% हो जाएगी मुस्लिम आबादी

TISS की रिपोर्ट से सनसनीखेज खुलासा

महानगर नेटवर्क

मुंबई

मायानगरी मुंबई में डेमोग्राफी तेजी से बदलती जा रही है। यहां मुस्लिम आबादी तेजी से बढ़ रही है। ये सनसनीखेज खुलासा देश के प्रतिष्ठित संस्थान TISS यानि टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज की रिपोर्ट में हुआ है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेशी घुसपैठियों की वजह से मुंबई का नक्शा बदल रहा है। इसमें कहा गया है कि मुंबई में बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों की तादाद इस कदर बढ़ रही है कि 2051 तक शहर की डेमोग्राफी पूरी तरह पलट जाएगी।

TISS की रिपोर्ट के मुताबिक, साल 1961 में मुंबई में मुस्लिम आबादी महज 8% थी जो साल 2011 में यह बढ़कर 21% हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक, अगर यही रफ्तार रही तो साल 2051 तक मुंबई की मुस्लिम आबादी 30% पहुंच जाएगी। इतना ही नहीं रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि जो बांग्लादेशी घुसपैठिए मुंबई में पैसा कमा रहे हैं, वो इसका बड़ा हिस्सा बांग्लादेश भेज रहे हैं। इससे पहले नवंबर 2024 में आई TISS की अंतरिम स्टडी रिपोर्ट में भी कहा गया था कि मुंबई में बांग्लादेशी और

रोहिंग्या समुदायों की बढ़ती संख्या शहर की सामाजिक-अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रही है। इसमें कहा गया था कि मुंबई में बांग्लादेश और म्यांमार से अवैध प्रवासियों (ज्यादातर मुस्लिम) की संख्या बढ़ रही है।

7.16 करोड़ का ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट स्कैम पकड़ाया

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने देशभर में फैले एक ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट स्कैम के मामले में चार साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। जांच में नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (NCRP) से जुड़ी शिकायतों में कुल 7.16 करोड़ रुपए के ट्रांजैक्शन का पता चला है। डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (क्राइम ब्रांच) आदित्य गौतम ने बताया कि ये गिरफ्तारियां 3 नवंबर को दर्ज एक ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट फ्रॉड केस की जांच के दौरान की गईं। इस मामले में दिल्ली के एक व्यक्ति से 27.2 लाख रुपए की ठगी की गई थी।

- चार गिरफ्तार, ये लोग देशभर में 300 से ज्यादा साइबर क्राइम में शामिल थे

सावधान! बांग्लादेश की सियासत में आ रहा भूचाल

ढाका। बांग्लादेश की राजनीति में एक ऐसे तूफान की आहट सुनाई दे रही है, जो पूरे दक्षिण एशिया के समीकरण बदल सकता है। इस देश की राजनीति के 'क्राउन प्रिंस' माने जाने वाले तारिक रहमान की 17 साल बाद वतन वापसी होने जा रही है। वे पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (BNP) के सर्वेसर्वा हैं। उनके लौटने की खबर मात्र से ढाका की सड़कों पर हलचल बढ़ गई है और अंतरिम सरकार ने उनके स्वागत के लिए ढाका में सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किए हैं। खबरों की मानें तो ढाका हवाई अड्डे से लेकर

उनके आवास तक लाखों की भीड़ जुटने की संभावना है। सवाल यह है कि क्या तारिक रहमान उतरते ही गिरफ्तारी देंगे या अंतरिम सरकार उन्हें 'सेफ पैसेज' देगी। तारिक रहमान सितंबर 2008 में बांग्लादेश छोड़ कर लंदन चले गए थे। उन्हें 2007 में तत्कालीन सैन्य समर्थित अंतरिम सरकार के दौरान भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार किया गया था। हिरासत के दौरान उनकी तबीयत बिगड़ने और चिकित्सा आधार पर जमानत मिलने के बाद वे इलाज के लिए लंदन गए थे। ढाका में 'डबल-लेयर' सुरक्षा घेरा तैयार किया गया है। एयरपोर्ट से लेकर उनके गुलशन स्थित आवास तक हजारों पुलिसकर्मी और पार्टी वॉलंटियर्स तैनात रहेंगे।

चुनावी मंथन

नालासोपारा विधानसभा:

उत्तर भारतीय मतदाताओं की निर्णायक भूमिका

45 हजार नए वोटर्स से किसका बिगड़ेगा समीकरण?

मंगेश निषाद
नालासोपारा

बहुजन विकास अघाड़ी का अभेद्य किला माने जाने वाली नालासोपारा विधानसभा सीट पर इस बार के चुनावी नतीजों ने राजनीतिक विश्लेषकों को चौंका दिया है। 17 वार्डों वाली इस विधानसभा में सालों से बीवीए का दबदबा रहा है, लेकिन हालिया विधानसभा चुनाव में पार्टी को हार का सामना करना पड़ा। अब सबकी नजरें आगामी महानगरपालिका चुनाव पर टिकी हैं, जहां नए वोटरों की एंट्री ने बड़े उलटफेर के संकेत दिए हैं। लिहाज से वसई-विरार बहुजन विकास आघाड़ी का गढ़ माना जाता है। यहां लगभग तीन दशक तक एकतरफा राज करने वाले हितेन्द्र ठाकुर को भले ही लोकसभा व विधानसभा में हार का सामना करना पड़ा हो, लेकिन मनपा चुनाव में बीजेपी-शिंदे गुट को ठाकुर के गढ़ में सेंध लगाना आसान नहीं होगा। हालांकि, बीवीए को महाविकास आघाडी का साथ मिलने से मुकाबला दिलचस्प होगा।

नालासोपारा विधानसभा क्षेत्र में उत्तर भारतीय मतदाताओं की संख्या निर्णायक भूमिका में है। जानकारों का मानना है कि इस बार के विधानसभा चुनाव में उत्तर भारतीय समाज का झुकाव बदलाव की ओर रहा, जिससे बीवीए के 'गढ़' में सेंध लग गई। 17 वार्डों के इस विशाल क्षेत्र में पार्टी की पकड़ ढीली होना स्थानीय राजनीति के लिए एक बड़ा टर्निंग पॉइंट माना जा रहा है। विधानसभा चुनाव के बाद से अब तक नालासोपारा क्षेत्र में लगभग45 हज़ार नए मतदाताओं के नाम जुड़े हैं। महानगरपालिका चुनाव के लिहाज से यह संख्या बहुत बड़ी है।

राजनीति बनाम जमीनी हकीकत

नालासोपारा विधानसभा हमेशा से राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण रही है,लेकिन स्थानीय लोगों का आरोप है कि चुनाव के समय वादे होते हैं, चुनाव बाद समस्याएं जस की तस रहती हैं। लोकसभा, विधानसभा और मनपा चुनाव के वक्त सभी पार्टिया जनता के अनगिनत वादा करती है लेकिन जब जनता के आशीर्वाद पाकर चुनाव जीत जाती है तो फिर जनता की तरफ मुड़कर नहीं देखती इसी को लेकर जनता में नाराज है।

महापालिका चुनाव में क्या होगा?

विधानसभा चुनाव की हार से सबक लेते हुए सभी राजनीतिक दलों ने अब वार्ड स्तर पर बिसात बिछाना शुरू कर दिया है। उत्तर भारतीय मतदाताओं की बहुलता और 45 हजार नए वोटर के शामिल होने से नालासोपारा का राजनीतिक भविष्य अब पूरी तरह से नए समीकरणों पर टिकी है। क्या बीवीए फिर से वापसी करेगी या यह नया वोट बैंक किसी नए नेतृत्व को मौका देगा, यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

समीकरण का बदलाव: ये नए वोटर युवा और हाल ही में शहर में बसे हुए लोग हैं।

वार्ड स्तर पर असर: 17 वार्डों के गणित को देखते हुए, हर वार्ड में औसतन 2,500 से 3,000 नए वोटरों का इजाफा हुआ है,जो जीत-हार का अंतर तय करने के लिए काफी है।

बहुजन विकास अघाड़ी के लिए चुनौती

जहां विपक्षी दल इस बढ़ी हुई संख्या को भुनाने की कोशिश करेंगे, वहीं बहुजन विकास अघाड़ी के लिए अपना खोया हुआ जनाधार वापस पाना एक बड़ी चुनौती होगी।

2015 में महापालिका चुनाव परिणाम

प्रभाग 31	3278 जीत बहुजन विकास अघाड़ी	567 हार
प्रभाग 30	3246 जीत बहुजन विकास अघाड़ी	643 हार
प्रभाग 63	2091 जीत शिवसेना अविभाजित	1868 हार
प्रभाग 38	2411 जीत बहुजन विकास अघाड़ी	1624 हार
प्रभाग 29	1978 जीत बहुजन विकास अघाड़ी	269 हार

फ्लाईओवर : फाइलों में रफ्तार, सड़कों पर इंतज़ार

शहर की यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए तीन प्रमुख उड़ान पुल (फ्लाईओवर) प्रस्तावित किए गए थे। इनमें से विराटनगर और ओसवालनगरी रेलवे फ्लाईओवर को अंततः मंजूरी मिल गई है, जो क्षेत्र के लिए एक राहत भरी खबर है। हालांकि, अलकापुरी और उमेलमान पुलों का भविष्य अभी भी अधर में लटका हुआ है। इन पुलों के निर्माण में सबसे बड़ी बाधा 'भूमि अधिग्रहण' बनी है। प्रस्तावित ज़मीन का कुछ हिस्सा निजी है, कुछ सरकारी है, तो कुछ हिस्सा नमक के खेतों के अंतर्गत आता है। अधिग्रहण की यह जटिल प्रक्रिया पूरी न होने के कारण इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं की रफ्तार सुस्त पड़ी है।

मतदाताओं का गणित: एक नजर में

विधानसभा और आगामी महापालिका चुनाव के बीच मतदाताओं की संख्या में जो उछाल आया है, वह चौंकाने वाला है:

नालासोपारा विधासभा कुल वर्तमान मतदाता: 6,53,595

पिछले नालासोपार विधासभा चुनाव में मतदाता: 6,08,526

नए मतदाताओं की वृद्धि: 45,069 ये 45,000+ नए वोटर क्यों हैं 'गेम चेंजर'? नालासोपारा में बढ़े हुए यह 45 हजार से अधिक वोटर्स महापालिका चुनाव में 'निर्णायक' भूमिका निभाएंगे। इसके पीछे मुख्य कारण निम्नलिखित हैं:

हार-जीत का कम अंतर: स्थानीय चुनावों में अक्सर जीत का अंतर बहुत कम (सैकड़ों या कुछ हजार वोटों का) होता है। ऐसे में 45,000 नए वोट किसी भी उम्मीदवार का पलड़ा भारी कर सकते हैं।

युवा और प्रवासी मतदाता: नए जुड़ने वाले मतदाताओं में बड़ी संख्या युवाओं और बाहर से आकर बसे लोगों की है। इनका झुकाव किसी पारंपरिक 'वोट बैंक' की बजाय विकास, बुनियादी सुविधाओं और स्थानीय मुद्दों की ओर अधिक हो सकता है।

शहरी मुद्दे: नालासोपारा में पानी, जलजमाव, ट्रैफिक और ड्रेनेज जैसे गंभीर मुद्दे हैं। नया मतदाता इन समस्याओं के समाधान के आधार पर वोट कर सकता है, जो पुराने राजनीतिक समीकरणों को ध्वस्त करने की ताकत रखता है।

लोकल ट्रेन में युवक पर चाकू से हमला

ठाणे। वाशी रेलवे स्टेशन के पास एक लोकल ट्रेन में 24 वर्षीय व्यक्ति पर चाकू से कई वार किए गए, जिसके बाद राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने हत्या की कोशिश का मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। वरिष्ठ जीआरपी निरीक्षक किरण उंद्रे ने बताया कि यह घटना मंगलवार को सुबह करीब आठ बजे हुई जब ट्रेन रेलवे स्टेशन पहुंच रही थी। उन्होंने बताया कि ट्रेन रुकने के बाद आरोपी राजेश राजनगम अरुंदुतियार भाग गया। पीड़ित की पहचान सिराज अब्दुल्ला शेख (24) के रूप में हुई है, जो मानखुर्द के चीता कैंप का रहने वाला है। अधिकारी ने बताया कि शेख अरुंदुतियार को जानता था और पनवेल-सीएसएमटी लोकल ट्रेन में यात्रा के दौरान दोनों के बीच कहासुनी हो गई थी। निरीक्षक उंद्रे ने बताया, ''झगड़े के दौरान अरुंदुतियार ने कथित तौर पर सिराज शेख पर एक धारदार चाकू से उसकी गर्दन, पीठ, कमर और सीने पर वार किया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं।

'प्रचार समाप्ति के बाद सभी प्रसार माध्यमों में चुनावी विज्ञापनों पर प्रतिबंध'

महानगर संवाददाता
मुंबई

महानगरपालिकाओं के होने वाले चुनावों के लिए प्रचार की अवधि 13 जनवरी 2026 को सायं 5.30 बजे समाप्त हो जाएगी। इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक, मुद्रित तथा अन्य किसी भी प्रकार के प्रसार माध्यमों के माध्यम से चुनाव संबंधी किसी भी विज्ञापन का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकेगा। बुधवार को राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा महानगरपालिका चुनावों के संदर्भ में पंजीकृत एवं मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की एक बैठक आयोजित की गई थी। बैठक के बाद आयोग के आयुक्त दिनेश वाघमारे ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महानगरपालिकाओं के लिए मतदान 15 जनवरी 2026 को प्रातः 7.30 बजे से सायं 5.30 बजे तक होगा। संबंधित अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार मतदान समाप्ति के 48 घंटे पूर्व, अर्थात 13 जनवरी 2026 को सायं 5.30 बजे सार्वजनिक चुनाव प्रचार की अवधि समाप्त हो जाएगी। इसके पश्चात किसी भी प्रकार का चुनावी विज्ञापन किसी भी प्रसार माध्यम में प्रकाशित या प्रसारित नहीं किया जा सकेगा। अतः प्रचार समाप्ति के बाद मुद्रित माध्यमों में विज्ञापनों के पूर्व-प्रमाणन अथवा अनुमति का प्रश्न ही नहीं उठता। इस संबंध में विस्तृत प्रावधान राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा 9 अक्टूबर 2025 को जारी 'चुनाव प्रयोजनार्थ प्रसार माध्यम नियंत्रण एवं विज्ञापन प्रमाणन आदेश, 2025' में उल्लेखित हैं। इस अवसर पर आयोग के सचिव सुरेश काकाणी ने विस्तृत प्रस्तुतीकरण देते हुए बताया कि इच्छुक उम्मीदवार का नाम संबंधित महानगरपालिका की मतदाता सूची में होना अनिवार्य है। हालांकि प्रस्तावक और समर्थक का नाम उसी प्रभाग की मतदाता सूची में होना आवश्यक है, जहां से उम्मीदवार चुनाव लड़ रहा है। राजनीतिक दलों के उम्मीदवार तथा निर्दलीय उम्मीदवार दोनों को एक-एक प्रस्तावक और एक-एक समर्थक की आवश्यकता होती है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कोई भी उम्मीदवार एक से अधिक प्रभागों से नामांकन पत्र दाखिल कर सकता है, किंतु वह केवल एक ही प्रभाग की एक ही सीट से चुनाव लड़ सकता है।

भिवंडी मनपा चुनाव : दूसरे दिन 556 नामांकन फार्म बिके,एक नामांकन दाखिल

महानगर संवाददाता
भिवंडी

भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका की सार्वत्रिक चुनाव प्रक्रिया के तहत नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया दूसरे दिन भी जारी रही। बुधवार को विभिन्न निर्वाचन अधिकारी कार्यालयों में कुल 556 नामांकन फार्मों की बिक्री हुई, जबकि 1 उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। चुनाव विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, सात निर्वाचन अधिकारी कार्यालयों में नामांकन फार्मों की बिक्री हुई। निर्वाचन अधिकारी क्रमांक 4 के कार्यालय में सबसे अधिक 147 फार्म बिके। इसके अलावा निर्वाचन अधिकारी क्रमांक 3 में 70, क्रमांक 7 में 79, क्रमांक 5 में 78, क्रमांक 6 में 41, क्रमांक 2 में 91 और निर्वाचन अधिकारी क्रमांक 1 के कार्यालय में 50 फार्मों की बिक्री दर्ज की गई। नामांकन दाखिल करने के मामले में दूसरे दिन 1 नामांकन पत्र दाखिल किए गए, जो निर्वाचन अधिकारी क्रमांक 6 के कार्यालय में जमा हुए। शेष निर्वाचन कार्यालयों में इस दिन कोई नामांकन दाखिल नहीं किया गया।

ठाणे महापालिका चुनाव में नामांकन की रफ्तार तेज

एक दिन में 1001 फॉर्म वितरित

ठाणे। ठाणे महानगरपालिका की आगामी चुनावी प्रक्रिया ने रफ्तार पकड़ ली है। मंगलवार को शहर के नौ प्रभागों में कुल 1001 नामांकन पत्रों का वितरण किया गया। यह जानकारी प्रभाग समिति स्तर पर नियुक्त चुनाव निर्णय अधिकारियों ने दी। वागले प्रभाग समिति से अपक्ष उम्मीदवार संजय रजनीकांत पंड्या ने अपना नामांकन पत्र चुनाव निर्णय अधिकारी वृषाली पाटील के पास दाखिल किया। इससे चुनावी मैदान में हलचल और बढ़ गई है। 23 और 24 दिसंबर, इन दो दिनों में कुल 2070 नामांकन पत्र वितरित किए जा चुके हैं। इससे साफ है कि चुनाव को लेकर उम्मीदवारों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। प्रभाग समिति के अनुसार माजिवडा-मानपाडा से 190, वर्तकनगर से 104, लोकमान्य सावरकर नगर से 141, वागले से 81, नौपाडा-कोपरी से 102, उथळसर से 91, कळवा से 67, मुंब्रा से 132 और दिवा प्रभाग समिति से 93 नामांकन पत्रों का वितरण हुआ है।

वसई किले में फिल्म शूटिंग के दौरान चूल्हा जलाने पर एफआईआर

वसई। पुलिस ने ऐतिहासिक वसई किले के फ्रांसिस्कन चर्च के अंदर फिल्म शूटिंग के दौरान चूल्हा जलाने के आरोप में एक निजी प्रोडक्शन कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। बुधवार को एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। वसई पुलिस ने प्रोडक्शन हाउस 'आरंभ एंटरटेनमेंट' के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है, जिसे सख्त नियमों के अधीन 18 और 19 दिसंबर को किले में शूटिंग की अनुमति दी गई थी।

हालांकि, फ्रांसिस्कन चर्च में शूटिंग के दौरान प्राचीन शिलालेखों वाली पत्थरों पर सीधे चूल्हा जलाया गया। पुरातत्व विभाग ने प्रोडक्शन हाउस के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई, जिसमें भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा निर्धारित अनिवार्य दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया है।

बीएमसी वायु प्रदूषण के मुद्दे पर आंखें मूंद रही: उच्च न्यायालय

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने मुंबई में वायु प्रदूषण के मुद्दे पर ''आंखें मूंद लेने'' और समस्या से निपटने के लिए ''कुछ भी नहीं करने'' के लिए बुधवार को बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) की कड़ी आलोचना की।

मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंखड की पीठ ने सवाल किया कि मुंबई जैसे छोटे शहर में बीएमसी ने लगभग 1,000 करोड़ रुपये की 125 से अधिक निर्माण परियोजनाओं को कैसे मंजूरी दे दी। पीठ ने कहा कि स्थिति अब नगर निकाय के नियंत्रण से बाहर हो गई है। अदालत ने बीएमसी को चेतावनी दी थी कि अगर शहर में वायु प्रदूषण की स्थिति बरकरार रहती है, तो उसे वह निर्माण के लिए आगे कोई भी अनुमति देने से रोकने संबंधी आदेश पारित करेगी। उच्च न्यायालय ने कहा, ''इतने छोटे शहर में 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की 125 परियोजनाओं को कैसे मंजूरी दी जा सकती है? यह बहुत ज्यादा है।

धूमधाम से मनाया गया शारदा प्रसाद सिंह का जन्मदिन

मुंबई। उत्तर भारतीय संघ के कार्याध्यक्ष प्रसिद्ध उद्यमी एवं समाजसेवी शारदा प्रसाद सिंह का 95 वां जन्मदिवस धूमधाम से मनाया गया। गुरु कृपा बैंक्वेट्स चेंबूर में आयोजित इस समारोह में परिवार समाज और अन्य क्षेत्रों की जानी-मानी हस्तियों ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी और उनके दीर्घायु और स्वस्थ लंबे जीवन की कामना की। बधाई देने वालों में सांसद जगदंबिका पाल, पूर्व मंत्री प्रकाश मेहता, मो. आरिफ नसीम खान, उत्तर भारतीय संघ के अध्यक्ष संतोष आरएन सिंह, सांसद संजय दीना पाटील, पूर्व सांसद हरिवंश सिंह, डॉ. राधेश्याम तिवारी, संजय सिंह, डॉ. देवेंद्र तिवारी,डॉ. राजेंद्र सिंह, लालता प्रसाद सिंह, उदय

प्रताप सिंह, सुधाकर सिंह विसेन, राजकुमार सिंह, अनुराग त्रिपाठी, विजय सिंह कौशिक, अवनीश तीर्थराज सिंह, शिव शंकर सिंह, शिव पूजन पांडेय, डॉ. शैलेंद्र सिंह, अशोक नाहर सिंह, मनोज सिंह, नंदलाल सिंह, रमेश सिंह, पल्लवी संजय पाटिल, राजुल संजय पाटिल, एच एन सिंह, रतन सिंह,अमित सिंह,दीपक सिंह,अखिलेश सिंह, आरके भाऊ, गोटई सिंह,छोटेलाल सिंह,अजय सिंह आदि शामिल थे। इसके अलावा उनके घर पर भी सुबह से बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। घर पर बधाई देने वालों में प्रमुख रूप से पूर्व मंत्री कृपाशंकर सिंह और पूर्व विधायक रमेश ठाकुर शामिल थे। गायक सुरेश शुक्ला की टीम ने शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

कोर्ट ने दो बांग्लादेशियों को अवैध रूप से भारत में रहने का दोषी ठहराया

नवी मुंबई। नवी मुंबई की एक अदालत ने दो बांग्लादेशी नागरिकों को भारत में बिना वैध पासपोर्ट प्रवेश करने और रहने के मामले में दोषी ठहराया। ग्यारह दिसंबर के अदालती आदेश की प्रति मंगलवार को उपलब्ध कराई गई, जिसमें अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (बेलापूर) सी. वी. मराठे ने अभियोजन द्वारा फर्जी पहचान दस्तावेज बनवाने से जुड़ी धारा के तहत लगाए गए आरोपों को स्वीकार नहीं किया। मुकदमे के दौरान, अतिरिक्त लोक अभियोजक संध्या म्हात्रे ने अदालत को बताया कि हैदर अली अशरफ अली (29) और फातिमा गफूर शेख (34) को इस वर्ष जनवरी में कोपरगांव, सेक्टर 26 से गिरफ्तार किया गया था।

APMC के पूर्व उपाध्यक्ष पर 57 करोड़ की धोखाधड़ी का केस

मुंबई। मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (EOW) ने नवी मुंबई कृषि उत्पन्न बाजार समिति (APMC) के पूर्व उपाध्यक्ष धनंजय वडकर (58) के खिलाफ 57.14 करोड़ की धोखाधड़ी के आरोप में एफआईआर दर्ज की है। यह मामला पायधुनी पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता राजेंद्र पिसाट (66) के अनुसार वडकर ने राजनीतिक संपर्कों का हवाला देकर कंपनी को रियल एस्टेट में निवेश के लिए प्रेरित किया। लैविश लग्ज़री एलएलपी लग्ज़री वस्तुओं के आयात-निर्यात के कारोबार से जुड़ी है। वर्ष 2021 में वडकर इस फर्म में पार्टनर बने थे और नवंबर 2021

में पार्टनरशिप एग्रीमेंट किया गया था। शिकायत में आरोप है कि नवंबर 2021 में वडकर के कहने पर कंपनी ने पुणे में सस्ते दामों पर जमीन खरीदने के नाम पर 433 करोड़ ट्रांसफर किए. इसमें से 135 करोड़ वडकर ने वापस किए, जबकि शेष 298 करोड़ कथित तौर पर किसानों से विवादित और मुकदमेबाजी वाली जमीनें खरीदने में लगाए गए।

मतदान के लिए अनोखी पहल

महानगर संवाददाता
कल्याण

चलाया जागरूकता अभियान

कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका की आगामी सार्वत्रिक चुनाव प्रक्रिया में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मनपा की स्वीप (SVEEP) टीम द्वारा विभिन्न रचनात्मक प्रतियोगिताओं के माध्यम से नागरिकों, विशेषकर युवा मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

मनपा की स्वीप टीम के समन्वयक अधिकारी संजय जाधव तथा सहायक अधिकारी विजय सरकटे के मार्गदर्शन में यह अभियान संचालित हो रहा है। कार्यक्रम के अंतर्गत मनपा क्षेत्र के स्कूलों और कॉलेजों

में चित्रकला प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता, घोषवाक्य प्रतियोगिता जैसे उपक्रम आयोजित किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि शालेय विद्यार्थी देश के भावी नागरिक और मतदाता होते हैं, इसलिए उन्हें कम उम्र से ही लोकतांत्रिक प्रक्रिया का महत्व समझाना आवश्यक है। इसी सोच के तहत यह पहल की गई है, ताकि आगे चलकर अधिक से अधिक नागरिक मतदान में सक्रिय भागीदारी निभाएं। इस अभियान में के. सी. गांधी हाई स्कूल, राष्ट्रीय विद्यालय सहित कई शैक्षणिक संस्थानों ने उत्साहपूर्वक सहभाग लिया। विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से मतदान हमारा अधिकार और लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदान जरूरी जैसे संदेश दिए।

मीरा-भायंदर में शिव महापुराण कथा का भव्य शुभारंभ

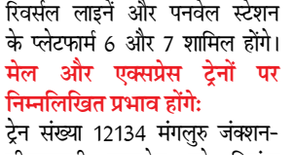

मीरारोड। मीरा-भायंदर शहर में सनातन परंपरा को सुदृढ़ करने वाली शिव महापुराण कथा का बुधवार को भक्तिमय वातावरण में भव्य शुभारंभ हुआ। विश्वविख्यात कथावाचक एवं भागवत भूषण पंडित प्रदीप मिश्रा द्वारा अमृतवाणी से सजी यह कथा 24 से 27 दिसंबर तक दोपहर 2.00 से 5.00 बजे तथा 28 दिसंबर को सुबह 8.00 से 11.00 बजे तक मीरारोड के अदानी पावर हाउस के सामने स्थित मैदान में आयोजित की जा रही है। इस धर्मसभा में महाराष्ट्र राज्य के परिवहन मंत्री एवं धाराशिव जिले के पालकमंत्री प्रताप सरनाईक प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। पहले ही दिन भारी संख्या में शिवभक्तों की उपस्थिति से पूरा परिसर "हर हर महादेव" के जयघोष से शिवमय हो गया। पांच दिवसीय इस शिव महापुराण कथा के दौरान शिवनाम जप, अभिषेक, बेलपत्र अर्पण, उपवास, संयम और सदाचार पर विशेष जोर दिया जा रहा है, जिससे श्रद्धालुओं में आत्मिक शांति और सकारात्मकता का संचार हो रहा है।

कांग्रेस पार्टी को मिला नया साथी

महानगर संवाददाता
मुंबई

कांग्रेस और रासप का हुआ गठबंधन
महादेव जानकर और हर्षवर्धन सपकाल द्वारा संयुक्त घोषणा

नगरपालिका चुनावों के बाद अब होने वाले महानगरपालिका और जिला परिषद चुनावों में कांग्रेस पार्टी को नया साथी मिल गया है। एमवीए में फुट के बाद कांग्रेस पार्टी ने राष्ट्रीय समाज पार्टी (रासपा) के साथ गठबंधन कर लिया है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल और और राष्ट्रीय समाज पार्टी के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री महादेव जानकर के बीच बुधवार को कांग्रेस पार्टी के प्रदेश कार्यालय तिलक भवन में दोनों नेताओं के बीच गठबंधन को लेकर विस्तृत चर्चा हुई,जिसके बाद आयोजित संयुक्त पत्रकार परिषद में इस राजनीतिक समझौते की घोषणा की गई। हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि महादेव जानकर बहुजन समाज की एक सशक्त और प्रभावी आवाज हैं। आज देश में भारतीय जनता पार्टी लोकतंत्र और संविधान पर हमला कर रही है। ऐसे समय में समान विचारधारा वाले दलों का एकजुट होना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि नगरपालिका और नगर पंचायत चुनावों में भले ही औपचारिक गठबंधन की घोषणा नहीं हुई थी, लेकिन सातारा, सांगली, मराठवाड़ा और विदर्भ के कई हिस्सों में कांग्रेस और रासपा ने मिलकर चुनाव लड़ेगी। उसी सहयोग और विश्वास को आगे बढ़ाते हुए अब महानगरपालिका और जिला परिषद चुनावों में भी साथ रहने का निर्णय लिया गया है।

डॉ. रोहित शाह ने पदभार संभाला

मुंबई। इंडियन डेंटल एसोसिएशन (IDA) की मुंबई शाखा को यह घोषणा करते हुए अत्यंत गर्व हो रहा है कि डॉ. रोहित शाह ने आधिकारिक रूप से IDA मुंबई शाखा के अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया है। यह अवसर मुंबई के दंत चिकित्सा समुदाय के लिए गौरव और महत्व का क्षण है। देश की सबसे बड़ी और सबसे सक्रिय IDA शाखा का नेतृत्व संभालना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। IDA मुंबई शाखा का अध्यक्ष पद अत्यंत जिम्मेदारी भरा है,जिसके लिए निरंतर प्रतिबद्धता, दूरदृष्टि, समर्पण और अथक परिश्रम की आवश्यकता होती है। यह पद केवल उन्हीं व्यक्तियों को

प्राप्त होता है,जिन्होंने वर्षों तक अपने कार्य, सेवा और नेतृत्व क्षमता के माध्यम से विश्वास अर्जित किया हो। पदभार ग्रहण करते समय डॉ. शाह ने अपने दृष्टिकोण, मिशन और आगामी योजनाओं को साझा किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता आम जनता में दंत चिकित्सा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है, जिससे मौखिक स्वास्थ्य शिक्षा को सुदृढ़ किया जा सके और दंत चिकित्सा पेशे को समग्र रूप से लाभ हो।

मध्य रेलवे पर विशेष पॉवर ब्लॉक

मुंबई। पनवेल-कलांबोली कोचिंग कॉम्प्लेक्स और अन्य कार्यों से संबंधित अतिक्रमणों को हटाने के लिए 24/25. दिसंबर (बुधवार/गुरुवार मध्यरात्रि) से 30/31 दिसंबर (मंगलवार/बुधवार मध्यरात्रि) तक विशेष पॉवर ब्लॉक संचालित किए जाएंगे। पनवेल-कलंबोली कोचिंग कॉम्प्लेक्स से संबंधित अतिक्रमणों को हटाने का कार्य, पनवेल में प्वाइंट संख्या 101B को दिवा छोर की ओर 4.5 मीटर स्थानांतरित करने के लिए शैडो ब्लॉक का निर्माण किया जायेगा। पनवेल में प्लेटफार्म संख्या 5/6 और 7/8 के बीच एफओबी गर्डर सेटों का शुभारंभ, और पनवेल में स्टील कॉलम और क्रॉस गर्डर की स्थापना का कार्य।

इस ब्लॉक में पनवेल स्टेशन की सीमा के भीतर आने-जाने वाली मेल लाइनें, लूप लाइनें, कर्जत लाइनें, इंजन रिवर्सल लाइनें और पनवेल स्टेशन के प्लेटफार्म 6 और 7 शामिल होंगे।

मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों पर निम्नलिखित प्रभाव होंगे:

ट्रेन संख्या 12134 मंगलुरु जंक्शन-सीएसएमटी एक्सप्रेस को दिनांक 24/25 दिसंबर (बुधवार/गुरुवार मध्यरात्रि) से दिनांक 30/31 दिसंबर (मंगलवार/बुधवार मध्यरात्रि) तक प्रतिदिन आप्टा स्टेशन पर 20 से 30 मिनट के लिए रेगुलेट किया जाएगा। ट्रेन संख्या 01151 सीएसएमटी-करमाली एक्सप्रेस 24/25 दिसंबर (बुधवार/गुरुवार मध्यरात्रि) से दिनांक 26/27 दिसंबर (शुक्रवार/शनिवार मध्यरात्रि) तक और दिनांक 28/29 दिसंबर (रविवार/सोमवार मध्यरात्रि) से दिनांक 30/31दिसंबर (मंगलवार/बुधवार मध्यरात्रि) तक प्रतिदिन कलांबोली स्टेशन पर 1 घंटे 15 मिनट के लिए रेगुलेट की जाएगी। ट्रेन संख्या 01151 की दिनांक 27/28 दिसंबर (शनिवार/रविवार मध्यरात्रि) से शुरू होने वाली यात्रा को रिशेड्यूल करके 03:00 बजे कर दिया गया है।

ट्रेन संख्या 01152 करमाली-सीएसएमटी एक्सप्रेस दिनांक 24/25 दिसंबर (बुधवार/गुरुवार मध्यरात्रि) से दिनांक 30/31 दिसंबर (मंगलवार/बुधवार मध्यरात्रि) तक प्रतिदिन जीते स्टेशन पर 1 घंटे 15 मिनट के लिए रेगुलेट की जाएगी । ट्रेन संख्या 22115 एलटीटी-करमाली एक्सप्रेस 25 दिसंबर को यात्रा आरम्भ तिथी को 25 दिसंबर को 01.45 बजे रिशेड्यूल किया जाएगा। ट्रेन संख्या 22655 एर्नाकुलम-हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस 24/25 दिसंबर (बुधवार/गुरुवार मध्यरात्रि) को सोमाटने स्टेशन पर 50 मिनट के लिए रेगुलेट किया जाएगा।

इनकमिंग-आउटगोइंग का खेल तेज

मनपा चुनाव से पहले सियासी उठापटक

भायंदर। मीरा-भायंदर महानगरपालिका चुनाव से पहले शहर की राजनीति में जबरदस्त हलचल देखने को मिल रही है। भाजपा छोड़कर अन्य दलों में जाने वाले नेताओं और कार्यकर्ताओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। हाल ही में भाजपा से इस्तीफा देकर कई नेताओं ने शिवसेना (शिंदे गुट) का दामन थामा है, जिससे राजनीतिक सरगर्मी और तेज हो गई है। शिवसेना में शामिल हुए पूर्व भाजपा नेता अब भाजपा नेतृत्व पर कार्यकर्ताओं की अनदेखी करने सहित कई गंभीर आरोप लगा रहे हैं। हालांकि, राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा भी आम है कि यही नेता जब भाजपा में थे, तब वे शिवसेना और अन्य दलों के नेताओं पर तीखे आरोप लगाते नजर आते थे। भाजपा सूत्रों का कहना है कि यह पूरा घटनाक्रम आगामी मनपा चुनाव में उम्मीदवारी को लेकर है। जिन नेताओं को यह संकेत मिल गया कि उन्हें भाजपा से टिकट नहीं मिलेगा, वे अन्य दलों में जाकर अपनी राजनीतिक संभावनाएं तलाश रहे हैं। भाजपा का दावा है कि आरोप-प्रत्यारोप के पीछे असली वजह केवल चुनावी टिकट की लालसा है। उधर, शहर में महायुति को लेकर भी चर्चाओं का बाजार गर्म है।

नववर्ष से पहले होटल-रेस्टोरेंट पर सख्ती

राज्यभर में एफडीए का गहन जांच अभियान

महानगर संवाददाता
मुंबई

नववर्ष के स्वागत और 31 दिसंबर के जश्न को देखते हुए राज्य सरकार ने होटल,रेस्टोरेंट और खाद्य प्रतिष्ठानों पर कड़ी नजर रखने का फैसला किया है। खाद्य व औषधि प्रशासन (एफडीए) तथा विशेष सहायता विभाग के मंत्री नरहरी झिरवाल ने खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में सभी होटल,रेस्टोरेंट और खाद्य आस्थापनाओं की सख्त और गहन जांच करें,ताकि नागरिकों को स्वच्छ, सुरक्षित और शुद्ध भोजन मिल सके। मंत्री झिरवाल ने स्पष्ट किया कि लोगों के स्वास्थ्य की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जांच के दौरान एक्सपायरी कच्चे माल का उपयोग, खाद्य पदार्थों में खाद्य व अखाद्य रंगों का इस्तेमाल, रसोई और परिसर की स्वच्छता तथा खाद्य सुरक्षा मानकों के पालन की सघन पड़ताल की जाएगी। इसके लिए खाद्य व औषध प्रशासन ने पूरे राज्य में विशेष अभियान शुरू किया है।

अच्छे होटलों को मिलेगा सम्मान

स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा के उच्च मानकों का पालन करने वाले होटल प्रतिष्ठानों को प्रोत्साहित करने के लिए जिला और राज्य स्तर पर उत्कृष्ट होटलों को पुरस्कार दिए जाएंगे। जिला स्तर पर चयनित होटलों को 26 जनवरी 2026 को संबंधित जिले के पालक मंत्री के हाथों सम्मानित किया जाएगा, जबकि राज्य स्तर पर उत्कृष्ट होटलों को मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्रियों द्वारा सम्मान प्रदान किया जाएगा।

होटल स्वच्छता का संकल्प अभियान

मंत्री नरहरी झिरवाल की पहल पर 'नववर्ष का स्वागत, होटल स्वच्छता का संकल्प' यह विशेष अभियान 26 दिसंबर से 15 जनवरी तक पूरे महाराष्ट्र में चलाया जाएगा। अभियान के अंत में इसकी विस्तृत रिपोर्ट मंत्री कार्यालय में प्रस्तुत की जाएगी। नववर्ष के जश्न से पहले सरकार की यह पहल नागरिकों के स्वास्थ्य की सुरक्षा और होटल उद्योग में स्वच्छता की संस्कृति को और मजबूत करने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है।

आरक्षण से निकलेगी महापौर पद की लॉटरी

नगर विकास विभाग जल्द निकालेगा लॉटरी

मुंबई। बीएमसी चुनाव के लिए इस बार वार्डों का आरक्षण की लॉटरी पूरी तरह नए सिरे से हुई। उसी तरह महापौर के आरक्षण की लॉटरी भी नए सिरे से निकलेगी। नगर विकास विभाग महापौर पद के आरक्षण की लॉटरी जल्द ही नगर विकास विभाग निकालेगा। महापौर पद के आरक्षण की लॉटरी निकलने और चुनाव सम्पन्न होने के बाद ही तय हो पाएगा की कौन होगा महापौर,लेकिन किस जाति का महापौर होगा यह लॉटरी के बाद ही तय हो जाएगा।

उल्लेखनीय है कि बीएमसी चुनाव के लिए नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई है 15 को मतदान और 16 जनवरी को मतगणना के साथ ही तय हो जाएगा कि बीएमसी की सत्ता किस राजनीतिक पार्टी के हाथ लगेगी। पार्टी की सत्ता आने के पूर्व ही महापौर किस का होगा इसको लेकर जोरदार चर्चा शुरू है,लेकिन किस जाति का महापौर होगा इसको लेकर अभी तक आशंका बनी हुई है। महापौर पद ओबीसी,एससी,एसटी या महिला के रिजर्व होगा यह जनरल रहेगा इसके लिए राज्य सरकार का नगर विकास विभाग जल्द ही लॉटरी निकलेगा। महापौर पद खुला प्रवर्ग सहित महिला के लिए भी आरक्षित हो सकता है। महापौर पद का चयन रोटेशन नहीं, बल्कि पूरी तरह नई लॉटरी निकलेगी। जिससे महापौर पद किसी भी जाति अथवा महिला की लॉटरी लग सकती है। इसलिए, राजनीतिक दलों के लिए यह अंदाजा लगाना नामुमकिन है कि मेयर का पद किसी कोटे में रिजर्व होगा या जनरल होगा। नगर विकास विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि अगले दो-तीन दिनों में या अगले सप्ताह के शुरुआत में बीएमसी सहित सभी 29 महानगर पालिकाओं के महापौर पद की लॉटरी निकालने की तैयारी चल रही है। बीएमसी में महापौर का पद सबसे प्रमुख होता है,बीएमसी का महापौर मुंबई का प्रथम नागरिक होता है। देश की राजधानी मुंबई को चलाने वाली बीएमसी के शीर्ष पद पर बैठने का सभी नगरसेवकों का सपना होता है। महापौर पद का आरक्षण भी लॉटरी से तय होता है।

उत्तर भारतीय संघ की 'माता अहिल्याबाई होलकर महाअन्नदान योजना'

200 जरूरतमंदों को प्रतिदिन नि:शुल्क भोजन

महानगर संवाददाता
मुंबई

उत्तर भारतीय संघ धर्मरक्षक 'माता अहिल्याबाई होलकर महाअन्नदान योजना' शुरू करने जा रहा है। इस योजना के तहत बांद्रा पूर्व स्थित उत्तरभारतीय संघ भवन में रोजाना 200 से अधिक गरीब और जरूरतमंदों को निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। उत्तर भारतीय संघ के अध्यक्ष संतोष आरएन सिंह ने इस संबंध में बताया कि धर्मरक्षक माता अहिल्याबाई होलकर की जयंती के त्रिशताब्दी वर्ष के अवसर पर संघ महाअन्नदान योजना की शुरुआत करने जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इसके लिए हाईटेक किचन और महा अन्नदान ग्रहण करने के लिए एक हॉल बनाया गया है। संतोष आरएन सिंह के अनुसार यह योजना बहुत जल्द शुरू की जाएगी। इस योजना के शुरू होने से संघ की समाजसेवा मुहिम में एक नया अध्याय जुड़ जाएगा। संघ का एकमात्र मकसद समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक सहायता पहुंचाना है। यह महाअन्नदान योजना इसी मकसद की एक कड़ी है।

बीएमसी चुनाव : दूसरे दिन दो उम्मीदवारों ने भरा पर्चा

दूसरे दिन 2,844 लोगों ने लिए फार्म

महानगर संवाददाता
मुंबई

बीएमसी चुनाव को लेकर अब जहां राजनीतिक पार्टियों में गठबंधन आदि को लेकर तेजी आई है। वहीं दूसरी ओर इच्छुक उम्मीदवरों द्वारा चुनाव लड़ने के लिए फार्म की खरीददारी भी तेज हो गई है। उम्मीदवारों के आवेदन करने के निश्चित हुई तारीख में दुसरे दिन दो उम्मीदवारों ने अपना पर्चा दाखिल भी कर दिया,जबकि फार्म लेने के लिए दुसरे दिन भी चुनावी कार्यालयो पर लम्बी कतार दिखाई दी दुसरे दिन भी इच्छुक उम्मीदवारों ने 2,844 फार्म खरीद कर ले गए,जबकि पहले दिन इच्छुक उम्मीदवारों ने 4165 फार्म खरीदे थे।

बता दें कि बीएमसी ने शहर के 23 स्थानों पर उम्मीदवारों के लिए फार्म खरीदने और आवेदन करने की सुविधा उपलब्ध कराई है। राज्य चुनाव आयोग के निर्देश पर निर्वाचन निर्णय अधिकारी कार्यालयों से कुल 2,844 नामनिर्देशन अर्जों का वितरण किया गया। वहीं दो उम्मीदवारों ने अपने फार्म भरकर अपना आवेदन कर भी दिया।

उल्लेखनीय है कि मुख्य राजनीतिक पार्टियां अभी तक गठबंधन तक नहीं निश्चित कर पाए हैं, वहीं निर्दलीय उम्मीदवार अपने आवेदन भी करने लगे हैं। महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार उम्मीदवारों को नामनिर्देशन अर्ज देने की प्रक्रिया मंगलवार 23 दिसंबर से शुरू हुई है। पहले दिन 23 निर्वाचन निर्णय अधिकारी कार्यालयों से कुल 4,165 नाम निर्देशन फार्म वितरित किए गए थे हालांकि उस दिन एक भी नामनिर्देशन अर्ज दाखिल नहीं किया गया था। नाम निर्देशन फार्म वितरण के दूसरे दिन बुधवार को कुल 2,844 फार्म वितरित हुए। गुरुवार 25 दिसंबर को क्रिसमस के अवसर पर सार्वजनिक अवकाश होने के कारण नामनिर्देशन करने के फार्म का वितरण और स्वीकृति बंद रहेगी। दो उम्मीदवारों द्वारा किया गया आवेदन में एक आवेदन एन वार्ड घाटकोपर और एक आवेदन जोगेश्वरी में हुआ।

विभागवार नाम निर्देशन फार्म का वितरण और प्राप्ति का विवरण इस प्रकार है

- ए+बी ई विभाग से 109 अर्ज
- सी + डी विभाग से 56
- एफ उत्तर विभाग से 98
- एफ दक्षिण विभाग से 83
- जी उत्तर विभाग से 286
- जी दक्षिण विभाग से 52
- एल विभाग (आरओ-16) से 111
- एल विभाग (आरओ-17) से 78
- एम पूर्व विभाग से 340
- एम पश्चिम विभाग से 174
- एन विभाग से 77 अर्ज वितरित हुए,जिनमें से 1 फार्म प्राप्त हुआ
- एस विभाग से 106
- टी विभाग से 97
- एच पूर्व विभाग से 94
- एच पश्चिम विभाग से 146
- के पश्चिम विभाग से 193,
- के पूर्व + के उत्तर विभाग से 232 फार्म वितरित हुए, जिनमें से 1 फार्म प्राप्त हुआ,
- पी दक्षिण विभाग से 71,
- पी उत्तर विभाग से 120,
- पी पूर्व विभाग से 128,
- आर दक्षिण विभाग से 90,
- आर मध्य विभाग से 60
- आर उत्तर विभाग से 43 .फार्म वितरित किए गए

पूर्वोत्तर रेलवे

निविदा सूचना संख्या–14 दिनांकः22.12.25
ई–प्रोक्योरमेंट के माध्यम से निविदा आमंत्रण

उप मुख्य सामग्री प्रबंधक/डिपो/पूर्वोत्तर रेलवे/गोरखपुर कृते भारत के राष्ट्रपति तथा उनकी ओर से ई–प्रोक्योरमेंट के माध्यम से निम्नलिखित सामग्री की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। सामग्री का पूर्ण विवरण तथा नियम एवं शर्तें वेबसाईट www.ner.indianrailways.gov. in & www.tendrs.gov.in पर देखा जा सकता है। **क्र0 सं0: 1 निविदा संख्या एवं खुलने की तिथिः** 10259183 Dt. 16.01.2026 **मद का संक्षिप्त विवरणः** रेट्रो फिटमेंट ऑफ रिवाइज्ड WSP वायरिंग विथ मोडीफाईड जंक्शन इत्यादि। **मात्राः 225 Set अर्नेस्ट मनी (रुपया):** 8,70,310/– 1 उपरोक्त निविदा आईआरईपीएस के साइट http/www.ireps.gov.in पर स्थित है। जो पतिष्ठान इलेक्ट्रानिकली पंजीकृत है वे ई–टेण्डर में सम्मिलित हो सकते हैं। जो प्रतिष्ठान क्लास 3 डिजिटल सर्टिफिकेट नही प्राप्त किये है वे अधिकृत एजेन्सी जो भारत सरकार के द्वारा अधिकार पत्र आईटी अधिनियम 2000 से अधिकृत है उनसे प्राप्त कर सकते है। मैन्युअल निविदा स्वीकृत नही की जायेगी। 2. आपूर्तिकर्तागण को यह सूचित किया जाता है कि उप मुख्य सामग्री प्रबंधक/डिपो/पूर्वोत्तर रेलवे/गोरखपुर विज्ञापित निविदाएं एवं सभी बलेटिन निविदाएं केवल ईपीएस (ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम) द्वारा खोली जा रही है, जो भी प्रतिष्ठान उप मुख्य सामग्री प्रबंधक/ डिपो/पूर्वोत्तर रेलवे/गोरखपुर की निविदाओं के प्रति इच्छुक हो एवं भाग लेना चाहते हो उन्हे आवश्यक डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट प्राप्त करना होगा एवं अपने प्रतिष्ठान को CRIS/NEW DELHI. में पंजीकृत कराना होगा। इस सम्बंध में आवश्यक विस्तृत विवरण वेबसाइट http//www.ireps.gov.in से प्राप्त किया जा सकता है। 3. निविदा सूचना के अंग्रेजी एवं हिन्दी प्रकाशन में भिन्नता होने की स्थिति में अंग्रेजी प्रकाशन मान्य होगा। 4. एलोकेशन शीर्ष निविदा प्रपत्र, जमानती धनराशि का 00844517 तथा बयाना धनराशि का 00084506 हैं। उप मुख्य सामग्री प्रबंधक/डिपो/पूर्वोत्तर रेलवे/गोरखपुर द्वारा प्रकाशित ई0 निविदाओं का टेण्डर काश्ट तथा ईएमडी का भुगतान ऑन–लाइन IREPS PORTAL पर ही मान्य होगा जो दिनांक 01.09.2016 से या उनके बाद प्रकाशित निविदाओं पर प्रभावी होगा। यह Global tender पर प्रभावी नही होगा।

उप मुख्य सामग्री प्रबंधक/डिपो गोरखपुर
मुजाघि/स्टोर–68

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

सार्वजनिक सूचना

एतद्द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि **बागेश्री को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड,** एक सहकारी गृहनिर्माण सोसाइटी जो महाराष्ट्र सहकारी सोसाइटी अधिनियम 1960 के अंतर्गत पंजीकृत है, और पंजीकरण संख्या बी.ओ.एम./एच.एस.जी./896 सन् 1965 दिनांक 03.03.1965 धारण करती है, जिसका पंजीकृत कार्यालय प्लॉट नं. 75 व 76, टी.पी.एस. 6, रोड नं. 3, सांताक्रूज (पश्चिम), मुंबई - 400 054 पर है (इसके पश्चात **"उक्त सोसाइटी"** के रूप में संदर्भित), नीचे अनुसूची में वर्णित संपत्ति के संबंध में स्वामी है और अधिकार, स्वामित्व और हित रखती है.

दिनांक 10.09.1966 के बंधक विलेख के द्वारा और उसके अंतर्गत, जो मुंबई में आश्वासन के उप-पंजीयक के यहां क्रम संख्या 377 सन् 1966 के अंतर्गत, दिनांक 10.09.1966 को पुस्तक संख्या 1 में पंजीकृत हुआ, जो यहां सोसाइटी (जिसे उसमें **"बंधककर्ता"** के रूप में संदर्भित किया गया है) एक पक्ष का और महाराष्ट्र राज्य सहकारी गृहनिर्माण वित्त निगम लिमिटेड (जिसे उसमें **"बंधकग्रहीता"** के रूप में संदर्भित किया गया है) दूसरे पक्ष का, के बीच निर्मित और संपन्न किया गया था, जिसमें उसमें बंधकग्रहीताओं ने ऋण प्राप्त किया था और उक्त संपत्ति को मूल्य और प्रतिफल के लिए बंधककर्ताओं के पास संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में रखा व हस्तांतरित किया था और उसमें विशेष रूप से उल्लिखित नियमों और शर्तों पर;

दिनांक 01.12.2008 के पुनः-हस्तांतरण विलेख के द्वारा और उसके अंतर्गत, जो मुंबई में आश्वासन के उप-पंजीयक के यहां क्रम संख्या 10773 सन् 2008 के अंतर्गत पंजीकृत हुआ, जो महाराष्ट्र राज्य सहकारी गृहनिर्माण वित्त निगम लिमिटेड (जिसे उसमें **"बंधकग्रहीता"** के रूप में संदर्भित किया गया है) एक पक्ष का और यहां सोसाइटी (जिसे उसमें **"बंधककर्ता"** के रूप में संदर्भित किया गया है) दूसरे पक्ष का, के बीच निर्मित और संपन्न किया गया था, जिसमें उपर्युक्त दिनांक 10.09.1966 के बंधक विलेख के अंतर्गत प्रतिफल की चुकौती पर, उसमें बंधकग्रहीताओं ने, महाराष्ट्र राज्य सहकारी गृहनिर्माण वित्त निगम लिमिटेड ने, उक्त संपत्ति को यहां सोसाइटी को मूल्य और प्रतिफल के लिए और उसमें विशेष रूप से उल्लिखित नियमों और शर्तों पर पुनः-हस्तांतरित किया था;

हमें आगे सूचित किया गया है कि सोसाइटी के रिकॉर्ड के अनुसार निम्नलिखित नीचे तालिका में उल्लिखित वर्तमान सदस्य हैंः-

अ. क्र.	फ्लैट नं.	नाम	पुराना कारपेट एरिया	शेयर प्रमाणपत्र सं.	विशिष्ट सं.
1	01	श्रीमती शालिनी राजाराम अमोनकर	641	45	1261 से 1320
2	02	श्री शंताराम रामचंद्र चव्हाण	423	29	1321 से 1380
3	03	अ) श्री शैलेश श्रीधर पाटकर, ब) श्री संजय श्रीधर पाटकर	547	25	1441 से 1500
4	04	श्रीमती गीताबेन जीवनलाल मकवाना	519	18	1021 से 1080
5	05	अ) श्रीमती वलीबेन नारन पटेल, ब) श्री नारन भाना पटेल	525	34	1081 से 1140
6	06	अ) श्री नारन भाना पटेल, ब) श्रीमती वलीबेन नारन पटेल	544	42	541 से 600
7	07	कुमारी मीता सुरेश कोरगांवकर	653	21	1201 से 1260
8	08	श्री चंपालाल पकाजी मेदतिया	425	06	301 से 360
9	09	श्री शांताराम मोरोपंत बडकर	531	12	661 से 720
10	10	श्री गजानन शांताराम रांगणेकर	549	11	601 से 660
11	11	अ) श्रीमती वलीबेन नारन पटेल, ब) श्री नारन भाना पटेल	544	44	481 से 540
12	12	अ) श्रीमती रीमा शैलेश पाटकर, ब) श्री शैलेश श्रीधर पाटकर	545	32	781 से 840
13	13	अ) श्री हेमंत जयरामदास भाटिया, ब) श्रीमती प्रिया हेमंत भाटिया	527	08	421 से 480
14	14	अ) श्री करनमल शंकरलाल वया, ब) श्रीमती रूपादेवी करनमल वया	551	31	361 से 420
15	15	अ) श्री सतीश अप्पी प्रभु, ब) श्री अनिल अप्पी प्रभु, क) श्री प्रकाश अप्पी प्रभु	444	20	1141 से 1200
16	16	श्री विश्वनाथ वेंकटेश भट	625	30	1381 से 1440
17	17	अ) श्री नारन धरमशी वाविया, ब) श्रीमती जयश्री नारन वाविया	539	40	241 से 300
18	18	अ) श्री अमूलकुमार करनमल वया, ब) श्री करनमल शंकरलाल वया, क) श्रीमती रूपादेवी करनमल वया	555	43	121 से 180
19	19	अ) श्रीमती दक्षा महेंद्र छेडा, ब) श्री महेंद्र शामजी छेडा	552	27 व 28	181 से 185 व 186 से 240
20	20	श्रीमती सुवर्णा शशिकांत भट्ट	539	37	841 से 900
21	21	श्री सुभाष रामचंद्र परूळकर	540	35	901 से 960
22	22	श्री मदन नारायण हेगडे	555	41	01 से 60
23	23	अ) श्री शांतिलाल मनोहरलाल मेहता, ब) श्रीमती लीला शांतिलाल मेहता	371	39	61 से 120
24	24	श्री गौरव शांतिलाल मेहता	331	13	721 से 780
25	25	श्रीमती रूपा आतिश बडकर	359	46	961 से 1020

हमें आगे यह सूचित किया गया है कि उक्त सोसाइटी ने उक्त संपत्ति के संबंध में कोई बंधक, धारणाधिकार, प्रभार और/या कोई अन्य भार/भार और/या कोई अन्य तृतीय पक्ष अधिकार निर्मित नहीं किया है.

बागेश्री को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड ने मूल रूप से हमारे मुवक्किल **नविश रियल्टी** को उक्त संपत्ति के संबंध में पुनर्विकास अधिकार प्रदान करने के लिए सहमति व्यक्त की है और तदनुसार हम उक्त संपत्ति के संबंध में और साथ ही व्यक्तिगत सदस्यों और फ्लैट खरीदारों के संबंधित शीर्षक स्वामित्व की जांच कर रहे हैं.

यदि कोई व्यक्ति, कंपनी, फर्म, व्यक्तियों का संघ, सार्वजनिक या निजी ट्रस्ट, या व्यक्ति या व्यक्तियों का कोई संघ या कोई अन्य संस्था जो यहां स्पष्ट रूप से दर्ज किए गए के अलावा उक्त संपत्ति में या उसके किसी भाग में या उस पर, विक्रय, विनिमय, समनुदेशन, दान, बंधक, न्यास, उत्तराधिकार, कब्जा, वसीयत, भरण-पोषण, धारणाधिकार, विरासत, पट्टा, किरायेदारी, लाइसेंस, लिस पेंडेन्स, कस्टोडिया लेजिस, सुखाधिकार या अन्यथा, या किसी अन्य अधिकार या किसी अन्य हित के माध्यम से कोई अधिकार, स्वामित्व हित और/या दावा रखता है और/या दावा करता है, तो ऐसे दावे की सूचना जिसमें दावे या हित की प्रकृति के साथ-साथ उसी की पहचान करने के लिए पर्याप्त अन्य विवरण और ऐसे दावे या हित के समर्थन में प्रासंगिक दस्तावेजों की प्रतियां, यदि कोई हों, हमारे कार्यालय में **परिसर नं. 04, प्रथम तल, गोराई सांगली सहयोग को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, गोराई रोड, बोरीवली (पश्चिम), मुंबई - 400 091** पर इस सूचना के प्रथम प्रकाशन से **14 दिनों की अवधि के भीतर** लिखित में दर्ज की जानी चाहिए. यदि हमें उपर्युक्त अवधि के भीतर ऐसी कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है, तो यह माना जाएगा कि यहां दर्ज तथ्यों के आधार पर उक्त संपत्ति के लिए उक्त सोसाइटी का शीर्षक स्वामित्व स्पष्ट, विपणन योग्य और सभी भारों से मुक्त है या किसी भी स्थिति में, दावों के धारक/धारकों ने, यदि कोई है/हैं, उसे/उन्हें त्याग दिया है. ऐसी स्थिति में, हम सोसाइटी को आवश्यक शीर्षक स्वामित्व प्रमाणपत्र जारी करेंगे और ऐसे दावे/दावों, यदि कोई हो, जो उक्त अवधि के बाद उठाए जा सकते हैं, के संज्ञान में किसी भी तरीके से लेने के लिए किसी भी तरह से उत्तरदायी नहीं होंगे.

उपर्युक्त संदर्भित अनुसूचीः
(उक्त संपत्ति)

वह समस्त भूमि का टुकड़ा या पार्सल जो मूल रूप से सी.टी.एस. नं. 1636 व 1637, अंतिम प्लॉट नं. 75 और 76, सांताक्रूज टाउन प्लानिंग स्कीम नं. VI, क्षेत्रफल 1301 वर्ग मीटर या लगभग, गांव - विले पार्ले पश्चिम, तालुका - विले पार्ले, मुंबई उपनगरीय जिला के उप पंजीकरण जिले के पंजीकरण जिले में स्थित है, और प्लॉट नं. 75 व 76, टी.पी.एस. रोड नं. 6, सांताक्रूज पश्चिम, मुंबई - 400 054 पर स्थित है, उस पर खड़ी इमारत के साथ जो बागेश्री को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड के नाम से जानी जाती है, जिसमें दो इमारतें हैं, इमारत नं. 1 जिसमें भूतल सहित 2 ऊपरी मंजिलें शामिल हैं, जिसमें 12 परिसर हैं और इमारत नं. 2 जिसमें 13 परिसर हैं, कुल मिलाकर 25 परिसर हैं, जो प्लॉट नं. 75 व 76, टी.पी.एस. 6, रोड नं. 3, सांताक्रूज पश्चिम, मुंबई - 400 054 पर स्थित हैं और निम्नानुसार सीमांकित हैंः-

पश्चिम में या की ओर : अंतिम प्लॉट नं. 74
पूर्व में या की ओर : अंतिम प्लॉट नं. 77
उत्तर में या की ओर : अंतिम प्लॉट नं. 73
दक्षिण में या की ओर : सार्वजनिक सड़क

स्थानः मुंबई
दिनांकः 25.12.2025

Prime Legem

प्राइम लेजेम
प्राइम लेजेम की ओर से,
हस्ता/-
प्रोप्राइटर
उच्च न्यायालय के अधिवक्ता

सीधे चुने गए अध्यक्ष को मिलेगा वोट का हक

राज्य सरकार जारी करेगी अध्यादेश ● कैबिनेट बैठक में लिया गया फैसला

महानगर संवाददाता
मुंबई

नगर परिषद और नगर पंचायतों में प्रशासन को और स्पष्ट व मजबूत बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। मंत्रिमंडल की बैठक में सीधे निर्वाचित अध्यक्ष को सदस्यता और मतदान का अधिकार देने के लिए महाराष्ट्र नगर परिषद, नगर पंचायत एवं औद्योगिक नगर अधिनियम, 1965 में संशोधन के लिए अध्यादेश जारी करने का निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने की। सरकार ने स्पष्ट किया कि जो व्यक्ति नगर परिषद या नगर पंचायत का सदस्य बनने के लिए पात्र है,वहीं अध्यक्ष पद के लिए भी पात्र होता है। ऐसे में कोई व्यक्ति एक साथ अध्यक्ष और सदस्य दोनों पदों पर चुना जा सकता है। चूंकि उसे दोनों पदों के लिए जनता का जनादेश मिलता है, इसलिए वह अध्यक्ष के साथ-साथ सदस्य के रूप में भी काम करता है। अब प्रस्तावित संशोधन के तहत सीधे निर्वाचित अध्यक्ष को सदस्य के रूप में एक मत देने का अधिकार मिलेगा। यानी वह अध्यक्ष या सदस्य, किसी एक हैसियत से एक वोट दे सकेगा। वहीं, यदि मतदान में मत बराबर हो जाते हैं, तो अध्यक्ष को निर्णायक मत (कास्टिंग वोट) देने का अधिकार रहेगा। इस महत्वपूर्ण बदलाव को लागू करने के लिए अधिनियम में संशोधन करते हुए अध्यादेश जारी करने को मंत्रिमंडल की मंजूरी दे दी गई है। गांव, तालुका और जिला स्तर पर विकास कार्यों को और प्रभावी बनाने के लिए मंत्रिमंडल की बैठक में 'जिला कर्मयोगी कार्यक्रम 2.0' और 'सरपंच संवाद कार्यक्रम' लागू करने का निर्णय लिया गया। दोनों कार्यक्रम मित्रा संस्था के माध्यम से संचालित किए जाएंगे।

लग्जरी स्पा में मसाज के साथ मिलती थी 'स्पेशल सर्विस'

सौदा तय होने पर भेजी जाती थी लड़कियां, रंगे हाथ पकड़ी गईं सात युवतियां

मुंबई। गोरेगांव पुलिस ने गोरेगांव इलाके के अरोमा लग्जरी स्पा में मसाज सेवाओं की आड़ में चल रहे एक कथित सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है। छापेमारी के दौरान स्पा मैनेजर समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है और सात युवतियों को बचाया गया है। चिकित्सा जांच के बाद बचाई गई युवतियों को महिला आश्रय गृह भेज दिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान स्पा मैनेजर श्रवण संतोष दुबे और उनके सहायक दिलीप संजीव यादव के रूप में हुई है। उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और अनैतिक व्यापार (रोकथाम) अधिनियम (पीआईटीए) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अरोमा लक्ज़री स्पा, गोरेगांव के एमजी रोड स्थित एकवीरा प्रसाद बिल्डिंग में है। पुलिस इंस्पेक्टर मनोज पाटिल को सूचना मिली थी कि स्पा मैनेजर मसाज सेवाओं के बहाने स्पा में काम करने वाली महिलाओं की मदद से एक सेक्स रैकेट चला रहा है। सूचना की पुष्टि करने के लिए, पुलिस ने एक नकली ग्राहक भेजा, जिसने मैनेजर श्रवण दुबे से संपर्क किया और मसाज के साथ-साथ "विशेष सेवाओं" की मांग की।

ठाकरे बंधु मुंबई का विकास नहीं, सत्ता चाहते हैं : एकनाथ शिंदे

महानगर संवाददाता
मुंबई

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बुधवार को आरोप लगाया कि ठाकरे बंधु केवल सत्ता के लिए एक साथ आए हैं और मुंबई के विकास के लिए उनके पास कोई योजना नहीं है। शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने 15 जनवरी को होने वाले बृह्नमुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनावों से पहले बुधवार को गठबंधन की घोषणा की। प्रतिद्वंद्वी शिवसेना के प्रमुख शिंदे ने यहां संवाददाताओं से कहा कि चचेरे भाइयों की प्रेसवार्ता में विकास का कोई जिक्र नहीं हुआ। उन्होंने कहा, ''(शिवसेना के संस्थापक) बालासाहेब ठाकरे की विचारधारा से भटकने वालों को पिछले साल के विधानसभा चुनाव और हाल ही में हुए नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों में सबक सिखाया गया है।'' उद्धव ठाकरे के नेतृत्व के खिलाफ बगावत करके जून 2022 में पार्टी को विभाजित करने वाले शिंदे ने कहा, ''उनके पास विकास का कोई एजेंडा नहीं है,उनका लक्ष्य सिर्फ सत्ता हासिल करना है। इन लोगों ने मराठी भाषी लोगों को मुंबई से बाहर निकाल दिया। विधानसभा चुनाव और हाल ही में हुए स्थानीय निकाय चुनावों ने दिखा दिया है कि कौन सी शिवसेना नकली है और कौन सी असली।''

महाधिवक्ता को मिला राज्यमंत्री का दर्जा

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार के विधि व न्याय विभाग ने एक शासन निर्णय (जीआर) जारी करते हुए राज्य के नवनियुक्त महाधिवक्ता डॉ. मिलिंद साठे को राज्यमंत्री पद का दर्जा प्रदान किया है। डॉ. मिलिंद साठे की महाधिवक्ता पद पर नियुक्ति के बाद सरकार ने उन्हें राज्यमंत्री के समान संवैधानिक दर्जा और उससे जुड़ी सुविधाएं देने का निर्णय लिया है। इस अनुसार उन्हें राज्यमंत्री स्तर का शासकीय निवासस्थान आवंटित किया जाएगा। कार्यालयीन कामकाज के लिए 20 लाख रुपए तक की मर्यादा वाली शासकीय कार (चालक सहित) उपलब्ध कराई जाएगी। सरकारी काम या अदालती मामलों के लिए उन्हें बिजनेस क्लास में विमान प्रवास की अनुमति होगी।

बीएमसी ने बुलेट ट्रेन के काम को बंद करने का दिया नोटिस

कोर्ट की फटकार के बाद कार्रवाई

मुंबई। फैलते प्रदूषण पर मुंबई हाईकोर्ट द्वारा लगाई गई फटकार के बाद बीएमसी एच पूर्व वार्ड ने बुधवार को बुलेट ट्रेन का काम रहे ठेकेदार मेघा इंजीनियरिंग लिमिटेड और हिन्दुस्तान कंस्ट्रक्शन कम्पनी को काम बंद करने का नोटिस थमा दिया है। बीएमसी ने इसके पहले मंगलवार को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। बीएमसी ने बुलेट ट्रेन के ठेकेदार को बुधवार को काम बंद करने की नोटिस देने के पहले मंगलवार को भी कारण बताओ नोटिस दिया था,जबकि दिसंबर महीने के पहले सप्ताह भी नोटिस देकर बीएमसी द्वारा धुल प्रदूषण रोकने के लिए लागू की गई 28 नियमों की नियमवाली का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया था। मुंबई हाईकोर्ट ने सोमवार को अपनी सुनवाई के दौरान बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट और इस परिसर में चल रहे कई और सरकारी प्रोजेक्ट जिसमे इस परिसर में बन रहे हाईकोर्ट के काम को भी धुल प्रदूषण रोकने के उपाय नहीं होने पर बीएमसी को कड़ी फटकार लगाई थी और मंगवलार को मनपा आयुक्त भूषन गगरानी को कोर्ट में बुला लिया था और कड़ी फटकार लगाई थी। कोर्ट ने बुधवार को भी इसकी सुनवाई रखी थी। कोर्ट ने बुधवार को बीएमसी अधिकारियो को फटकार लगते हुए कहा दि हवा की गुणवत्ता को नियंत्रित नहीं किया जा सकता, तो नए निर्माण कार्यों को अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

भारत सरकार Government of India
भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र
Bhabha Atomic Research Centre
मानव संसाधन विकास प्रभाग
Human Resource Development Division

एचबीएन आई, एक मानद विश्वविद्यालय के तत्वावधान में जुलाई–2026 से आरंभ होने वाले परमाणु ऊर्जा विभाग के डी. डी. एफ. एस. कार्यक्रम में प्रवेश कर, पी एच डी करने के लिए, इंजीनियरिंग स्नातकोतरों से आवेदन आमंत्रित किया जाता है।

Invites applications from Engineering Postgraduates for admission to DAE Doctoral Fellowship Scheme (DDFS) programme of Department of Atomic Energy (DAE) for pursuing PhD, commencing from July–2026 under the aegis of HBNI, a Deemed to be University

चयन एक द्वि-चरणीय प्रक्रिया है : 1. ऑनलाइन कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) और स्नातकोतर शैक्षणिक रिकॉर्ड के माध्यम से चयन साक्षात्कार के लिए स्क्रीनिंग और 2. चयन साक्षात्कार में प्रदर्शन। **अंतिम चयन केवल चयन साक्षात्कार में योग्यता के आधार पर किया जाएगा।** मैकेनिकल, कैमिकल, गेटलर्जिकल / मैटेरियल्स, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर, इंस्ट्रूमेंटेशन और सिविल इंजीनियरिंग में एम.ई/एम.टेक/समकक्ष डिग्री वाले अभ्यर्थियों से केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। एमसीए आईटी डिग्री वाले अभ्यर्थी पात्र नहीं हैं। गयनित छात्रों को एचबीएनआई के पांच संघटक संस्थानों (सीआई) आपअ केंद्र (बार्क) मुंबई, आई.जी. सी.ए. आर. कल्पाक्कम, आईपीआर गांधीनगर, आर. आर सी.ए.टी इंदौर एवं बीईसीसी कोलकाताः में से एक में प्रवेश दिया जाएगा। चयनित छात्रों को 80,000/- रुपये प्रति माह की अध्येतावृति और **60,000/-** रुपये का वार्षिक आकस्मिक अनुदान दिया जाएगा। डीडीएफएस अभ्यर्थियों (केवल शोध छात्रों) के लिए सौएचएसएस के तहत चिकित्सा लाभ भी उपलब्ध है। पीएचडी कार्यक्रम के दौरान छात्रावास में रहना अनिवार्य है।

Selection is a two-step process: 1. Screening in to selection interview through online Computer Based Test (CBT) & post-graduation academic record and **2.** Performance in selection interview. **Final selection will be based on the merit of performance in the selection interview only.** Only online applications will be accepted from candidates with M.E./ M.Tech./ Equivalent Degree in Mechanical, Chemical, Metallurgical/Materials, Electrical Flectronics. Computer, Instrumentation & Civil Engineering. Candidates with degrees in IT or MCA are not eligible. The selected students will be admitted to one of the five Constituent Institutions (CIs) of HBNI: BARC Mumbai, IGCAR Kalpakkam, IPR Gandhinagar, RRCAT Indore and VECC Kolkata, based on the research proposals received from the various constituents. The selected students will be awarded Fellowships of 80,000/- per month and an annual contingency grant of 60,000/- Medical benefits under CHSS are also available for DDFS fellow only. Hostel accommodation is mandatory during PhD programme.

अर्हता डिसीः अभ्यर्थियों को भारत का नागरिक होना चाहिए और एम. ई. एम. टेक/समकक्ष डिग्री के साथ-साथ बी.ई./बी. टेक मैं न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक प्रतिशत (या 10.0 या समकक्ष के पैमाने पर न्यूनतम 6.0 सीजीपीए) होने चाहिए। एम. ई. एम. टेक के अंतिम सेमेस्टर के अभ्यर्थी भी आवेदन कर सकते हैं, लेकिन यदि ऐसे अभ्यर्थियों का चयन किया जाता है, तो उन्हें 31 दिसंबर, 2025 तक अपनी मास्टर डिग्री के प्रमाण पत्र और अंक पब उपलब्ध कराने होंगे।

Qualifying Degree: Candidates must be an Indian citizen and hava minimum 60% Marks (or minimum of 6.0 CGPA on the scale of 10.0 or equivalent) as per the ordinances of the respective university in M.E/M. Tech./Equivalent Degree as well as B.E/B.Tech. Candidates in the final semester of M.E./M.Tech may also apply but such candidates, if selected, must provide certificates and mark sheets of their Master Degree, by December 31, 2026. **The candidates who have acquired M. Tech, after obtaining the M. Sc. Degree are NOT eligible for DDFS-2026 programme.**

आयु सीमाः 1 अगस्त, 2026 को आयु सीमा 28 वर्ष है अतः सामान्य श्रेणी के अभ्यर्थी का जन्म। अगस्त, 1998 को या उसके बाद हुआ होना चाहिए। आयु सीमा में ओबीसी-एनसीएल के लिए तीन वर्ष और एससी/एसटी आवेदकों के लिए पांच वर्ष की छूट है। सभी श्रेणियों के दिव्यांग व्यक्ति (40 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांग) के लिए 10 वर्ष की अतिरिक्त आयु छूट के लिए पात्र हैं।

Age limit: The age limit is 28 yrs. as on Aug. 1, 2026 and hence should have been born on or after Aug. 1, 1998 for general category. Age limit is relaxable by three years for OBC-NCL and by five years for SC/ST applicants. Persons with Disability (with 40% or more disability) of all categories are eligible for additional age relaxation of 10 years.

ऑनलाइन आवेदन करने के लिए, https://www.barcocesexam.com को देखते रहें।
To Apply Online, visit the website https://www.barcocesexam.com

- ऑनलाइन आवेदन पोर्टल आरंभ होने की तिथिः 22 दिसंबर, 2025 / Launch of Online Application Portal: Dec. 22, 2025*
- आवेदन की अंतिम तिथिः 21 जनवरी, 2026* / Last Date for Online Application: Jan. 21, 2026*
- स्क्रीनिंग परीक्षा (सीबीटी) 14 एवं 15 मार्च 2026* / Screening Examination (CBT): 14th &15th March 2026*
- चयन साक्षात्कारः जून 2026 / Selection Interviews: June 2026*

● सभी तिथियां संभावित तिथियां हैं और अभ्यर्थियों को अद्यतन सूचना के लिए नियमित रूप से https://www.barcocesexam.in वेबसाइट को देखले रहे। All dates are tentative and candidates are required to regularly visit the website https://www.barcocesexam.in for updates.

CBC48103/12/0009/2526

इसरो का ड्रोग पैराशूट

गगनयान मिशन की सुरक्षा के लिए अहम 'ड्रोग पैराशूट' का सफल परीक्षण कर इसरो ने बड़ी कामयाबी हासिल की है। यह सफलता देश के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन को भरोसेमंद और सुरक्षित बनाने की दिशा में निर्णायक कदम बताया जा रहा है। 18-19 दिसंबर 2025 को चंडीगढ़ में ये परीक्षण टर्मिनल बैलिस्टिक रिसर्च लेबोरेटरी यानी टीबीआरएल की रेल ट्रैक रॉकेट स्लेज (आरटीआरएस) पर किया गया। गगनयान क्रू मॉड्यूल विकास के लिए ड्रोग पैराशूट का यह क्वालिफिकेशन टेस्ट है। इसरो के अनुसार, इन परीक्षणों का उद्देश्य कठिन और बदलती हुई उड़ान स्थितियों में ड्रोग पैराशूट के प्रदर्शन और विश्वसनीयता की जांच करना था. दोनों परीक्षणों में सभी लक्ष्य प्राप्त हो गए और पैराशूट ने विभिन्न परिस्थितियों में भी अपनी मजबूती साबित की। यह परीक्षण गगनयान क्रू मॉड्यूल के डिसेलेरेशन सिस्टम यानी गति को कम करने वाले सिस्टम को विकसित करने के लिए किए गए। गगनयान क्रू मॉड्यूल में 4 तरह के कुल 10 पैराशूट शामिल हैं। जानकारी के अनुसार इसका मकसद मुश्किल परिस्थियों में भी ड्रॉग पैराशूट की विश्वसनीयता बनी रहे और सफलतापूर्वक क्रू मेंबर्स टचलैंडिंग कर सकें, इसके लिए की गई है। इस दौरान ये भी सामने आया कि उड़ान की स्थितियों में बदलाव के बावजूद पैराशूट मजबूत और सक्षम था। इसमें डीआरडीओ, विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केन्द्र और एरियल डिलीवरी रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट ने अहम योगदान दिया है। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी 2026 में बिना क्रू वाले गगनयान मिशन के पहले लॉन्च की तैयारी कर रही है। केन्द्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह ने एक्स पर ट्वीट कर कहा कि भारत मानव स्पेस मिशन की दिशा में एक कदम और बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि इसरो ने 18-19 दिसंबर 2025 को चंडीगढ़ में टीबीआरएल की आरटीआरएस फैसिलिटी में गगनयान क्रू मॉड्यूल के लिए ड्रोग पैराशूट डिप्लॉयमेंट क्वालिफिकेशन टेस्ट सफलतापूर्वक पूरे किए है। उन्होंने कहा कि इन टेस्टों ने अलग-अलग फ्लाइट कंडीशंस में ड्रोग पैराशूट के परफॉर्मेंस और भरोसेमंद होने की पुष्टि करता है। यह भारत के मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन के लिए पैराशूट सिस्टम को क्वालिफाई करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ड्रोग पैराशूट छोटे कॉनिकल रिबन तरह की पैराशूट होती है, जिनका व्यास 5.8 मीटर होता है। ये क्रू मॉड्यूल के पृथ्वी पर उतरने से पहले काम करने वाले पैराशूटों में से है। इन्हें पायरो-आधारित उपकरणों (मोर्टार) के भीतर पैक किया जाता है, जो कमांड मिलने पर इन्हें बाहर निकालते हैं। ड्रोग पैराशूट अंतरिक्ष यान को पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करने पर उसकी गति को कम करता है और उसे स्थिर करता है, ताकि बाद में मेन पैराशूट पूरी तरह सुरक्षित खुल सके और अंतरिक्ष यान की गति को और कम किया जा सके। ये प्रक्रिया अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षित लैंडिंग के लिए बेहद जरूरी है। किसी भी अंतरिक्ष यान के लिए ये प्रक्रिया सबसे जटिल मानी जाती है। गगनयान क्रू मॉड्यूल की डिसेलेरेशन सिस्टम में चार अलग-अलग तरह के कुल 10 पैराशूट हैं। शुरुआत दो 'एपेक्स कवर सेपरेशन' पैराशूट से होती है। ये सबसे पहले पैराशूट कम्पार्टमेंट के सुरक्षा कवच को अलग करते हैं। इसके बाद दो ड्रोग पैराशूट आते हैं जो घूमते हुए मॉड्यूल को स्थिर करने और उसकी स्पीड को सुरक्षित लेवल तक कम करने में अहम भूमिका निभाते हैं। एक बार जब ड्रोग अपना काम पूरा कर लेते हैं, तो सीक्वेंस में तीन पायलट पैराशूट बाहर निकलते हैं। ये पायलट फिर तीन बड़े मेन पैराशूट निकालते हैं, जो क्रू मॉड्यूल की वेलोसिटी को और कम करते हैं ताकि मिशन में सवार एस्ट्रोनॉट्स के लिए सुरक्षित टचडाउन यानी जमीन या समुद्र में उतरना सुनिश्चित किया जा सके। ड्रोग पैराशूट खास तौर पर बहुत जरूरी होते हैं क्योंकि उन्हें अंतरिक्ष यान के वायुमंडल में घुसने के तुरंत बाद काम करना होता है। ये बहुत डायनामिक फेज होता है, जहाँ एयरोडायनामिक लोड और फ्लाइट की स्थिति दोनों में काफी बदलाव होते हैं। जानकारी के अनुसार इस परीक्षण का मकसद बहुत ज्यादा और असामान्य स्थितियों में ड्रोग पैराशूट के परफॉर्मेंस, विश्वसनीयता और मजबूती को अच्छी तरह से वेरिफाई करना था। आरटीआरएस -आधारित दोनों ट्रायल ने सभी तय लक्ष्यों को पूरा किया। इससे यह साबित हुआ कि सिस्टम फ्लाइट पैरामीटर में बड़े बदलावों को झेल सकता है और सफलतापूर्वक काम कर सकता है। रेल की पटरियों पर हम अंतरिक्ष की सैर की कल्पना भी नहीं कर सकते लेकिन इसरो ने इसे सच कर दिखाया है। मिशन गगनयान के सबसे मुश्किल प्रक्रिया में से एक क्रू मॉड्यूल के धरती में प्रवेश करने के दौरान अपनाने वाली प्रक्रिया को सफलतापूर्वक करना। रेल ट्रैक रॉकेट स्लेड का उपयोग करना इसरो की इंजीनियरिंग सूझबूझ को दर्शाता है। ये सफलता बताती है कि भारत अपने पहले मानव मिशन की दिशा में तकनीकी तौर पर तेजी से बढ़ रहा है, साथ ही ये भी सुनिश्चित कर रहा है कि सुरक्षा मानकों पर 100 फीसदी खरा उतरे। इसरो ने टेस्ट के सफल समापन को गगनयान पैराशूट सिस्टम को मानव अंतरिक्ष उड़ान के लिए क्वालिफाई करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बताया जा रहा है।

कटाक्ष | सुरेश मिश्र

सिसकी भरि-भरि रो रहे, अपने शरद पवार
यूबीटी की चाल से, सारा बंटाधार
सारा बंटाधार, राज को साथ न लाते
हाथ हाथ से नहीं, निकलता हम इतराते
कह सुरेश हम-सुले राह अब देखें किसकी
संजय-शरद पवार,भर रहे छुपकर सिसकी

अटल जी की दूरदर्शिता से भाजपा को मिली उड़ान

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी जी के समावेशी दृष्टिकोण ने हिंदुत्व को राष्ट्रवाद से जोड़ा जो आज भाजपा की चुनावी रणनीति का आधार है। वो विकास पुरूष थे। उनकी आर्थिक और बुनियादी ढांचा सम्बन्धी नीतियों के आज भी देशवासी कायल हैं।

कवि मिजाज के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के व्यक्तित्व व कृतित्व की अनुगूंज अब तलक देश-प्रदेश के हर कोने में सुनाई देती है। इसलिए भारत सरकार उनकी जयंती को सुशासन दिवस (25 दिसम्बर) के रूप में मनाती है क्योंकि उनके जीवन का शाश्वत संदेश अटूट संकल्प, अनवरत संघर्ष, लोकनिष्ठ ईमानदारी, पारस्परिक एकता और मनःस्थित शांति पर केंद्रित हैं। निर्विवाद रूप से उनके विचारों ने राजनीति, समाज और व्यक्तिगत जीवन को प्रेरित तथा अनुप्राणित किया है। सच कहूं तो ये संदेश उनकी कविताओं, भाषणों और नीतियों से निकले हैं। परम श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी के विचारों ने समकालीन राजनीति को गहनता पूर्वक प्रभावित किया, विशेष रूप से भाजपा की उदार छवि, आर्थिक सुधारों और विदेश नीति में। उनके शांति-केंद्रित राष्ट्रवाद ने विपक्षी दलों को भी प्रभावित किया। ये प्रभाव आज भी मोदी सरकार की नीतियों में दिखते हैं। अटल बिहारी वाजपेयी भारत के दसवें प्रधानमन्त्री थे। वह भारतीय जनसंघ की स्थापना करने वालों में से एक थे और सन् १९६८ से १९७३ तक वह उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रह चुके थे। सन् 1952 में उन्होंने पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ा, परन्तु सफलता नहीं मिली। लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और सन् १९५७ में बलरामपुर (जिला गोण्डा, उत्तर प्रदेश) से जनसंघ के प्रत्याशी के रूप में विजयी होकर लोकसभा में पहुँचे। सन् १९५७ से १९७७ तक जनता पार्टी की स्थापना तक वे बीस वर्ष तक लगातार जनसंघ के संसदीय दल के नेता रहे।

मोरारजी देसाई की सरकार में सन् १९७७ से १९७९ तक विदेश मन्त्री रहे और विदेशों में भारत की छवि बनायी। उन्होंने प्रधानमंत्री का पद तीन बार संभाला है, वे पहले 13 दिन के लिए 16 मई 1996 से 1 जून 1996 तक। फिर लगातार 2 साशन; 8 महीने के लिए 19 मार्च 1998 से 13 अक्टूबर 1999 और फिर वापस 13 अक्टूबर 1999 से 22 मई 2004 तक भारत के प्रधानमन्त्री रहे। वे भारतीय जनसंघ के संस्थापकों में एक थे, और 1968 से 1973 तक उसके अध्यक्ष भी रहे। उन्होंने लम्बे समय तक राष्ट्रधर्म, पाञ्चजन्य (पत्र) और वीर अर्जुन आदि राष्ट्रीय भावना से ओत-प्रोत अनेक पत्र-पत्रिकाओं का सम्पादन भी किया। वह चार दशकों से भारतीय संसद के सदस्य थे, लोकसभा, निचले सदन, दस बार, और दो बार राज्य सभा, ऊपरी सदन में चुने गए थे। उन्होंने लखनऊ के लिए संसद सदस्य के रूप में कार्य किया। अपना जीवन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में आजीवन अविवाहित रहने का संकल्प लेकर प्रारम्भ करने वाले वाजपेयी राष्ट्रीय जनतान्त्रिक गठबन्धन (राजग) सरकार के पहले प्रधानमन्त्री थे, जिन्होंने गैर काँग्रेसी प्रधानमन्त्री पद के 5 वर्ष बिना किसी समस्या के पूरे किए। आजीवन अविवाहित रहने का संकल्प लेने के कारण इन्हे भीष्मपितामह भी कहा जाता है। अटल बिहारी वाजपेयी के प्रमुख राजनीतिक सिद्धांत राष्ट्रवाद, शांति, आर्थिक उदारीकरण, एकता और धर्मनिरपेक्षता पर आधारित थे। उन्होंने इन सिद्धांतों को अपनी नीतियों और भाषणों के माध्यम से लागू किया। निःसन्देह ये सिद्धांत भारतीय जनसंघ से भाजपा तक उनकी राजनीतिक यात्रा को परिभाषित करते हैं, साथ ही साथ जनमानस को अनुप्राणित भी करते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री बाजपेयी ने लोगों को संकल्प और संघर्ष का मूलमंत्र दिया। उनका मानना था कि संकल्प पर दृढ़ रहना चाहिए और संघर्ष से भागना आवश्यक नहीं है क्योंकि संघर्ष ही जीवन की मिठास लाता है। उन्होंने कहा, "संघर्ष से भागो मत क्योंकि संघर्ष से ही जीवन की मिठास आती है।" गलतियों को छिपाने के बजाय स्वीकार करना आत्मविकास का मार्ग है। उन्होंने जनमानस को एकता और शांति की शिक्षा दी और कहा कि राष्ट्र की एकता सर्वोपरि है, सरकारें आती-जाती रहेंगी लेकिन देश स्थायी रहना चाहिए। विविधता में एकता भारत की सबसे बड़ी ताकत है, जो विश्व के लिए सबक है। शांति के लिए धैर्य, लगन और पारस्परिक सम्मान जरूरी है। जहां तक उनकी नीति और नैतिकता की बात है तो उन्होंने दो टूक कहा था कि नीतियां करुणा से निर्देशित होनी चाहिए तथा आर्थिक शक्ति नैतिक जिम्मेदारी के साथ हो। सत्य को छिपाना व्यर्थ है और बंदूकें नहीं, भाईचारा ही समस्याओं का समाधान है। राष्ट्र का सच्चा धन उसके लोग हैं, संसाधन नहीं। वहीं राष्ट्रवाद और एकता का स्वर भी उन्होंने बुलंद किया। राष्ट्रवाद को सर्वोपरि मानते हुए वाजपेयी ने "एकात्म मानववाद" को अपनाया, जो पं. दीनदयाल उपाध्याय के विचारों से प्रेरित था। वहीं, विविधता में एकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि भारत की असली ताकत उसकी बहुलता है। पकिस्तान और चीन के साथ संबंध सुधारने के प्रयासों से उन्होंने शत्रु से मित्रता की नीति अपनाई। जहां तक शांति और कूटनीति की बात है तो परमाणु परीक्षण के बाद भी शांति की पहल करते हुए पोखरण-टू को राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रतीक बनाया। लाहौर बस यात्रा और आगरा शिखर सम्मेलन से पड़ोसी देशों के साथ संवाद को प्राथमिकता दी। "शांति ही हमारी प्राथमिकता" उनका मूल मंत्र था जो युद्ध से बचाव पर केंद्रित था। वहीं आर्थिक और सामाजिक सुधार के भी वे प्रणेता बने। सन् २००४ में कार्यकाल पूरा होने से पहले भयंकर गर्मी में सम्पन्न कराये गये लोकसभा चुनावों में भा॰ज॰पा॰ के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतान्त्रिक गठबन्धन (एन॰डी॰ए॰) ने वाजपेयी के नेतृत्व में चुनाव लड़ा और भारत उदय (अंग्रेजी में इण्डिया शाइनिंग) का नारा दिया। इस चुनाव में किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला। ऐसी स्थिति में वामपन्थी दलों के समर्थन से काँग्रेस ने भारत की केन्द्रीय सरकार पर कायम होने में सफलता प्राप्त की और भा॰ज॰पा॰ विपक्ष में बैठने को मजबूर हुई। उन्होंने आर्थिक उदारीकरण को गति देते हुए स्वर्णिम चतुर्भुज योजना से बुनियादी ढांचे का विकास किया। साथ ही गरीबी उन्मूलन और ग्रामीण विकास पर भी उन्होंने जोर दिया जैसे आईआईटी और आईआईएम का विस्तार। साथ ही सुशासन को ईमानदारी और पारदर्शिता से जोड़ा, जो अच्छे शासन दिवस या सुशासन दिवस के रूप में आज भी उनकी विरासत से जुड़ी हुई है। राजनीतिक विश्लेषक बताते हैं कि भाजपा की छवि निर्माण में भी वाजपेयी का अद्वितीय योगदान है क्योंकि उन्होंने भाजपा को कट्टर छवि से मुक्त कर मुख्यधारा में लाया, जिससे 1998-2004 में गठबंधन सरकारें संभव हुईं। उनके समावेशी दृष्टिकोण ने हिंदुत्व को राष्ट्रवाद से जोड़ा जो आज भाजपा की चुनावी रणनीति का आधार है। वो विकास पुरूष थे। उनकी आर्थिक और बुनियादी ढांचा सम्बन्धी नीतियों के आज भी देशवासी कायल हैं। उनकी स्वर्णिम चतुर्भुज और डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं ने आर्थिक उदारीकरण को गति दी, जिसका प्रभाव वर्तमान इंफ्रास्ट्रक्चर बूम में दिखाई देता है। वहीं सुशासन दिवस उनकी ईमानदारी की विरासत है, जो आज पारदर्शिता पर जोर देता है। जहां तक उनकी विदेश नीति और शांति पहल की बात है।

■ कमलेश पांडेय

महाराष्ट्र निकाय चुनावों में भाजपा की जीत

एक बार फिर महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ भाजपा और उसके सहयोगी दलों के लिए जनता खुशखबरी लेकर सामने आई है। 21 दिसंबर को महाराष्ट्र में निकाय चुनावों का परिणाम आ चुके है। इसमें भारतीय जनता पार्टी को बड़ी जीत मिली है। इन नगरीय निकाय चुनावों में महायुति गठबंधन ने शानदार जीत हासिल की है। भाजपा, शिवसेना (शिंदे) और एनसीपी (अजित) के सत्ताधारी गठजोड़ ने राज्य की 288 नगर परिषदों और नगर पंचायतों की सीटों में से 207 पर विजय हासिल की है। भाजपा ने नगर निगम अध्यक्षों के 117, शिवसेना (शिंदे) ने 53 और एनसीपी (अजित) ने 37 पद जीते है जबकि विपक्षी महा विकास अघाड़ी को केवल 44 सीटों पर ही जीत मिली है। कांग्रेस को 28, एनसीपी शरद पंवार को सात और शिवसेना यूबीटी को नौ पद पर विजय हासिल हो सकी है। इसके साथ ही 5 सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवारों को भी जीत मिली है। इन सबके इतर चुनाव आयोग में रजिस्टर्ड दूसरी पार्टियों ने भी 4 सीटें जीतीं है। नगर पालिका अध्यक्षों की 28 सीटें गैर-मान्यता प्राप्त रजिस्टर्ड पार्टियों और पांच सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवारों ने जीत हासिल की हैं। याद रहे कि 288 सीटों में से 286 सीटों पर दो चरणों में मतदान हुआ था और दो नगर परिषदों में उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए थे। हालाकि, महाराष्ट्र में संपन्न हुए निकाय चुनावों के परिणाम के बाद महायुति गठबंधन की जीत पर शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत ने आरोप लगाया है कि नगर पंचायत चुनाव में सीएम देवेंद्र फडणवीस, डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने मिलकर करीब 15

हजार करोड़ रुपये उड़ाए हैं। वोटर्स को खुलेआम पैसे दिए है। इन सबने मिलकर पैसे को पानी की तरह बहाया है। इधर, कांग्रेस ने भी आरोप लगाया है कि महायुति सरकार ने प्रशासनिक तंत्र का दुरुपयोग कर विपक्ष के प्रदर्शन को खराब करने की भरशक कोशिश की है। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि इन चुनावों में सत्ताधारी महायुति ने मनमाने ढंग से धन से लेकर बाहुबल तक का खुलेआम इस्तेमाल किया है। इसके साथ ही सरकारी तंत्र का भी काफी दुरुपयोग किया है। दूसरी तरफ इस जीत के बाद से राजनीतिक गलियारों में एक बात ये भी उभर कर सामने आ रही है कि आखिर महाराष्ट्र निकाय चुनावों में भाजपा की बड़ी जीत के बाद क्या अब मुंबई में भी उद्धव का किला ढह जाएगा? आपको बता दे कि मुंबई में महानगर नगर पालिका याने बीएमसी के चुनाव 15 जनवरी को होने वाले है। मुंबई महानगर पालिका के चुनाव सबके लिए बहुत अहमियत रखते है। बीएमसी चुनाव से पहले भाजपा और उसके सहयोगी दलों को मिली यह जीत बड़े प्रोत्साहन के रूप में देखी जा रही है। इस जीत को इसलिए भी अहम माना जा रहा है कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ चुनाव से पहले भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच बहुत खटपट हुई थी। हालात इतने खराब हो गए थे कि कईं जगह पर एक दूसरे के बीच हाथापाई की नौबत तक आ गई थी। टकराव पूरे चुनाव में लगातार जारी रहा। इसके अलावा पिछले कुछ महीनों से शिवसेना और एनसीपी के मंत्रियों के खिलाफ भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के आरोपों को लेकर भी गठबंधन में भारी तनाव देखा गया था। इन तमाम मतभेदों के बावजूद गठबंधन को बड़ी जीत हासिल हुई है, ये बड़े आश्चर्य की बात है। भाजपा और शिवसेना शिंदे में जिस तरह की जुतमपैजार देखी जा रही थी, उसे देखते हुए तो नही लग रहा था कि इतनी बड़ी जीत मिल पाएगी। बहरहाल। जैसा कि सर्वविदित है कि भाजपा में एक सरपंच भी जीत हासिल करता है तो उसका श्रेय महामानव मोदी और राज्य के मुख्यमंत्री को ही दिया जाता है। ठीक उसी तर्ज पर महाराष्ट्र निकाय चुनावों में मिली जीत का सेहरा भी इन दोनों के सर पे ही बांधा गया है। तो चलो जानते है कैसे इतनी बड़ी जीत हासिल हुई और इस जीत का असल दुल्हा कौन है। इस जीत को लेकर महाराष्ट्र भाजपा के अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने साफ कह दिया है कि इसके सच्चे हकदार राज्य के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडनवीस ही है। रविंद्र ने इस जीत का श्रेय फडणवीस को देते हुए साफतौर पर कहा कि सच तो यह है कि यह जीत सीएम की राजनीतिक रणनीति और दूरदृष्टि के चलते ही मिल पाई है। इसके साथ ही रविन्द्र ने ये भी कहा कि विकास के एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए अथक परिश्रम अगर किसी ने किया है तो वह इंसान देवेन्द्र फडनवीस ही है। सीएम की अथक मेहनत के चलते ही इतने शानदार परिणाम मिले है। इसके साथ ही रविंद्र बोले कि स्थानीय चुनावों से पहले राज्यभर में 38 रैलियों को संबोधित करके मुख्यमंत्री ने तमाम बाधाओं को दूर कर दिया था। चुनावी गठबंधन की सभी बाधाओं को दूर कर सहयोगियों को साथ लाने की उनकी क्षमता ने ही ये कमाल किया है। वे सभी अग्निपरीक्षा में पास हुए है। जैसा कि मैंने पहले ही कह दिया था कि एक छोटी सी छोटी जीत का श्रेय भी महामानव को दिया जाता है ठीक उसी तर्ज पर रविन्द्र ने लगे हाथों ये भी कह दिया कि मतदाताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर ही भरोसा जताया है। बहरहाल, श्रेय की राजनीति कुछ भी कहती हो लेकिन भाजपा ने एक बार फिर महाराष्ट्र में नंबर वन पार्टी के रूप में स्थापित कर खुद को मजबूत किया है। भाजपा के लिए यह जीत आगामी 15 जनवरी को होने मुंबई महानगर पालिका याने बीएमसी के चुनावों के संदर्भ में संजीवनी कैसे साबित हो सकती है, इस पर भी यहां विचार करना जरूरी है। बीएमसी चुनाव को लेकर भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने साफ कहा कि ये जीत 15 जनवरी को होने वाले चुनावों के लिए कार्यकर्ताओं में अधिक आत्मविश्वास पैदा करने में मददगार साबित होगी।

■ संजय रोकड़े

क्रिसमसः सामाजिक समता और बंधुता का जीवंत संदेश

त्योहार हमारे सामाजिक जीवन को प्रतिबिंबित करते हैं। वे विभिन्न वर्ग और मतावलंबियों में आपसी सौहार्द और भाईचारे को मजबूती भी देते हैं। क्रिसमस या बड़ा दिन भी एक ऐसा ही त्योहार है, जो प्रभु यीशु के जन्म के संबंध में मनाया जाता है। क्रिसमस का त्योहार न केवल ईसाई समुदाय के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह पूरे विश्व के लिए एक संदेश लेकर आता है-प्रेम, शांति, और सामाजिक समता का। यह त्योहार हमें अपने मतभेदों को भुलाकर एक-दूसरे के साथ जुड़ने और समाज में बंधुता को बढ़ावा देने का अवसर प्रदान करता है। 25 दिसंबर केवल एक धार्मिक पर्व नहीं बल्कि मानव सभ्यता के लिए एक गहरे सामाजिक और नैतिक संदेश का दिन है। क्रिसमस, ईसा मसीह के जन्म की स्मृति का पर्व, हमें यह याद दिलाता है कि प्रेम, करुणा, समता और बंधुता ही किसी भी समाज की असली नींव होते हैं। आज जब दुनिया असमानता, घृणा, युद्ध, जाति-धर्म के संघर्ष और आर्थिक विषमता से जूझ रही है, तब क्रिसमस का संदेश और भी प्रासंगिक हो उठता है। ईसा मसीह का जन्म किसी राजमहल में नहीं बल्कि एक साधारण गौशाला में हुआ। यह स्वयं में एक प्रतीक है-कि ईश्वर का संदेश सत्ता, वैभव या ऊंच-नीच से नहीं बल्कि साधारण जन के बीच से निकलता है। ईसा का पूरा जीवन इसी विचार का विस्तार है। उन्होंने समाज के हाशिये पर खड़े लोगों-गरीबों, रोगियों, पाप कहे जाने वालों, स्त्रियों और शोषितों-को गले लगाया। यह उस दौर में क्रांतिकारी विचार था, जब समाज वर्गों और विशेषाधिकारों में बंटा हुआ था। ईसा मसीह का सबसे बड़ा संदेश था-"सभी मनुष्य ईश्वर की संतान हैं"। यह वाक्य सामाजिक समता की नींव है। इसमें न कोई जाति है, न रंग, न भाषा, न धर्म और न ही आर्थिक हैसियत। आज समाज में, जहां असमानता की खाई लगातार गहरी हो रही है. क्रिसमस हमें चेताता है कि विकास तब तक अधूरा है जब तक अंतिम व्यक्ति तक सम्मान और अवसर न पहुंचे। भारत जैसे देश में, जहां संविधान समानता की बात करता है लेकिन सामाजिक यथार्थ अब भी भेदभाव से ग्रस्त है, वहां क्रिसमस का संदेश हमें आत्ममंथन के लिए मजबूर करता है। क्या हम सच में समानता के मूल्यों को जी रहे हैं या केवल उत्सवों तक सीमित कर चुके हैं? ईसा मसीह का जीवन हमें कर्म के स्तर पर समानता अपनाने की प्रेरणा देता है। क्रिसमस का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष है-बंधुता, यानी आपसी भाईचारा। ईसा ने कहा था-"अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करो।" यह केवल नैतिक उपदेश नहीं, बल्कि सामाजिक दर्शन है। आज जब समाज में नफरत, अविश्वास और हिंसा बढ़ रही है, तब बंधुता का यह विचार अत्यंत जरूरी हो जाता है। बंधुता का अर्थ है-दूसरे के दर्द को अपना समझना, उसकी पीड़ा के प्रति संवेदनशील होना। क्रिसमस के अवसर पर गरीबों को भोजन कराना, बेसहारा बच्चों को उपहार देना, बीमारों से मिलना-ये परंपराएं केवल रस्में नहीं हैं, बल्कि सामाजिक एकजुटता के प्रतीक हैं। ये हमें सिखाती हैं कि समाज केवल कानूनों से नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं से चलता है। आज क्रिसमस विश्वभर में एक वैश्विक उत्सव बन चुका है। चर्चों की घंटियां, रोशनी से सजे घर, कैरोल गीत और सांता क्लॉज-ये सब उत्सव का हिस्सा हैं।

साभार

आज का कार्टून

इसलिए बड़ा दिन है 25 दिसंबर

25 दिसंबर यानी बड़ा दिन को दुनिया भर में ईसाई धर्म का सबसे बड़ा त्योहार क्रिसमस मनाया जाता है. आज अब जब दुनिया इसे बड़े दिन के नाम से जानती है तो अवश्य ही बड़े महत्व का होगा बड़ा दिन यानी 25 दिसंबर। दुनिया भर में सबसे ज्यादा आबादी यदि किसी धर्म के लोगों की है तो वह है ईसाई धर्म। इनमें भी कैथोलिक परंपरा को मानने वाले समर्थक सबसे ज़्यादा हैं. इन्हीं कैथोलिक धर्मावलंबियों का सबसे बड़ा त्यौहार होता है क्रिसमस दिवस, वही त्यौहार जिसमें सांता क्लाज उपहार बांटते हैं । चर्च दुल्हन की तरह सजाए जाते हैं और दो हफ्तों तक यूरोपीय देशों में यह त्यौहार बड़े 'थॉट' के साथ मनाया जाता है। यूरोपीय देश ही क्यों, ऑस्ट्रेलिया अमेरिका कनाडा जापान यहां तक कि भारत और चीन में भी क्रिसमस की धमक सुनाई देती है। एक मान्यता यह भी है कि 25 मार्च को ईसा मसीह की माता मरियम को यह स्वप्न आया था कि पैगंबर के रूप में ईसा मसीह उनकी कोख से जन्म लेंगे और इसके ठीक 9 महीने बाद 25 दिसंबर को ईसा मसीह ने जन्म लिया जिन्होंने बाद में दुनिया भर को अहिंसा करुणा दया एवं सहनशीलता तथा प्रेम का अद्भुत संदेश दिया। आज के ही दिन भारतवर्ष में तुलसी पूजन दिवस के रूप में भी मनाया जाना शुरू हो गया है। 25 दिसंबर को अब सनातनी लोग क्रिसमस दिवस के बजाय तुलसी पूजन दिवस के रूप में मनाना अधिक पसंद करते हैं। यदि भौगोलिक नजरिए से देखें तो 21 जून सबसे बड़ा दिन होता है और 22 दिसंबर सबसे छोटा। मान्यता है कि 22 दिसंबर के बाद दिन बढ़ना शुरू हो जाता है इसलिए 23 दिसंबर को बड़े दिन के नाम से पुकारा जाता है लेकिन इसी सभ्यता के समर्थक यूरोपीय देशों की भौगोलिक स्थिति के चलते 25 दिसंबर को बड़े दिन के रूप में मानते आए हैं और यह परंपरा आज भी जारी है। इतिहास की दृष्टि से देखे तो 25 दिसंबर कई महापुरुषों की जयंती है तो कई का महान निर्वाण दिवस भी, यानी महान पुरुषों के आने एवं जाने का बड़ा दिन है 25 दिसंबर। शायद इसलिए भी इसे सारी दुनिया बड़ा दिन मानती है। 25 दिसंबर को जन्म लेने वाले महान पुरुषों में भारतरत्न पंडित महामना मदन मोहन मालवीय एवं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, प्रसिद्ध नेता मुख्तार अब्बास अंसारी, संस्कृत के प्रकांड विद्वान गंगा नाथ झा आदि के नाम मुख्य है। मदन मोहन मालवीय (25 दिसंबर 1861 - 12 नवंबर 1946) न केवल एक महान स्वतंत्रता सेनानी, राजनीतिज्ञ और शिक्षाविद् थे बल्कि एक महान समाज सुधारक भी थे। हिंदू राष्ट्रवाद के समर्थक मदन मोहन मालवीय देश की जातिगत बेड़ियों को तोड़ना चाहते थे। उन्होंने दलितों के मंदिरों में प्रवेश पर रोक की बुराई के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन चलाया। 24 दिसंबर 2014 को भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने पंडित मदन मोहन मालवीय को मरणोपरांत देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'भारत रत्न' से सम्मानित किया। भारत के सबसे लोकप्रिय प्रधानमंत्रियों में से एक अटल बिहारी वाजपेयी (25 दिसम्बर 1924 – 16 अगस्त 2018), नरसिम्हा राव के बाद 1996 में मात्र 13 दिनों के लिए प्रधानमंत्री बने थे. बाद में 1998 में वे 19 माह प्रधानमंत्री रहे और अक्टूबर 1999 में प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने तीसरा कार्यकाल बेहद सफलतापूर्वक पूरा किया। इससे पहले वे अप्रैल 1999 से अक्टूबर 1999 तक कार्यवाहक प्रधानमंत्री भी रहे । अटल बिहारी वाजपेयी देश के सबसे लोकप्रिय वक्ताओं में से एक तो थे ही. उन्होंने 1998 में देश को एक परमाणु शक्ति घोषित करने का साहसिक कार्य भी किया जिसके चलते देश पर कई प्रतिबंध लगे लेकिन अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने कुशलतापूर्वक सबका सामना करते हुए देश को प्रगति के पथ पर डाल दिया। भारत में हर साल 25 दिसंबर को सुशासन दिवस भी पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के रूप में मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य नागरिकों व छात्रों को सरकार की जिम्मेदारियों और कर्तव्यों के बारे में बताना है जिन्हें उसे पूरा करने की आवश्यकता है। संस्कृत भाषा के प्रकाण्ड विद्वान गंगानाथ झा (25 दिसम्बर 1872 - 9 नवम्बर 1941) ने हिन्दी, अंग्रेजी और मैथिली भाषाओं में दार्शनिक विषयों पर उच्च कोटि की मौलिक पुस्तकों की रचना की है।

■ डॉ घनश्याम बादल

एक्शन मोड में सम्राट चौधरी

माफियाओं की नई लिस्ट हो गई तैयार

महानगर नेटवर्क

पटना

बिहार में माफिया के खिलाफ सरकार अब सख्त हो गई है। गृह मंत्री बनने के बाद सम्राट चौधरी ने कहा था कि तीन तरह के माफिया होते हैं। इनमें जमीन, शराब और बालू माफिया अहम होते हैं और इनको किसी हालत में नहीं छोड़ा जाएगा। वहीं अब इन माफियाओं पर कार्रवाई भी शुरू हो गई है। बिहार में ज़मीन माफिया और बालू माफियाओं की बाकायदा नई लिस्ट भी तैयार कर ली गई है, जिसमें जिसमें कुल 19 नाम हैं। बिहार की आर्थिक अपराध इकाई ने 19 जमीन

और बालू माफियाओं की पहचान करके उनकी करीब 50 करोड़ रुपए की संपत्तियां जब्त करने का प्रस्ताव एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट को भेजा है। इनमें दानापुर से RJD के पूर्व विधायक रीतलाल यादव के भाई पिंकू यादव की संपत्ति भी शामिल है। रीतलाल यादव और पिंकू यादव दोनों फिलहाल जेल में बंद हैं। दोनों पर बिल्डर से 50 लाख रुपए की रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप है।

लिस्ट के मुताबिक जिन 8 भूमाफियाओं की लिस्ट बनी है, उन सभी की संपत्ति जब्त होगी। इसके अलावा, 11 बालू माफियाओं की संपत्ति भी जब्त होगी। बिहार की आर्थिक अपराध इकाई के डीआईजी मानवजीत सिंह ढिल्लों ने कहा कि जांच में ये साफ हुआ है कि इन माफिया ने अवैध तरीकों से संपत्ति अर्जित की है, जिसे जब्त किया जाएगा और उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

यूपी की तर्ज पर एक्शन की तैयारी

ऐसा लगता है कि बिहार में भी माफिया के खिलाफ यूपी के अंदाज में एक्शन लेने की कोशिश की जा रही है। इरादा नेक है लेकिन ये काम आसान नहीं है। माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए योगी आदित्यनाथ जैसी हिम्मत चाहिए, नैतिक बल चाहिए और पुलिस और प्रशासन पर पूरी पकड़ चाहिए। बिहार से सटे यूपी में भी कभी माफियाओं का बोलबाला था, नेताओं के संरक्षण में माफिया राज चलता था। लेकिन योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनते ही यूपी की तस्वीर बदल गई। लोगों को माफिया राज से आजादी मिली, अपराधी यूपी में पस्त हुए, पुलिस का इकबाल कायम होने लगा, कानून का राज चलने लगा। बिहार में अगर योगी का ये मॉडल अपनाया जाता है तो बिहार की तस्वीर भी बदल जाएगी।

जेडीयू के बाद बीजेपी नेता बोले

आरजेडी नर्क है, उनके विधायक इधर आना चाहते हैं

पटना। बिहार में सत्ताधारी जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के बाद सहयोगी भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने लालू एवं तेजस्वी यादव के राष्ट्रीय जनता दल (RJD) में टूट का दावा कर दिया है। भाजपा विधायक एवं पूर्व मंत्री नीरज कुमार सिंह बबलू ने कहा कि आरजेडी नर्क हो गई है, अब वहां कोई नहीं जाना चाहता है। अब उनके (आरजेडी) विधायक इधर आना चाहते हैं। इससे पहले जेडीयू प्रवक्ता नीरज कुमार सिंह ने दावा किया था कि आरजेडी के कई विधायक उनके संपर्क में हैं। भाजपा नेता नीरज बबलू ने हाल ही में मीडिया से बातचीत में कहा कि आरजेडी के अधिकतर विधायक एनडीए में आना चाहते हैं। उन्हें लग रहा है कि सत्ता के साथ रहने में ही उनकी भलाई है और अपने क्षेत्र में लोगों के काम करा पाएंगे। इसलिए वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व के साथ रहना चाहते हैं। वहीं, जेडीयू की ओर से भी लगातार आरजेडी में टूट होने का दावा किया जा रहा है। जेडीयू

के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने दो दिन पहले कहा था कि आरजेडी के कई विधायक बेचैन हैं और लालू-तेजस्वी का साथ छोड़ना चाहते हैं। आरजेडी के विधायक उनके संपर्क में हैं। दूसरी ओर, आरजेडी की ओर से इन दावों को खारिज किया जा रहा है। पार्टी के प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने भाजपा विधायक नीरज बबलू के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि एनडीए ने बिहार में सरकार बनाई है, तो उन्हें लोगों की भलाई के लिए काम करना चाहिए। वे आरजेडी और तेजस्वी यादव की चिंता छोड़ दें। उन्होंने यह भी दावा किया कि एनडीए में भाजपा और जदयू के अंदर ही कंपीटिशन है कि कौन किस पार्टी को तोड़ेगा।

बिहार के 25 जिलों में कोल्ड डे का अलर्ट

- गयाजी में घर में आग लगने से पति-पत्नी जिंदा जले
- 28 दिसंबर तक शीतलहर से राहत नहीं

पटना । बिहार पिछले एक सप्ताह से शीतलहर की चपेट में है। बर्फीली हवा ने प्रदेश में कनकनी बढ़ा दी है। ठंड को देखते हुए कई जिलों में स्कूलों को बंद कर दिया गया हैं। पटना में सुबह घना कोहरा छाए रहा, लेकिन दिन चढ़ते धूप निकली। इससे लोगों को ठंड से थोड़ी राहत मिली, लेकिन शाम 4 बजे के बाद पछुआ हवा ने कनकनी बढ़ा दी है। कोहरे की वजह से 4 फ्लाइट कैंसिल हुई, जबकि 20 जोड़ी विमान ने लेट उड़ान भरी। वहीं संपूर्ण क्रांति और तेजस 9 घंटे तक की देरी से चल रही है। इधर, गयाजी में घर में अचानक आग लगने से पति-पत्नी की जिंदा जलकर मौत हो गई। वहीं, बांका में अलाव ताप रहे मां और बेटा गंभीर रूप से झुलस गए। भागलपुर के पीरपैंती में आज सुबह घने कोहरे के कारण एक कार की बस से टक्कर हो गई। हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। पुलिस के पहुंचने से पहले सभी मौके से फरार हो गए।

28 दिसंबर तक शीतलहर से राहत नहीं

मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, 4 जिलों का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से कम रिकॉर्ड किया गया। जबकि 8 जिलों का तापमान 11 डिग्री सेल्सियस से नीचे है। 5 दिनों तक मौसम के ऐसे ही रहने का अनुमान है। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, 'आज प्रदेश के 25 जिले कोल्ड डे और घने कोहरे की चपेट में रहेंगे। इनमें 12 जिलों में घने कोहरे और कोल्ड-डे का ऑरेंज अलर्ट है। जबकि 13 जिलों में कोहरे का यलो अलर्ट है। बिहार में 28 दिसंबर तक घने कोहरे और शीतलहर की स्थिति रह सकती है।

खरगोश का मांस बोलकर कुत्ते का मीट खिलाया,1000/KG में बेचा

कहा- दारू के लिए पैसे कम पड़े तो कुत्ता काटकर बेच दिया

महानगर नेटवर्क

मोतिहारी

मोतिहारी में एक शख्स ने जंगली खरगोश का मांस कहकर कुत्ते का मांस बेच दिया। मांस खाने के बाद तीन लोगों की तबीयत खराब हो गई। राज तब खुला जब मांस बेचने वाले ने ही शराब के नशे में गांव में घूम-घूमकर कहा कि, शराब के लिए पैसे कम पड़ रहे थे, इसलिए खरगोश की जगह लोगों को कुत्ते का मांस खिला दिया। घटना मधुबन प्रखंड स्थित गरहिया बाजार थाना क्षेत्र के गरहिया गांव की है। बताया जाता है कि, यहां रहने वाला मंगरु सहनी नामक युवक शराब का आदी है। आरोप है कि मंगरु सहनी ने गांव में एक कुत्ते को पकड़कर उसे मार डाला। इसके बाद उसने कुत्ते के शव को टुकड़ों में काटा और मांस को खरगोश का मांस बताकर गांव में बेचने निकल गया। गांव के कई लोगों ने मांस खरीद भी लिया। गड़हिया गांव निवासी अनिल कुमार सिंह ने भी मांस खरीदा। अनिल सिंह जब यह मांस घर ले गए और बनाकर खाया, तो कुछ ही देर बाद उनके परिजनों की तबीयत खराब होने लगी। उन्हें उल्टी, दस्त, पेट दर्द और तेज चक्कर आने लगे।

पीड़ितों में अनिल कुमार सिंह की पत्नी लक्ष्मी देवी और अन्य ग्रामीण रामप्रवेश साहनी की भी हालत खराब होने लगी। दोनों अनिल के यहां पार्टी करने आए थे।

1000 रुपए में बेचा 1KG मांस

अनिल कुमार का कहना है कि, मंगरु सहनी ने 500 रुपए में आधा किलो मांस दिया था। मांस को खाने के बाद हम सब की तबीयत बिगड़ गई। मंगलवार को हमलोग जब उसके घर पहुंचे तो उसने कहा कि, मर्डर करके इंसान बाहर आ जाता है। मैंने तो बस कुत्ते का मांस ही खिलाया है। तुमलोग से कुछ नहीं होगा। राम प्रवेश सहनी ने बताया कि, मंगरु मेरे पास आया और कहा कि, जंगली खरगोश का मांस है, लेकिन मैंने मना कर दिया। मेरे घर से निकलने के बाद उसने 500 ग्राम मांस मेरे घर पर रख दिया। मैं बाहर से लौटा तो पता चला कि मेरी पत्नी और बेटी ने मांस बनाकर खा लिया। उनकी भी तबीयत खराब हो गई।

गर्लफ्रेंड के लिए थावे मंदिर में 1.8 करोड़ की चोरी

मास्टरमाइंड ने प्रेमिका से कहा- बड़ा काम करने जा रहा हूं

महानगर नेटवर्क

गोपालगंज

गोपालगंज के थावे भवानी मंदिर में हुई 1.08 करोड़ रुपए के आभूषण चोरी मामले में पुलिस ने बड़े खुलासे किए हैं। इस हाई-प्रोफाइल चोरी के मास्टरमाइंड को घटना से ठीक 6 दिन पहले पुलिस ने हिरासत में लिया था, लेकिन शक के बावजूद उसे छोड़ दिया गया। दरअसल, आरोपी 10-11 दिसंबर की रात थावे मंदिर परिसर में रेकी कर रहा था। पुलिस ने शक के आधार पर उसे हिरासत में लिया। करीब 5 घंटे तक थाने में बैठाकर पूछताछ की। इस दौरान आरोपी ने पुलिस को गुमराह करते हुए कहा, वह अपनी प्रेमिका से मिलने यहां आया है। पुलिस की सख्ती और लगातार सवालों के बावजूद आरोपी अपनी कहानी पर अड़ा रहा। इसके बाद पुलिसकर्मियों से उसने अपने पिता से फोन पर बात कराई। पिता के हस्तक्षेप के बाद पुलिस ने आरोपी को सरकारी गाड़ी से रेलवे स्टेशन तक छोड़ा।

मास्टरमाइंड की पहचान उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के रहने वाले दीपक राय के रूप में हुई है। आरोपी ने पुलिस पूछताछ में जानकारी दी कि उसने चोरी की प्लानिंग कैसे और कब की थी। पुलिस का कहना है कि 13 नवंबर को जेल से रिहा होने के बाद दीपक ने प्रयागराज में रहने वाली अपनी गर्लफ्रेंड से कहा था कि मैं बहुत बड़ा काम करने जा रहा हूं। अब लाइफ सेट है।

पहले पुणे के मंदिर पर थी दीपक की नजर

SP अवधेश दीक्षित ने बताया, 'थावे मंदिर से पहले दीपक महाराष्ट्र के पुणे में एक फेमस मंदिर में चोरी की योजना बना रहा था। मास्टरमाइंड दीपक राय ने 6 से 8 दिसंबर तक लगातार गूगल और यूट्यूब पर मंदिरों से जुड़ी जानकारियां सर्च की थीं।

उसके मोबाइल फोन से पुणे के एक प्रसिद्ध मंदिर की वेबसाइट, वहां के मुकुट, गर्भगृह और सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े वीडियो और तस्वीरें देखे जाने के सबूत मिले हैं। हालांकि, उस मंदिर का नाम पुलिस ने नहीं बताया है।'

पुणे मंदिर की वेबसाइट देखते समय थावे मंदिर पर पड़ी नजर

आरोपी ने पुलिस को बताया, 8 दिसंबर की रात पुणे के उस मंदिर के बार में वो सर्च कर रहा था। इसी दौरान उसे थावे मंदिर से जुड़े कुछ वीडियोज मिले। जिसके बाद आरोपी ने सोचा पुणे उसके घर से ज्यादा दूर हो जाएगा। इस वजह से उसने ये प्लान ड्राप कर दिया। इसके बाद दीपक ने थावे मंदिर पर फोकस किया।

वंदे भारत पर पथराव मामले में 3 नाबालिग पकड़े

- मुजफ्फरपुर में कपड़पुरा स्टेशन के पास फेंके थे पत्थर
- बोले- खेल-खेल में निशाना लगा रहे थे

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले में वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव के आरोप में तीन नाबालिगों को पकड़ा गया है। इन नाबालिगों ने खेल-खेल में निशाना साधने के दौरान ट्रेन पर पत्थर फेंके, जिससे ट्रेन के तीन कोच के शीशे क्षतिग्रस्त हो गए। घटना मुजफ्फरपुर के कांटी थाना क्षेत्र अंतर्गत कपड़पुरा स्टेशन के पास हुई। नरकटियागंज से आ रही वंदे भारत एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 26502) जैसे ही कपड़पुरा से गुजरी, उस पर पत्थरों से हमला किया गया। पथराव इतना तेज़ था कि ट्रेन की तीन बोगियों की खिड़कियों के शीशे टूट गए। गनीमत रही कि इस घटना में किसी यात्री को गंभीर चोट नहीं आई।

तीनों नाबालिगों ने पत्थर फेंकने की बात कबूल की

रेलवे कंट्रोल रूम को पथराव की सूचना मिलते ही रेल पुलिस (GRP) और आरपीएफ की टीमें तुरंत सक्रिय हो गईं। टीमों ने घटनास्थल पर छापेमारी की और रेलवे ट्रैक के किनारे मौजूद तीन संदिग्ध किशोरों को पकड़ लिया। तीनों लड़कों ने पूछताछ के दौरान अपना जुर्म कबूल कर लिया। उन्होंने बताया कि उनकी मंशा कोई आपराधिक कृत्य करने की नहीं थी, बल्कि वे खेल-खेल में

अपना 'निशाना' परख रहे थे। इसी दौरान उन्होंने गुजरती हुई ट्रेन पर पत्थर चला दिए। इस घटना के बाद तीनों नाबालिगों को रिमांड होम भेज दिया गया है।

रेल एसपी बोलीं- नाबालिग आरोपियों को रिमांड होम भेजा गया

मुजफ्फरपुर रेल एसपी वीणा कुमारी ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि कंट्रोल रूम से वंदे भारत पर पथराव की सूचना प्राप्त हुई थी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घटनास्थल से तीन 'विधि विरुद्ध बालकों' को पकड़ा। पूछताछ में उन्होंने स्वीकार किया कि खेलने के दौरान निशाना साधने के क्रम में उन्होंने पत्थर चलाए थे। चूंकि तीनों आरोपी नाबालिग हैं, इसलिए कानून सम्मत कार्रवाई करते हुए उन्हें रिमांड होम भेज दिया गया है।

तेजस्वी यादव हिस्ट्रीशीटर के साथ विदेश घूम रहे

JDU ने डीजीपी से की रमीज की शिकायत

पटना। जदयू प्रदेश मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने बिहार के नेता प्रतिपक्ष को लेकर बड़ा दावा किया है। नीरज कुमार ने बिहार डीजीपी को पत्र लिखकर कहा है कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के साथ विदेश भ्रमण पर हिस्ट्रीशीटर रमीज नेमत खान गए हुए हैं। पुलिस को इसपर कड़ी नजर रखनी चाहिए। उन्होंने कहा है कि मीडिया से यह जानकारी मिली है। उन्होंने कहा है कि रमीज नेतान खान उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिले के रहने वाले हैं। हत्या के मामले में वह पूर्व में गिरफ्तार भी हो चुके हैं। नीरज कुमार ने एक्स पर लिखा, 'DGP, बिहार को पत्र। मीडिया के अनुसार तेजस्वी यादव हिस्ट्रीशीटर रमीज़ नेमत खान के साथ विदेश भ्रमण पर गए हैं। आशंका है कि मोतिहारी विधानसभा से राजद के प्रत्याशी देवा गुप्ता भी उस यात्रा में शामिल हो, जिस पर 28 संगीन आपराधिक मामले दर्ज हैं 1 लाख रुपये का इनाम घोषित है।'बिहार चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल की हार और फिर लालू परिवार की बेटी रोहिणी आचार्या के साथ परिवार में टकरार होने के बाद रमीज नेमत खान का नाम सामने आया था। इस हार के बाद रोहिणी आचार्या ने रमीज और संजय यादव का नाम लिया था और इनपर निशाना साधा था। रमीज के बारे में बताया जाता है कि वो तेजस्वी यादव की तरह ही एक क्रिकेटर रहे हैं।

टायर फटने से पलटी स्कॉर्पियो 2 की मौत और छह जखमी

छपरा। बिहार में एक बड़ा सड़क हादसा हो गया है। छपरा जिले में हुए इस हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि गड़खा थाना क्षेत्र के अलोनी बाजार के पास मंगलवार की देर रात स्कॉर्पियो की टायर फटने से गाड़ी पलट गई। हादसे के बाद स्कॉर्पियो के नीचे दब कर दो लोगों की मौत हो गई। इस सड़क हादसे में छह लोग जख्मी भी हो गए हैं। छपरा-मुजफ्फरपुर एनएच 722 पर गाड़ी पलटने के दौरान घटनास्थल पर एक ही व्यक्ति की मौत हुई थी। सात लोग जख्मी थे। लेकिन छपरा सदर अस्पताल में इलाज के दौरान हादसे में घायल एक और शख्स ने ने दम तोड़ दिया।

बिहार में मात्र 2 प्रतिशत वाहनों में ही ट्रैकिंग सिस्टम

मंत्री बोले- 1 जनवरी से होगी कड़ी कार्रवाई

पटना। बिहार के महज 46 प्रतिशत सार्वजनिक वाहनों में ही व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस (वीएलटीडी) लगा है। इनकी संख्या एक लाख 24 हजार 962 है। इनमें से भी कई बिना वीएलटीडी रिचार्ज के सड़कों पर दौड़ रहे हैं। इससे इन वाहनों के रूट और स्पीड की मानीटरिंग नहीं हो पा रही। परिवहन मंत्री श्रवण कुमार ने अब ऐसे वाहनों को चिह्नित कर एक जनवरी से कड़ी कार्रवाई शुरू करने का निर्देश दिया है। परिवहन मंत्री ने विश्वेश्वरैया भवन में विभागीय अधिकारियों व संबंधित एजेंसियों के साथ वीएलटीडी और पैनिक बटन की

स्थिति पर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि 31 दिसंबर 2025 तक सभी बिना रिचार्ज वाले वीएलटीडी उपकरणों को रिचार्ज करा लें। यदि ऐसा नहीं किया गया तो एक जनवरी 2026 से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिन वाहनों में वीएलटीडी नहीं लगा है, उन्हें भी तुरंत इसे लगाने का निर्देश दिया गया है। दरअसल, सभी सार्वजनिक सेवायानों में महिलाओं व बच्चों की सुरक्षा के उद्देश्य से वीएलटीडी और आपात्तकालीन बटन या पैनिक बटन लगाया जाना अनिवार्य है। इस उपकरण की खासियत है कि यह वाहनों की तय गति सीमा से अधिक पर परिचालन में अंकुश लगाने में मदद करता है, जिससे सड़क दुर्घटनाओं की संख्या कम होगी।

व्यापार

सेंसेक्स 116 अंक नीचे 85,409 पर बंद

मुंबई। शेयर बाजार में 24 जनवरी को गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 116 अंक गिर कर 85,409 पर बंद हुआ। निफ्टी में 35 अंक की तेजी रही, ये 26,142 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 में से 17 शेयरों गिरावट और 13 में तेजी रही। निफ्टी के 50 में से 30 शेयर्स में गिरावट रही। आज IT और बैंकिंग शेयर्स में गिरावट रही। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन आज यानी 23 दिसंबर को शेयर बाजार में करीब 400 अंक का उतार-चढ़ाव रहा। सेंसेक्स 43 अंक गिरकर 85,525 पर बंद हुआ। निफ्टी में 5 अंक की तेजी रही, ये

26,177 के स्तर पर है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 17 नीचे बंद हुए। इंफोसिस, टेक महिंद्रा और एयरटेल में 1.5% तक गिरावट रही। ITC, अल्ट्राटेक सीमेंट और TMPV 1% बढ़कर बंद हुए। निफ्टी के 50 में से 26 शेयर्स गिरकर बंद हुए। NSE के IT, फार्मा और बैंकिंग सेक्टर में आज गिरावट रही। वहीं, FMCG, मीडिया और मेटल ऊपर बंद हुए।

LIC हाउसिंग फाइनेंस ने होम लोन की ब्याज दरें घटाईं

नई दिल्ली। LIC हाउसिंग फाइनेंस (LIC HFL) ने घर खरीदारों को बड़ी राहत देते हुए अपने होम लोन की ब्याज दरों में कटौती का फैसला किया है। कंपनी ने नए होम लोन के लिए शुरुआती ब्याज दर को घटाकर 7.15% कर दिया है। यह नई दर उन ग्राहकों के लिए अवेलेबल होगी, जिनका क्रेडिट प्रोफाइल यानी CIBIL स्कोर अच्छा है। खास बात यह है कि LIC की यह दर देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक SBI की शुरुआती दरों से भी कम हो गई है।

अब 7.15% शुरुआती रेट पर लोन मिलेगा

CIBIL स्कोर के आधार पर तय होंगी दरें

LIC-HFL के मुताबिक, ब्याज दरों का नया स्ट्रक्चर पूरी तरह से कर्ज लेने वाले व्यक्ति के CIBIL स्कोर पर आधारित है। CIBIL स्कोर एक तीन अंकों की संख्या होती है जो आपकी पुरानी लोन हिस्ट्री और उसे चुकाने की क्षमता को दर्शाती है। कंपनी का उद्देश्य उन ग्राहकों को फायदा पहुंचाना है, जो अपना क्रेडिट रिकॉर्ड हमेशा ही बेहतर रखते हैं। जिन ग्राहकों का CIBIL स्कोर 825 या उससे ज्यादा है, वे 7.15% की सबसे कम ब्याज दर पर लोन लेने के लिए एलिजिबल होंगे। यह दर 5 करोड़ रुपए तक के होम लोन पर लागू होगी। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि यह कदम होम फाइनेंसिंग को और अधिक किफायती बनाने के लिए उठाया गया है। इससे उन लोगों की मंथली EMI कम हो जाएगी जो बड़े लोन अमाउंट के लिए आवेदन कर रहे हैं।

होम क्रेडिट इंडिया का 'हाउ इंडिया बोरोज़ 7.0'

मुंबई। जैसे-जैसे 2025 समाप्त हो रहा है, भारत में ऋण देने के परिदृश्य ने गति और मानकीकरण का एक नया बेंचमार्क हासिल कर लिया है। कर्ज से जुड़े जो फैसले पहले दिनों या हफ्तों में होते थे, वे अब चंद मिनटों में पूरे हो जाते हैं—यहाँ तक कि एलएपी ('लोन अगेंस्ट प्रॉपर्टी') जैसे बड़े ऋणों के मामले में भी। ऋण देने की यह रफ़्तार अब उपभोक्ताओं के खरीदारी व्यवहार और आर्थिक चक्र के अनुरूप हो गई है। होम क्रेडिट इंडिया का 'हाउ इंडिया बोरोज़ 7.0' अध्ययन इस बदलाव को उजागर करता है, जिसमें पाया गया है कि 49% ऋण लेने वाले स्मार्टफोन और घरेलू उपकरणों जैसी दैनिक जरूरतों को अपग्रेड करने के लिए ऋण का उपयोग कर रहे हैं।

विरोहन ने हासिल की 65 करोड़ रुपये की सीरीज़-बी फंडिंग

नई दिल्ली। भारत में हेल्थकेयर शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी संस्थान, विरोहन ने अपनी चल रही सीरीज़-बी फंडिंग के तहत 65 करोड़ रुपये जुटाए हैं, जिसका नेतृत्व मायनावी कॉर्पोरेशन ने किया है। इस निवेश दौर में विरोहन के मौजूदा निवेशकों जैसे ब्लूम वेंचर्स, भारत इनक्लूसिव टेक्नोलॉजीज़ सीड फंड और रीब्राइट पार्टनर्स ने भी भाग लिया। यह फंडिंग उत्पाद नवाचार, संचालन दक्षता में सुधार और रणनीतिक रूप से प्रतिभाशाली पेशेवरों की टीम के विस्तार के माध्यम से विरोहन को लाभप्रदता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ने में मदद करेगी। विरोहन यूपीईएस (देहरादून), बीबीडी यूनिवर्सिटी, सीएमआर यूनिवर्सिटी (बेंगलुरु), असम डॉन बॉस्को यूनिवर्सिटी (गुवाहाटी), एमआईटी यूनिवर्सिटी (शिलांग), जी.एच. रायसोनी यूनिवर्सिटी (नागपुर और पुणे), सिल्वर ओक यूनिवर्सिटी (अहमदाबाद) सहित कई प्रमुख विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर एलाइड हेल्थकेयर, नर्सिंग और हेल्थकेयर मैनेजमेंट में उच्च गुणवत्ता के स्नातक कार्यक्रम संचालित करने में सक्षम बनाता है।

ऑल-न्यू किआ सेल्टोस का उत्पादन शुरू

मुंबई। मिड-एसयूवी सेगमेंट में अपनी बादशाहत को और मजबूत करते हुए, किआ इंडिया ने आज आंध्र प्रदेश के अनंतपुर स्थित अपनी अत्याधुनिक फैक्ट्री में 'ऑल-न्यू किआ सेल्टोस' का उत्पादन शुरू कर दिया है। भारत में कंपनी के ऑपरेशंस के लिए यह एक बड़ा मील का पत्थर है। किआ इंडिया इस नई सेल्टोस की कीमतों की घोषणा 2 जनवरी 2026 को करेगी। नई सेल्टोस, भारत की सबसे लोकप्रिय और बेंचमार्क सेट करने वाली मिड-एसयूवी के एक बड़े, बोल्ड और उन्नत पीढ़ीगत बदलाव को दर्शाती है। भारतीय एसयूवी खरीदारों की उभरती अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए तैयार, नई सेल्टोस पहले से ज्यादा स्पेस, नया बोल्ड डिज़ाइन, बेहतर राइड कंफर्ट, शानदार हैंडलिंग और उन्नत सुरक्षा फीचर्स प्रदान करती है। यह अगली पीढ़ी की डिजिटल तकनीक का एक ऐसा संगम है, जो वैश्विक मानकों को भारतीय सड़कों और जीवनशैली की जरूरतों के साथ जोड़ता है। किआ इंडिया के प्रबंध निदेशक और सीईओ, ग्वांगगू ली ने अनंतपुर प्लांट में आयोजित समारोह में कहा, "ऑल-न्यू किआ सेल्टोस का उत्पादन शुरू होना हमारे लिए गर्व का क्षण है। सेल्टोस ने लंबे समय से मिड-एसयूवी सेगमेंट में नए मानक स्थापित किए हैं। इसका यह नया मॉडल भारतीय ग्राहकों से मिले फीडबैक और उनकी जरूरतों को समझकर तैयार किया गया है, जो पहले से कहीं अधिक विशाल, दमदार और आधुनिक है। हमारे प्लांट में उत्पादन का काम पूरी गति से शुरू हो चुका है और हमारी टीमें पूरी तरह तैयार हैं।

एराइज-आईआरएमआरआई एवं बीआईएस की सस्टेनेबल रबड़ उद्योग पर संगोष्ठी

मुंबई। भारतीय रबड़ सामग्री अनुसंधान संस्थान (आईआरएमआरआई) द्वारा प्रवर्तित एराइज इन्क्यूबेशन सेंटर ने भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के संयुक्त तत्वावधान में मिराज होटल, मुंबई में "रबड़ उद्योग के लिए सस्टेनेबल एवं चक्रीय अर्थव्यवस्था पर मानकीकरण" विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी में बीआईएस के वरिष्ठ अधिकारी चिन्मय द्विवेदी, डॉ. के. राजकुमार एवं रजत गुप्ता तथा एराइज के पदाधिकारी पॉल

वन्नन, डॉ. भरत कापगते एवं वी. कार्तिकेयन उपस्थित रहे।भारत एवं विदेशों से आए विशेषज्ञों ने सस्टेनेबल, चक्रीय अर्थव्यवस्था, ईएसजी, पुनर्चक्रण तथा हरित प्रौद्योगिकियों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार साझा किए।

हाउस ऑफ स्वामीराज' ने किया रेसिडेंशियल पोर्टफोलियो का विस्तार

महानगर संवाददाता

मुंबई

मुंबई के रियल एस्टेट सेक्टर में एक मशहूर नाम 'हाउस ऑफ स्वामीराज' ने लगभग 700 करोड़ रुपये की अनुमानित प्रोजेक्ट कीमत के साथ एक प्रीमियम रेसिडेंशियल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट लॉन्च करने की योजना बनाई है। ठाणे वेस्ट में पोखरण रोड 1 पर लॉन्च होने वाला यह प्रोजेक्ट कंपनी के रेसिडेंशियल पोर्टफोलियो में एक महत्वपूर्ण विस्तार है। यह प्रोजेक्ट बदलते शहरी लाइफस्टाइल को प्रदर्शित करने वाले मॉडर्न घरों को बनाने पर कंपनी के फोकस को दिखाता है। इस डेवलपमेंट का ऑफिशियल प्रोजेक्ट नाम अभी तय नहीं हुआ है। इस प्रोजेक्ट को पूरी तरह से हाउस ऑफ स्वामीराज द्वारा निर्मित किया जा रहा है।

एक कॉम्प्रिहेंसिव रेसिडेंशियल इकोसिस्टम के तौर पर बनाए गए इस प्रोजेक्ट में इंटेलिजेंट प्लानिंग, टेक्नोलॉजी-बेस्ड लिविंग सॉल्यूशन और कम्युनिटी स्पेस पर खास ध्यान दिया गया है।इस घोषणा पर टिप्पणी करते हुए हाउस ऑफ स्वामीराज के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री जेसन सैम्युल ने कहा, यह डेवलपमेंट दर्शाता है कि आज शहर में घर खरीदने वाले लोग रेसिडेंशियल प्रोजेक्ट्स को कैसे देख रहे हैं। अब फैसले सिर्फ लोकेशन या कॉन्फ़िगरेशन के आधार पर नहीं होते, बल्कि इस बात पर होते हैं कि घर कितनी समझदारी से बनाया गया है, टेक्नोलॉजी रोज़मर्रा की ज़िंदगी को कितना बेहतर बनाती है, और खुली, हरी-भरी जगहों की सुविधा सेहत के लिए कितनी फायदेमंद है।

महानगर मीडिया नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अंतेश आर सिंह द्वारा, महानगर मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 501, ओमेगा हाउस, हीरानंदानी गार्डन्स, पवई, मुंबई-400076 से प्रकाशित एवं **डांगट मीडिया प्रा.लि.**, 22, दीघा एम आई डी सी, टी टी सी इंडस्ट्रियल एरिया, विष्णु नगर, दीघा, नवी मुंबई - 400708 में मुद्रित। ● फोन नंबरः 022-25705039 ईमेल : hmahanagar@gmail.com
● कार्यकारी संपादक : राघवेंद्र नाथ द्विवेदी* (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

खाद की कालाबाजारी पर कृषि अधिकारी सस्पेंड

सभी अधिकारियों को चेतावनी भी दी

महानगर नेटवर्क

लखनऊ

यूपी में खाद की कालाबाजारी के मामले में बड़ा ऐक्शन हुआ है। सिद्धार्थनगर में कृषि अधिकारी को सस्पेंड कर दिया गया है। योगी सरकार में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने विधानसभा में बुधवार को बताया कि सिद्धार्थनगर में खाद की पर्याप्त उपलब्धता के बावजूद पिछले कुछ दिनों से कालाबाजारी, ओवर रेटिंग, टैगिंग और तस्करी की शिकायतें मिलने पर वहां के जिला कृषि अधिकारी मोहम्मद मुजम्मिल को निलंबित कर दिया गया है। मंत्री ने सभी अधिकारियों को चेतावनी भी दी है।

उन्होंने कहा कि यूपी सरकार किसानों के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और उर्वरकों के वितरण में किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सिद्धार्थनगर में उर्वरक की कोई कमी नहीं थी, फिर भी वहां से तस्करी और कालाबाजारी की सूचनाएं मिल रही थीं, जिस पर जिला कृषि अधिकारी द्वारा कोई प्रभावी रोक नहीं लगाई गई। इसी लापरवाही और प्रशासनिक विफलता पर यह दंडात्मक कार्रवाई की गई है। विभाग के सभी अधिकारियों को सचेत किया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में उर्वरकों की सुचारू उपलब्धता सुनिश्चित करें और अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कदम उठाएं।

सदन में खाद को लेकर सपा ने हमला बोला

इसके पहले सपा के अतुल प्रधान ने किसानों की समस्याओं पर कहा कि प्रदेश में खाद और रयासन को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। लाइन में लगे किसानों पर लाठियां चल रही हैं। किसानों पर नैनो यूरिया और रसायन के इस्तेमाल का दबाव बनाया जा रहा है। सपा के ही पंकज मलिक ने कहा कि मुजफ्फरनगर में किसानों को खाद नहीं मिल रही है। बाजार में नकली खाद बिक रही है और सरकारी अधिकारी और कर्मचारी इसे रोकने का प्रयास नहीं कर रही हैं। सपा की ही सैय्यदा खातून ने कहा कि किसनों को न तो फसल बीमा योजना का लाभ मिल रहा है और नही उन्हें खाद मिल रही है।

गांवों में सस्ती दरों पर उत्सव भवन मिलेंगे : ओपी राजभर

महानगर नेटवर्क

लखनऊ

यूपी के पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि अनुपूरक बजट में उनके विभाग के लिए 2450 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। इसमें 100 करोड़ रुपये से गांवों में उत्सव भवन बनाए जाएंगे। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वालों को शादी या अन्य किसी तरह के कार्यक्रम के लिए सस्ती दरों पर उत्सव भवन मिलेंगे। अनुपूरक बजट में पंचायती राज कार्यालय खोलने की भी व्यवस्था की गई है। उनकी पार्टी का मूल आधार किसान, पिछड़ा और अति पिछड़ा है। अनुपूरक बजट में इनके लिए व्यवस्था की गई है। राज्य सरकार तकनीकी छात्रों के लिए एक्सीलेंस सेंटर खोलने जा रही है। इसमें शोध, नवाचार और सर्वश्रेष्ठ कार्यप्रणाली को बढ़ावा देने के गुर तकनीकी छात्रों को सिखाए जाएंगे, जिससे उन्हें रोजगार मिल सके। प्राविधिक शिक्षा, उपभोक्ता संरक्षण एवं बांट माप मंत्री आशीष पटेल ने बुधवार को अनुपूरक बजट पर चर्चा के दौरान कहा कि बजट से जनहित के कामों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि कृषि, ग्रामीण विकास और अन्नदाता किसानों को इससे फायदा होगा।

पैक मछली की बिक्री योजना शुरू करेंगे

मत्स्य मंत्री संजय निषाद ने कहा कि मछली पालकों के लिए जल्द ही पैक मछली की बिक्री योजना लाने की तैयारी है। इससे मछली पालकों की आय में इजाफा होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने मत्स्य पालकों के हितों के लिए कई योजनाएं शुरू की गई हैं। तालाबों का पट्टा उन्हें दिया जा रहा है, इससे प्रदेश में मछली पालन के क्षेत्र में इजाफा हुआ है। उन्होंने कहा कि अनुपूरक बजट में सभी के हितों की बात की गई है। बसपा नेता उमा शंकर सिंह ने अनुपूरक बजट पर चर्चा के दौरान कहा कि यह भी ध्यान देना चाहिए कि विभागों को कितना आवंटित हुआ और उन्होंने कितना खर्च किया। कुछ विभाग पैसा पाने के बाद भी बहुत कम खर्च करते हैं। उन्होंने कुछ विभागों द्वारा दी गई राशि और खर्च की गई राशि का आंकड़ा भी प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि विभाग तय समय के अंदर पैसा खर्च करें।

खनन के दौरान खोदे गए गड्ढे में मिट्टी धंसी, दो श्रमिकों की मौत

ट्रैक्टर चालक मौके से फरार

महानगर नेटवर्क

रायबरेली

जिले में कस्बे के ईदगाह के पास खनन कार्य के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया। खनन के दौरान खोदे गए गड्ढे में अचानक मिट्टी धंसने से दबकर दो श्रमिकों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

बुधवार को सुबह कस्बे के वार्ड नंबर तीन, मोहल्ला पुरानी कोठी निवासी श्रमिक ब्रजेश कुमार कोरी, इरफान, ब्रजलाल और रोहित ईदगाह के पास एक व्यक्ति की निजी जमीन पर फावड़े से मिट्टी खोदकर ट्रैक्टर-ट्रॉली में भर रहे थे। बताया जा रहा है कि उक्त जमीन पर पिछले करीब एक माह से जेसीबी मशीन द्वारा लगातार खनन कार्य चल रहा था, जिससे वहां गहरा गड्ढा हो गया था।

चारों श्रमिक गड्ढे के अंदर काम कर रहे थे

बुधवार को जब चारों श्रमिक गड्ढे के अंदर काम कर रहे थे, तभी अचानक ऊपर से मिट्टी का बड़ा हिस्सा भरभराकर नीचे गिर गया। देखते ही देखते चारों श्रमिक मिट्टी के नीचे दब गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पास में ही दूसरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पर मिट्टी भर रहे श्रमिक शोर सुनकर दौड़े और किसी तरह मिट्टी हटाकर चारों को बाहर निकाला। सभी घायलों को आनन-फानन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नसीराबाद पहुंचाया गया। सीएचसी में प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ आशीष कुमार ने जांच के बाद ब्रजेश कुमार कोरी (22) वर्ष को मृत घोषित कर दिया। वहीं हालत गंभीर होने पर ब्रजलाल और इरफान को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान ब्रजलाल 60 वर्ष ने भी दम तोड़ दिया। इरफान की हालत अभी भी गंभीर बताई जा रही है, जबकि रोहित का उपचार सीएचसी में जारी है। थानाध्यक्ष पवन कुमार सोनकर ने बताया कि हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर लेकर मौके से फरार हो गया है। उसकी तलाश की जा रही है। उन्होंने बताया कि मामले में तहरीर मिलने पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जाएगी। इस हादसे के बाद अवैध और असुरक्षित खनन कार्यों को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से ऐसे खनन कार्यों पर सख्ती से रोक लगाने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

तीन गर्लफ्रेंड का खर्च उठाने के लिए चोर बना फिजियोथेरेपिस्ट

शामली। आदर्श मंडी पुलिस ने कस्बा बनत स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में हुई चोरी की घटना का खुलासा करते हुए एक निजी प्रशिक्षित फिजियोथेरेपिस्ट आसिफ समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी किया गया सामान और घटना में प्रयुक्त कार भी बरामद की है। आरोपी ने गर्लफ्रेंड के शौक पूरे करने के लिए चोरी करने की बात स्वीकार की है। एएसपी सुमित शुक्ला ने प्रेस वार्ता में बताया कि 8 दिसंबर की रात पीएचसी बनत से चोरों ने जांच मशीन, बीपी इंस्ट्रूमेंट, एलईडी टीवी, इन्वर्टर, बैटरा, प्रिंटर सहित बड़ी मात्रा में सामान चोरी कर लिया था। इस संबंध में पीएचसी के फार्मासिस्ट आदेश कुमार की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने जांच के दौरान आसपास के 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों को खंगाला। फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर मंगलवार को सेहटा फ्लाईओवर के निकट से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम आसिफ निवासी गांव भौराखुर्द, थाना भौराकलां, जनपद मुजफ्फरनगर और सचिन निवासी मोहल्ला विजयनगर, दिल्ली रोड, सदर बाजार, जनपद सहारनपुर बताए।

पूछताछ में आरोपी आसिफ ने बताया कि वह गांव भाजू में फिजियोथेरेपी का निजी क्लीनिक चलाता है और उसकी तीन गर्लफ्रेंड हैं। उनके शौक पूरे करने के लिए वह साथी सचिन के साथ मिलकर चोरी की वारदातों को अंजाम देता था। 8 दिसंबर की रात पीएचसी बनत से सामान चोरी कर उसे कार में रखकर पानीपत में बेचने की तैयारी कर रहा था।

प्रेम प्रसंग के शक में युवक की हत्या, पिता-पुत्र गिरफ्तार

प्रयागराज। कोरांव थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर आठ शहीद नगर निवासी सुशील कुमार उर्फ मुंडे (28) का शव मंगलवार को कुएं में मिलने से सनसनी फैल गई। वह तीन दिन से लापता था। पुलिस जांच में पता चला कि प्रेम प्रसंग के शक में सुशील की चाकू से हत्या कर शव कुएं में फेंक दिया गया। मामले में करछना थाना पुलिस ने सूर्य लाल और उसके बेटे अंकित को गिरफ्तार किया है। मंगलवार सुबह करीब सात बजे कुएं में एक शव उतराता दिखाई दिया। इसकी सूचना चौकीदार पारस निवासी खमहरिया ने 112 नंबर पर दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कुएं से बाहर निकलवाया। शव की पहचान सुशील उर्फ मुंडे के रूप में हुई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जांच में पता चला कि सुशील 19 दिसंबर को खीरी गया था लेकिन घर नहीं लौटा। परिजनों ने थाने में गुमशुदगी दर्ज कराने के साथ उसकी तलाश शुरू कर दी। जांच में पता चला कि पत्नी से सुशील का प्रेम प्रसंग होने के शक में सूर्य लाल ने उसकी हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी सूर्य लाल और उसके बेटे अंकित को पकड़ लिया गया।

ब्राह्मण विधायकों की बैठक से यूपी की राजनीति में हलचल

महानगर नेटवर्क

लखनऊ

यूपी विधानसभा के सेशन के दौरान भाजपा के 52 ब्राह्मण विधायकों की मीटिंग की खूब चर्चा हो रही है। इस मीटिंग का मकसद क्या था और आखिर एक ही जाति के विधायकों की मीटिंग क्यों बुलाई गई। इसे लेकर कयासों का दौर जारी है। कोई इसे ब्राह्मणों की नाराजगी बता रहा है तो कोई इसे ठाकुर विधायकों की मीटिंग के जवाब में हुई बैठक बता रहा है। इस मीटिंग में रहे रत्नाकर मिश्रा ने कहा,'इससे पहले ठाकुर विधायकों की बैठक हुई थी। यह अच्छी चीज थी। कुर्मी विधायकों की भी मीटिंग हुई थी। मैं तो कहूंगा कि अन्य समुदायों के लोगों को भी बैठकें करनी चाहिए ताकि अपने समाज को मुख्यधारा में ला सकें।' सहभोज का आयोजन करने वाले पीएन पाठक ने भी खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि इस बैठक के कुछ और मायने नहीं निकालने चाहिए। पाठक ने कहा कि कल हमने भाजपा के ब्राह्मण विधायकों की एक मीटिंग बुलाई थी। इस मीटिंग में दूसरे दलों का कोई विधायक नहीं था। इस मीटिंग का कोई राजनीतिक मकसद नहीं था। उन्होंने मीडिया रिपोर्ट्स पर भी सवाल उठाए और कहा कि तरह-तरह की चीजें चल रही हैं। उन्होंने कहा, 'मीडिया में कुछ लोग चला रहे हैं कि ब्राह्मण नाराज है। लेकिन इन चीजों में कुछ भी सच्चाई नहीं है। ब्राह्मण सिर्फ अपने विकास और समाज कल्याण की बात कर रहा है।' उन्होंने बैठक के दौरान सामाजिक विषयों पर चर्चा की बात कही। पाठक ने कहा कि मीटिंग में SIR पर बात हुई। इसके अलावा विधानसभा से जुड़े मसलों पर भी बात की गई। इसमें ऐसा कुछ नहीं था, जिसके राजनीतिक मायने निकाले जाएं। वहीं रत्नाकर मिश्रा ने कहा कि इस बैठक में ऐसे सामाजिक विषयों पर भी बात हुई, जिनसे हम लोग जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज के दौर में परिवार बिखर रहे हैं और बुजुर्ग अकेलेपन एवं उपेक्षा के शिकार हैं।

950 करोड़ की लागत से बनेगा सलोरी–हेता पट्टी पुल!

प्रयागराज। संगम नगरी में गंगा नदी पर सलोरी-हेतापट्टी-झूंसी मार्ग को जोड़ने के लिए फुटपाथ सहित फोरलेन सेगमेंटल बॉक्स गर्डर सेतु का निर्माण, पहुंच मार्ग, अतिरक्त पहुंच मार्ग एवं सुरक्षात्मक कार्य के निर्माण के लिए सरकार से स्वीकृति मिल गई है। दरअसल यह पुल 950 करोड़ रुपये की लागत से बनेगा। गंगा नदी पर सलोरी-हेतापट्टी-झूसी मार्ग को जोड़ने के लिए फुटपाथ सहित फोरलेन सेगमेंटल बॉक्स गर्डर सेतु का निर्माण, पहुंच मार्ग, अतिरक्त पहुंच मार्ग एवं सुरक्षात्मक कार्य के निर्माण ईपीसी मोड होंगे। व्यय वित्त समिति द्वारा अनुमोदित लागत के अनुसार, 95293.28 लाख के व्यय के प्रस्ताव पर मंत्रि-परिषद का अनुमोदन प्रस्तावित है। इस पुल के बनने से यात्रियों का सफर बहुत ही आसान हो जाएगा। इसे पुल के बनने से आवागमन में काफी सहूलियत होगी। इस सेतु के निर्माण से प्रयागराज सीधे हेतापट्टी की ओर एनएच-19 प्रयागराज-वाराणसी मार्ग से जुड़ जाएगा। इससे भदोही, वाराणसी व बिहार की ओर जाने वाले शहर के वाहन सीधे निकल जाएंगे। इसके अलावा जनपद जौनपुर, आजमगढ़ व गोरखपुर आने व जाने वाले यात्रियों की यात्रा भी सुगम हो जाएगी।

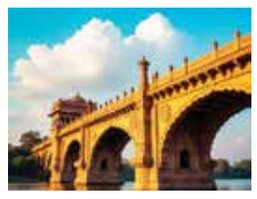

'मैं बेकसूर हूं...' सुसाइड नोट लिखकर पेड़ से लटका मिला नामजद आरोपी

महानगर नेटवर्क

आजमगढ़

जिले के अतरौलिया थाना क्षेत्र के जमीन नंदना गांव के समीप लिंक एक्सप्रेसवे के किनारे एक युवक का शव बुधवार को पेड़ से लटका मिला। वह अंबेडकर नगर जनपद की छात्रा स्नेहा हत्याकांड में नामजद आरोपी था। शव मिलने की सूचना से इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों ने सुबह युवक को पेड़ से लटका देखा तो तत्काल डायल 112 पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी अतरौलिया देवेंद्र नाथ दुबे ने शव को कब्जे में लेकर पहचान की प्रक्रिया शुरू कराई। फॉरेंसिक टीम को भी घटनास्थल पर बुलाया गया। मृतक की पहचान सौरभ गौड़ (20) निवासी ग्राम खरवईया, जनपद अंबेडकर नगर के रूप में हुई।

पुलिस जांच में सामने आया कि सौरभ अंबेडकर नगर के थाना राजेसुल्तानपुर क्षेत्र की छात्रा स्नेहा की हत्या के मामले में नामजद आरोपी था। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना जहांगीरगंज के प्रभारी अजय प्रताप सिंह और क्षेत्राधिकारी आलापुर प्रदीप सिंह चंदेल भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जानकारी के मुताबिक सौरभ और छात्रा स्नेहा के बीच पिछले करीब एक वर्ष से प्रेम संबंध था। एक वर्ष पूर्व सौरभ छात्रा के घर गया था, जहां परिजनों ने उसे पकड़ लिया था और उसके खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया था। इस मामले में वह जेल गया था और नवंबर माह में जमानत पर रिहा हुआ था। दो दिसंबर को छात्रा स्नेहा घर से लापता हो गई। चार दिसंबर को परिजनों ने राजे सुल्तानपुर थाने में सौरभ के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया।

उधर, 20 दिसंबर को स्नेहा का शव उसके घर से करीब 100 मीटर की दूरी पर बरामद हुआ, जिसके बाद पुलिस ने सौरभ के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी। मृतक सौरभ की पैंट पर लिखा हुआ एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है, जिसमें उसने खुद को निर्दोष बताते हुए लिखा है "मैं बेकसूर हूं, मैंने स्नेहा को नहीं मारा।

कोरिया पार्क में महारानी हो की प्रतिमा का अनावरण

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या बुधवार को एक ऐतिहासिक अवसर की साक्षी बनी। अयोध्या और कोरिया के मधुर संबंधों की कहानी बयां कर रहे कोरिया पार्क में करक वंश की महारानी हो की मूर्ति का भव्य अनावरण महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने किया। इसी के साथ अयोध्या और कोरिया के रिश्तों को नया आयाम मिला। अनावरण समारोह के साथ ही इंडो-कोरियन फेस्ट का भी शुभारंभ हुआ। अनावरण समारोह में कोरिया के प्रतिनिधिमंडल को भी शामिल होना था लेकिन मौसम खराब होने की वजह से वह फ्लाइट कैंसिल हो गई जिससे दल को अयोध्या पहुंचना था। कोरियन धातु से बनी करीब 12 फीट की महारानी हो की प्रतिमा को स्थापित करने के लिए तीन फीट ऊंचा पैडस्टल भी बनाया गया है। इसी के साथ कोरिया पार्क आम श्रद्धालुओं के लिए भी खोल दिया गया है। महापौर ने कहा कि महारानी हो की प्रतिमा अयोध्या और कोरिया के ऐतिहासिक रिश्तों का जीवंत प्रतीक है। यह प्रतिमा न सिर्फ कोरिया पार्क की पहचान बनेगी, बल्कि दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक, पर्यटन और भावनात्मक संबंधों को और मजबूत करेगी। इंडो-कोरियन फेस्ट से भी अयोध्या को वैश्विक स्तर पर नई पहचान मिलेगी। इस पहल से पर्यटन को नई उड़ान मिलेगी और अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक सहयोग को भी बढ़ावा मिलेगा।

खुलासा : कफ सिरप के सिंडिकेट ने होटल, ऑटोमोबाइल और रियल एस्टेट में खपाई रकम

महानगर नेटवर्क

वाराणसी

रांची की शैली ट्रेडर्स से जुड़ी फर्मों के सिंडिकेट ने कोडीनयुक्त कफ सिरप की तस्करी कर जुटाई रकम को टूरिज्म, रियल एस्टेट और ऑटो मोबाइल सेक्टर में खपाई है। सिंडिकेट के सरगना शुभम जायसवाल के ठिकानों से बरामद प्रपत्रों और गोपनीय जांच में ईडी ने जानकारियां जुटाई हैं। एक साल में एक ही कंपनी की छह लग्जरी गाड़ियां खरीदी गईं और शहर के अलावा वाराणसी, लखनऊ, नोएडा, झारखंड के रियल एस्टेट में निवेश किया गया।

टूरिज्म इंडस्ट्रीज में भी शुभम जायसवाल अपने सिंडिकेट के तहत आगे बढ़ा। छह पार्टनरों ने शहर के रिंग रोड पर एक कीमती जमीन भी खरीदी है, यहां दुबई की तर्ज पर लग्जरी होटल बनवाने की रूपरेखा तय की गई थी। शहर के पॉश कॉलोनियों और वाराणसी से सटे आसपास के जिलों में भी शुभम जायसवाल ने अपने रिश्तेदारों और कर्मचारियों के नाम पर संपत्तियां बनाई हैं। ईडी इसकी भी जांच कर रही है।

आदमपुर थाना क्षेत्र के प्रहलाद घाट कायस्थ टोला निवासी भोला प्रसाद के बेटे शुभम ने लॉकडाउन के बाद ही कफ सिरप की तस्करी में कदम रखा। दवा का काम करने वाले शुभम को जेल से छूटे एक हिस्ट्रीशीटर ने राह दिखाई और फिर ड्रग अफसरों की मेहरबानी से फर्जी नाम, पते पर ड्रग लाइसेंस बनते गए। इस बीच शुभम की मुलाकात

वरुणा पार रहने वाले अमित सिंह टाटा, आजमगढ़ के नरवे निवासी विकास सिंह से हुई। इन दोनों ने शुभम को इस कार्य को वृहद पैमाने पर शुरू करने का सुझाव दिया और परिवहन का रास्ता बनाया। कफ सिरप की अवैध बिक्री एक साल तक गुपचुप तरीके से हुई, लेकिन माफियाओं की एंट्री के बाद सब सार्वजनिक हो गया। अमित सिंह टाटा के साथ ही आलोक सिंह एसटीएफ ने भी ड्रग लाइसेंस बनवाए। धनबाद और वाराणसी में दोनों के फर्म का पंजीयन हुआ और फिर शैली ट्रेडर्स से माल की खरीद फरोख्त शुरू की। बिलिंग के इस पूरे खेल को सेंट्रलाइज्ड तरीके से किया गया। मास्टरमाइंड शुभम जायसवाल के खिलाफ विभिन्न जिलों में प्राथमिकी दर्ज है।

ऑनलाइन ठगी के पैसे वापस मिलते ही फिर फंसा ले रहे साइबर फ्रॉड

महानगर नेटवर्क

गोरखपुर

लालच में आकर साइबर ठगी के शिकंजे में फंसे युवा रकम गंवाकर भी उससे निकलना नहीं चाह रहे हैं। साइबर पुलिस की मदद से जालसाजों से रकम वापस मिल जाने के बाद कई युवा दोबारा ऑनलाइन गेमिंग, सट्टा, फर्जी निवेश ऐप और संदिग्ध लिंक पर दांव लगा रहे हैं। दलदल में एक बार फंसकर भी दोबारा डूबने को तैयार हैं। साइबर पुलिस के अनुसार, हाल के दिनों में

कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें एक ही व्यक्ति बार-बार साइबर ठगी का शिकार हुआ है। शाहपुर के एक युवक की रकम तीन बार साइबर सेल ने जालसाजों के चंगुल से वापस कराई, जिसमें 15 लाख रुपये की बड़ी धनराशि भी शामिल थी। लेकिन हर बार उसने जोखिम भरे प्लेटफॉर्म पर पैसा लगा दिया। रुस्तमपुर का एक युवक पांच-पांच लाख रुपये दो बार दांव पर लगा चुका है। एक बार पुलिस ने साढ़े तीन लाख रुपये वापस कराए और फिर उसने बढ़ाकर छह लाख रुपये लगा दिए। ऐसे लोगों का हर बार यही तर्क रहा कि अबकी रकम जरूर बढ़ जाएगी, पिछली बार किस्मत खराब थी। साइबर थाने के पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अधिकतर युवा जल्दी पैसा कमाने के लालच में बिना जांच-पड़ताल ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भरोसा करते हैं। फर्जी निवेश ऐप, टेलीग्राम और व्हाट्सएप ग्रुप, शेयर ट्रेडिंग और ऑनलाइन सट्टा-गेमिंग ऐप मुनाफे का लालच देकर युवाओं को आसानी से जाल में फंसा रहे हैं। जब रकम डूब जाती है, तब साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत की जाती है। समय रहते शिकायत मिलने पर कई मामलों में बैंक के माध्यम से रकम होल्ड कराकर वापस भी करा दी जाती है। पुलिस का कहना है कि रकम वापस कराना समाधान नहीं है, बल्कि व्यवहार में बदलाव जरूरी है। बार-बार समझाने के बावजूद कई युवा यह मानने को तैयार नहीं होते कि वे गलत प्लेटफॉर्म पर पैसा लगा रहे हैं। वे इसे रिस्क बताकर अपनी जिम्मेदारी से बचने की कोशिश करते हैं।

फर्जी मतदाता पहचान-पत्र बनवाने में 48 लोगों पर FIR

संभल। यूपी में पंचायत चुनाव से ठीक पहले थाना असमोली क्षेत्र के विलालपत गांव में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर मतदाता पहचान-पत्र बनवाने का मामला सामने आया है। जिसके बाद प्रशासन ने इस मामले में बड़ी कार्रवाई की है। लेखपाल की तहरीर पर पुलिस ने करीब 48 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। क्षेत्राधिकारी कुलदीप कुमार ने बताया कि लेखपाल गुन्नू बाबू की तहरीर के आधार पर 48 लोगों के खिलाफ असमोली थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। अब इस मामले में जांच की जाएगी और जो भी नाम प्रकाश में आएंगे, उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। लेखपाल गुन्नू बाबू के मुताबिक, जिलाधिकारी ने जांच समिति गठित कराई। 19 दिसंबर 2025 को समिति की ओर से जांच आख्या ने पूरे फर्जीवाड़े की पोल खोल दी। रिपोर्ट में स्पष्ट कहा गया कि संबंधित लोगों ने बीएलओ को फर्जी दस्तावेज उपलब्ध कराए, जिनके आधार पर उनके नाम मतदाता सूची में दर्ज किए गए। जांच रिपोर्ट के आधार पर जिलाधिकारी ने 20 दिसंबर 2025 को सख्त आदेश जारी किए, जबकि 22 दिसंबर 2025 को तहसीलदार संभल ने कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद लेखपाल गुन्नू बाबू की तहरीर पर ग्राम विलालपत के 48 नामजद आरोपियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली गई।

मिशन यूपी 2027: कांग्रेस की रणनीति, चुनाव में अकेले उतरने की तैयारी

लखनऊ/मुंबई। उत्तर प्रदेश की राजनीति में बड़ा हलचल मचाने वाला बयान सामने आया है। कांग्रेस पार्टी ने संकेत दे दिए हैं कि साल 2027 में होने वाले यूपी विधानसभा चुनाव वह अकेले दम पर लड़ने की तैयारी कर रही है। यह घोषणा कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और उत्तर प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय ने की है।

पांडेय ने बताया कि पार्टी संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं में नया जोश भरने के लिए आगामी जनवरी और फरवरी में पूरे प्रदेश में 18 से 20 बड़ी रैलियां आयोजित की जाएंगी। ये रैलियां कांग्रेस के पुनरुत्थान की दिशा में निर्णायक साबित होंगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी सभी जाति, धर्म और वर्ग को साथ लेकर चलने वाली पार्टी है और आज प्रदेश की जनता केंद्र और राज्य सरकार के मनमाने फैसलों से त्रस्त हो चुकी है। महंगाई, बेरोजगारी, किसान संकट और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों पर जनता में भारी नाराजगी है।

प्रभारी अविनाश पांडेय ने साफ कहा कि यूपी की जनता अब बदलाव चाहती है और 2027 में कांग्रेस एक मजबूत विकल्प के रूप में सामने आएगी। पार्टी जमीनी स्तर पर संगठन को सक्रिय कर रही है और हर जिले में कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी जा रही है। मुंबई कांग्रेस उत्तर भारतीयों सेल द्वारा आयोजित उत्तर भारतीय संवाद कार्यक्रम में शामिल होने के लिए दो दिवसीय मुंबई दौरे पर आये उत्तर प्रदेश के प्रभारी महासचिव अविनाश पांडे और प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने बातचीत में कहा कि पार्टी सभी 403 सीटों पर लड़ने की तैयारी कर रही है। पार्टी

की तरफ से अब तक 1 लाख 69 हजार बीएलए बनाये गये हैं जो लगभग सभी बूथ पर वोटर वेरिफिकेशन के एसआईआर में लगे हैं और इसके साथ ही करीब दो लाख कार्यकर्ता रजिस्टर्ड हुए हैं उनकी ट्रेनिंग दी चुकी है। अविनाश पांडे ने कहा कि बीते लोकसभा चुनाव में विपक्ष ने 40 से अधिक सीटों पर जीत दर्ज की है। अब साल 2027 में होने वाले विधानसभा में भाजपा को करारा झटका लगेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जानती है कि यूपी में जड़े जमाये बिना कांग्रेस की केंद्र में वापसी नहीं हो सकती है। गठबंधन के सवाल पर उन्होंने कहा कि इसमें अभी बहुत देर है लेकिन हम सब सीटों पर तैयारी कर रहे हैं। अविनाश पांडेय ने कहा कि इस बार के मुंबई में महानगरपालिका चुनाव में मुंबई में रहने वाले उत्तर भारतीय समाज घर वापसी करेगी क्योंकि समाज को यह मालूम पड़ गया है कि उत्तर भारतीय समाज का सम्मान सिर्फ कांग्रेस ही करती है। कांग्रेस के ही दौर में पहली बार कोई उत्तर भारतीय महापौर बना और चार मंत्री बने, लेकिन मौजूदा सरकार में एक भी उत्तर भारतीय समाज को मंत्री नहीं बनाया गया। इस बार चुनाव में कांग्रेस उत्तर भारतीयों को अपनी तरफ खींचेंगी इसलिए राज ठाकरे और मनसे के कारण ही उद्धव ठाकरे की शिवसेना से समझौता नहीं किया गया।

देश में हिंदू-मुस्लिम समस्या के लिए कांग्रेस जिम्मेदार : गडकरी

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा, 'देश में आज भी जो हिंदू-मुस्लिम से जुड़ी समस्याएं दिखती हैं, उनकी वजह कांग्रेस की सेक्युलरिज्म की सोच और वोट बैंक की राजनीति है। कांग्रेस ने सेक्युलरिज्म की गलत व्याख्या की।' गडकरी के मुताबिक, 'सेक्युलर का अर्थ धर्मनिरपेक्षता या किसी एक वर्ग का तुष्टिकरण करना नहीं है। इसका सही मतलब 'सर्व धर्म समभाव' होता है, यानी सभी धर्मों को समान सम्मान और सबको न्याय और सभी के साथ बराबरी का व्यवहार करना है।' गडकरी दिल्ली में राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष प्रो. वासुदेव देवनानी की किताब 'सनातन संस्कृति की अटल दृष्टि' के लोकार्पण समारोह में बोल रहे

थे। इस दौरान उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन भी मौजूद थे। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के बयान को दोहराते हुए कहा कि भारत पहले भी सेक्युलर था, आज भी है और हमेशा रहेगा। यह बीजेपी-RSS की वजह से नहीं, बल्कि भारतीय, हिंदू और सनातन संस्कृति की वजह से है, जो विश्व का कल्याण सिखाती है। भारतीय संस्कृति सहिष्णु, करुणामय और सभी को साथ लेकर चलने वाली है और इतिहास में किसी हिंदू राजा द्वारा धार्मिक स्थलों को नष्ट करने का उदाहरण नहीं मिलता।

हत्या से कुछ घंटे पहले हमास चीफ हानियेह के साथ थे गडकरी

केंद्रीय सड़क एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने हाल ही में एक कार्यक्रम में खुलासा किया कि हमास चीफ इस्माइल हानियेह की हत्या से कुछ ही घंटे पहले उनकी उनसे मुलाकात हुई थी। यह घटना ईरान की राजधानी तेहरान में पिछले साल हुई थी। गडकरी से उस मुलाकात के कुछ ही समय बाद हानियेह की रहस्यमय हालात में हत्या कर दी गई थी। एक किताब लॉन्च के मौके पर बोलते हुए गडकरी ने बताया कि कैसे हमास नेता की ईरानी राजधानी में एक कड़ी सुरक्षा वाले मिलिट्री कॉम्प्लेक्स में हत्या होने से कुछ घंटे पहले ही उनकी मुलाकात हानियेह से हुई थी। नितिन गडकरी ने बताया कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आग्रह पर ईरान गए थे। उन्हें ईरान के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियन के शपथ ग्रहण समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व करना था। इस कार्यक्रम से पहले तेहरान के एक पाँच सितारा होटल में कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष और वरिष्ठ नेता अनौपचारिक रूप से चाय-कॉफी पर इकट्ठा हुए थे। गडकरी ने बताया कि उसी दौरान उनकी मुलाकात हमास नेता इस्माइल हानियेह से हुई थी। उन्होंने बताया कि हानियेह कोई राष्ट्राध्यक्ष नहीं थे, फिर भी वहां मौजूद थे और राष्ट्रपति तथा ईरान के मुख्य न्यायाधीश के साथ शपथ ग्रहण समारोह में जाते हुए उन्हें देखा गया था।

एक्यूआई में सुधार के बाद दिल्ली-NCR से हटा GRAP-4

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में वायु गुणवत्ता में लगातार सुधार को देखते हुए कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट यानी सीएक्यूएम ने बड़ा फैसला लिया है। कमीशन ने ग्रेप के स्टेज-4 के तहत लगे सभी प्रतिबंधों को तत्काल प्रभाव से हटा दिया है। साथ ही स्टेज-1, 2 और 3 के नियमों को और सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए हैं। सीएक्यूएम की सब-कमिटी की बैठक में बुधवार को दिल्ली की हवा की स्थिति और आईएमडी/आईआईटीएम के पूर्वानुमान की समीक्षा की गई। समीक्षा में पाया गया कि बीती रात से तेज हवाओं और अनुकूल मौसमी स्थितियों के कारण दिल्ली का एक्यूआई में काफी सुधार हुआ है। जिसके बाद आज दिल्ली का एक्यूआई 271 दर्ज किया गया, जो 'खराब' कैटेगरी में आता है। हालांकि, आईएमडी/आईआईटीएम का पूर्वानुमान है कि आने वाले दिनों में हवाओं की रफ्तार कम होने से एक्यूआई में फिर बढ़ोतरी हो सकती है।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी की 'मेक इन इंडिया' की सफलता को माना : वैष्णव

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा है। अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि राहुल गांधी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ' मेक इन इंडिया ' कार्यक्रम की सफलता को स्वीकार करने के लिए धन्यवाद। मंत्री ने कहा कि कांग्रेस नेता ने खुद स्वीकार किया है कि पीएम के विजन के लागू किए जाने से भारत उत्पादन करने वाला अर्थव्यवस्था बन रहा है।

अश्विनी वैष्णव ने X राहुल गांधी की एक पोस्ट को शेयर करते हुए लिखा, 'राहुल गांधी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम की सफलता को स्वीकार करने के लिए धन्यवाद। जैसा कि आपने कहा, प्रधानमंत्री के विजन को लागू करते हुए भारत अब एक उपभोक्ता अर्थव्यवस्था से आगे बढ़कर उत्पादन आधारित अर्थव्यवस्था बन रहा है।' असल में, राहुल गांधी ने फेसबुक पर इकोनॉमिक

टाइम्स की एक खबर को शेयर करते हुए लिखा था, 'सिर्फ आठ-नौ महीनों में 30 हजार कर्मचारियों की भर्ती-यह अब तक भारत में किसी फैक्ट्री का सबसे तेज विस्तार माना जा रहा है। यह महज एक आंकड़ा नहीं, बल्कि बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन का उदाहरण है।' राहुल ने कहा, 'इस पहल को और भी खास बनाता है इसका महिला नेतृत्व। इस यूनिट में करीब 80 प्रतिशत कर्मचारी महिलाएं हैं, जिनमें से ज्यादातर की उम्र 19 से 24 है। कई महिलाओं के लिए यह उनकी ज़िंदगी की पहली नौकरी है। कर्नाटक इस मामले में एक मिसाल है, जहां ऐसा माहौल तैयार किया गया है कि मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर इतनी तेज़ी और बड़े पैमाने पर आगे बढ़ सके। यही वह भारत है जिसे हमें बनाना है- सम्मानजनक नौकरियां और हर किसी के लिए अवसर।'

राहुल गांधी से उन्नाव रेप पीड़िता की हुई मुलाकात

नई दिल्ली। उन्नाव रेप केस की सर्वाइवर ने बुधवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात की। पीड़िता की यह मुलाकात दिल्ली हाई कोर्ट की तरफ से इस मामले में दोषी पूर्व बीजेपी विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की उम्रकैद की सज़ा सस्पेंड किए जाने के एक दिन बाद हुई। मीडिया से बात करते हुए पीड़िता ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी मिलने की इच्छा जताई। पीड़िता का कहना था कि वह अपना दुख साझा करने आई है। वह महिला, जो जून 2017 में जब सेंगर ने अपराध किया था, तब नाबालिग थी, उसने गांधी से उस समय मुलाकात की। इससे पहले कांग्रेस नेता ने एक्स पर एक पोस्ट में दिल्ली के इंडिया गेट पर सुरक्षा बलों द्वारा पीड़िता के साथ की गई बदसलूकी की निंदा की थी।

ट्रेन से कटकर सात की मौत

महानगर नेटवर्क

शाहजहांपुर

उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में बुधवार शाम दर्दनाक हादसा हुआ। रोजा रेलवे स्टेशन के पास मानव रहित रेलवे क्रॉसिंग को पार करते समय बाइक सवार लोग गरीब रथ एक्सप्रेस से टकरा गए। हादसे में दो बच्चों समेत पांच लोगों की मौत हो गई। दर्दनाक हादसा देख वहां मौजूद लोगों का कलेजा कांप गया। मृतकों के शव रेलवे ट्रैक पर इधर-उधर जा गिरे। सूचना मिलते ही थाना पुलिस और जीआरपी मौके पर पहुंच गई। मृतकों की पहचान 40 वर्षीय हरिओम निवासी ग्राम बनके गांव थाना उचौलिया जिला लखीमपुर खीरी, उनके साढू सेठ पाल निवासी गांव विकन्ना निगोही (शाहजहांपुर), सेठ पाल की 35 वर्षीय पत्नी पूजा व दो बच्चों के रूप में हुई। बताया गया कि ये सभी लोग शाहजहांपुर की बुध बाजार गए थे। वहां से खरीदारी कर लखीमपुर वापस जा रहे थे। मानवरहित रेलवे क्रॉसिंग पर 6:18 बजे हादसा हो गया। सूचना पर हरिओम के पिता लालाराम मौके पर पहुंचे। उन्होंने मृतकों की पहचान की। हादसे के बाद परिवारों में कोहराम मच गया।

कैट 2025 का परिणाम घोषित

नई दिल्ली। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (IIM) कोझिकोड ने बुधवार को CAT 2025 का रिजल्ट जारी कर दिया है। इस परीक्षा में करीब 25 लाख एमबीए उम्मीदवार शामिल हुए थे, जो उम्मीदवार कैट 2025 में बैठे थे, वे अब आईआईएम की आधिकारिक वेबसाइट iimcat.ac.in पर जाकर अपना रिजल्ट देख और डाउनलोड कर सकते हैं। कैट 2025 की परीक्षा 30 नवंबर, 2025 को आयोजित की गई थी। इसके बाद अनंतिम उत्तर कुंजी 4 दिसंबर को जारी की गई थी और उम्मीदवारों के लिए आपत्ति दर्ज करने की विंडो 8 दिसंबर तक खुली थी। यह परीक्षा भारत के 170 शहरों में फैले 339 परीक्षा केंद्रों पर हुई थी।

दिल्ली मेट्रो विस्तार को लेकर केंद्र सरकार का बड़ा फैसला

परियोजना के लिए 12,015 करोड़ रुपये का बजट तय

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

दिल्ली मेट्रो के विस्तार को लेकर केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में दिल्ली मेट्रो फेज-5 (ए) के विस्तार को मंजूरी मिल गई है। इस परियोजना के लिए 12,015 करोड़ रुपये का बजट तय किया गया है, जिससे दिल्ली की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था और बेहतर होगी।

इस विस्तार योजना का उद्देश्य दिल्ली के सुदूर इलाकों को मेट्रो नेटवर्क से जोड़ना और सड़कों पर भीड़भाड़ को कम करना है। इस परियोजना कि कुल लागत 12,015 करोड़ रुपये है। इससे

मेट्रो लाइन में कुल 16 किलोमीटर की वृद्धि होगी और इसमें 13 स्टेशन जुड़ेंगे, जिसमें 10 भूमिगत और तीन एलिवेटेड होंगे।

बुनियादी ढांचे को मिलेगा बढ़ावा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को दिल्ली मेट्रो के लिए तीन नए कॉरिडोर को केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी का स्वागत किया और कहा कि इस फैसले से राजधानी के बुनियादी ढांचे को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस फैसले का स्वागत करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर प्रसन्नता व्यक्त की। इसको लेकर पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'दिल्ली के बुनियादी ढांचे को बड़ा बढ़ावा मिला! दिल्ली मेट्रो के चरण 5(ए) परियोजना के तहत तीन नए कॉरिडोर को मंत्रिमंडल की मंजूरी से हमारी राजधानी का मेट्रो नेटवर्क विस्तारित होगा, जिससे 'जीवन की सुगमता' बढ़ेगी और भीड़भाड़ कम होगी।'

PUBLIC NOTICE

I am **Mrs. Pathan Shagufta Imran Khan** residential at Kholi.No. 50/51:Building No.5. BMC dormitory 2nd Floor, Saboo siddik Marg, Mumbai-400001 hereby gives notice that the name of the original tenant of the said room is Mr. Mohammed Mushraf Asgar Ansari An application has been submitted in accordance with the rules and along with the necessary documents regarding the transfer of rent of the said room to the office of the Property Officer A - Division, Mumbai Municipal Corporation, 134-E, Shaheed Bhagat Singh Marg, Fort, Mumbai-400001. However, if any person or financial institution has any objection or objection regarding the transfer of rent of the said room, they should register their objections and objections in writing to the office of the Property Officer A - Division, 134-E, Shaheed Bhagat Singh Marg, Fort, Mumbai 400001 within 15 days from the date of publication of this notice and submit the relevant documents along with it.

The above notice has been issued pursuant to a letter received from the Office of the Property Officer A-Department, Mumbai Municipal Corporation, 134 E, Shaheed Bhagat Singh Marg, Fort, Mumbai- 400001.

Sd/-

PATHAN SHAGUFTA IMRAN KHAN

Place: Mumbai Date: 25.12.2025

ओडिशा को मिलेगी पहली महिला चीफ सेक्रेटरी

भुवनेश्वर। ओडिशा को पहली महिला मुख्य सचिव मिलने जा रही है। अनु गर्ग ओडिशा की पहली महिला मुख्य सचिव होंगी। ओडिशा सरकार ने वर्तमान में विकास आयुक्त के रूप में कार्यरत अनु गर्ग को अगला मुख्य सचिव नियुक्त करने की घोषणा की है। अनु की इस नई नियुक्ति के संबंध में बुधवार को लोक प्रशासन विभाग द्वारा औपचारिक अधिसूचना जारी की गई है। वर्तमान में मनोज आहूजा मुख्य सचिव का पदभार संभाल रहे हैं, जिनका कार्यकाल 31 दिसंबर को समाप्त हो रहा है। अनु गर्ग नए साल (1 जनवरी 2026) से मुख्य सचिव के रूप में कार्यभार संभालेंगी। वर्तमान में, वह राज्य विकास आयुक्त के साथ-साथ जल संसाधन विभाग और योजना एवं समन्वय विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव के रूप में कार्यरत हैं। अनु ओडिशा कैडर के 1991 बैच की आईएएस (IAS) हैं। अनु के पास सरकारी क्षेत्र में 34 वर्षों का लंबा अनुभव है। विकास आयुक्त बनने से पहले, उन्होंने ओडिशा सरकार के श्रम और ईएसआई (ESI) विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग में प्रधान सचिव के रूप में कार्य किया है।

अरुणाचल को भारत का हिस्सा बताने पर यूट्यूबर से बदसलूकी

महानगर नेटवर्क

शंघाई

एक इंडियन ब्लॉगर ने हाल ही में यह दावा किया है कि उसे अरुणाचल प्रदेश को भारत का हिस्सा बताने के लिए चीन में करीब 15 घंटे तक हिरासत में रखा गया। 'ऑन रोड इंडियन' नाम के चैनल से वीडियो शेयर करने वाले ब्लॉगर ने दावा किया कि चीन में इमिग्रेशन सेंटर पर उसके साथ बदसलूकी हुई और हताश होकर रोने के अलावा उसके पास कोई विकल्प नहीं बचा। ट्रैवल ब्लॉगर ने एक वीडियो जारी कर अपनी आपबीती सुनाई है। कथित तौर पर घटना

बीते 16 नवंबर की है। वीडियो में उसने बताया कि कैसे एक छोटे से बयान की वजह से उसके साथ घंटों तक पूछताछ हुई।

उसने बताया कि पहले तो अधिकारियों ने उससे रूटीन सवाल पूछे और शुरू में सब कुछ नॉर्मल लग रहा था, लेकिन अचानक उनलोगों ने उसे डिटेंशन प्वाइंट भेज दिया। शख्स ने बताया कि डिटेंशन प्वाइंट पर जब दो घंटे बाद भी कोई अधिकारी नहीं आया तो वह परेशान हो गया कि कुछ गड़बड़ है। इसके बाद कुछ चाइनीज ऑफिसर्स उसे एक रूम में ले गए जहां उसका फोन कैमरा सब छीन लिया गया और खाना मांगने पर खाना भी नहीं दिया गया। वहीं इंडियन एंबेसी में फोन करने भी नहीं दिया गया। शख्स ने दावा कि उसे कई घंटे तक खाना नहीं दिया गया जिसके बाद हताश होकर वह रोने लगा। उसने वीडियो में कहा, "मैंने सिर्फ अरुणाचल प्रदेश का स्टैंड लिया था।

मरने के 4 साल बाद इंजीनियर को मिली पीएचडी की डिग्री

कासरगोड। केरल के कासरगोड में एक सिविल इंजीनियर एम रामचंद्रन को उनकी अचानक मौत के चार साल बाद कन्नूर यूनिवर्सिटी ने PhD की डिग्री दी है। हाल ही में यह सर्टिफिकेट उनकी विधवा वी जयलक्ष्मी को मिला। इस मौके पर वह बहुत इमोशनल हो गईं। केरल पुलिस हाउसिंग एंड कंस्ट्रक्शन कॉर्पोरेशन से रिटायर्ड चीफ इंजीनियर रामचंद्रन ने जिंदगी भर पढ़ाई की। कोझिकोड के रीजनल इंजीनियरिंग कॉलेज से सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद वह गोवा गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज में फैकल्टी मेंबर के तौर पर शामिल हो गए।

पश्चिम बंगाल SIR पर कलकत्ता हाईकोर्ट सख्त

अवैध OBC सर्टिफिकेट स्वीकार न करने का दिया निर्देश

महानगर नेटवर्क

कोलकाता

पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर सियासत तेज है। इसी बीच कलकत्ता हाईकोर्ट ने बुधवार को पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) को निर्देश दिया कि वे एक याचिका पर विचार करें, जिसमें राज्य के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में अवैध ओबीसी सर्टिफिकेट को वैध दस्तावेज के रूप में स्वीकार न करने की मांग की गई है और इस पर तर्कसहित आदेश जारी करें।

मामले में याचिकाकर्ता अरिजीत

बक्शी ने अदालत को बताया कि मई 2024 में हाईकोर्ट ने राज्य के 77 वर्गों के लोगों के ओबीसी सर्टिफिकेट को रद्द कर दिया था। उन्होंने आयोग से स्पष्ट निर्देश देने की मांग की, कि एसआईआर प्रक्रिया में केवल वैध ओबीसी सर्टिफिकेट ही मान्य होंगे। मामले में सुनवाई के दौरान जस्टिस कृष्णा राव ने सीईओ को निर्देश दिया कि वे याचिका पर विचार करें और आदेश प्राप्त होने के एक सप्ताह के भीतर तर्कसहित निर्णय दें। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि जिन लोगों ने पहले से सेवाओं में ओबीसी लाभ लिया है या किसी चयन प्रक्रिया में सफल हुए हैं, उनके अधिकारों पर इस आदेश का असर नहीं होगा। बता दें कि मई 2024 में हाईकोर्ट की एक डिविजन बेंच ने 2010 से कई वर्गों को दिए गए ओबीसी दर्जे को रद्द कर दिया था। इतना ही नहीं याचिकाकर्ता के वकील ने चुनाव आयोग से अनुरोध किया कि एसआईआर के लिए केवल वैध ओबीसी सर्टिफिकेट ही स्वीकार किए जाएं और रद्द किए गए सर्टिफिकेट को दस्तावेज के रूप में स्वीकार न किया जाए।

फिर सुलगा पश्चिम बंगाल, कई शहरों में उपद्रव, लाठीचार्ज

कोलकाता। पड़ोसी देश बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदाय यानी हिन्दू समुदाय के दीपू चंद्र दास की हत्या के विरोध में बुधवार को पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा के कई भूमि पत्तनों पर हिंदू समर्थक संगठनों के सदस्यों ने प्रदर्शन किए। इन प्रदर्शनों में भाजपा के समर्थक भी शामिल थे, जिनकी कई मौकों पर पुलिस से भिड़ंत हो गई। हावड़ा जिले में प्रदर्शन के दौरान पुलिस और भाजपा समर्थकों के बीच तीखी झड़प देखने को मिली। दोनों पक्षों के बीच, टकराव उस वक्त शुरू हुआ जब पुलिस ने भाजपा के मार्च को हावड़ा पुल तक पहुंचने से पहले ही रोक दिया। इससे प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच तीखी बहस हो गई। हावड़ा पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''हम किसी को भी लोगों के सामान्य जनजीवन में बाधा डालने और प्रदर्शन के नाम पर यात्रियों को परेशान करने की अनुमति नहीं देंगे। किसी भी प्रकार की परेशानी पैदा करने के प्रयास को रोकने के लिए हम कानून के अनुसार कार्रवाई करेंगे।''

पेज एक का शेष ...

योगी बोले-मैं भजन करने नहीं आया...

बांग्लादेश में एक दलित हिंदू को पीटकर मार दिया गया लेकिन जो लोग गाजा पट्टी पर आंसू बहाते थे उनके मुंह से एक शब्द नहीं निकला क्योंकि उन लोगों के लिए दलित, किसान और महिलाएं सब एक वोट बैंक हैं। तुष्टिकरण की नीति के कारण बांग्लादेश का निर्माण हुआ है। अगर विभाजन न होता तो हिंदुओं पर अत्याचार न होता। जब हम लोग बांग्लादेश के अवैध प्रवासियों और रोहिंग्याओं का निकालेंगे तो यही लोग आंसू बहाएंगे क्योंकि इनमें से कई तो इन लोगों के वोट बैंक होंगे। हमने क्या किया है, क्या नहीं किया, इसका यूपी की जनता रिजल्ट दे रही है। दंगा कैसे होता है, तो उसका उपचार क्या? तो बरेली के मौलाना से पूछ लीजिए। हमने 9 साल में 9 लाख नौकरी दीं, वो भी बिना घूसखोरी। यह पहले कभी नहीं हुआ। आपके समय में थानों में भय पलता था। अपराधी आपके खास थे। आज प्रदेश के अंदर कोई भय नहीं।

सीएम का तंज

दोनों भाईयों की अब कोई विचारधारा नहीं बची है, ये सिर्फ अवसरवादिता की राजनीति कर रहे हैं।' सीएम फडणवीस के एक बयान से लग रहा है कि भाजपा ने ठाकरे बंधुओं के इस गठबंधन को कोई तवज्जो नहीं दी है। सीएम फडणवीस ने कहा, 'शिवसेना यूबीटी और मनसे के गठबंधन को ऐसे प्रचारित किया जा रहा है, जैसे रूस और यूक्रेन साथ आ गए हों और जेलेंस्की और पुतिन बातचीत कर रहे हों।'

59000 रक्षा कर्मियों पर लटकी तलवार

कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता वाली कमेटी पर नजर

नई दिल्ली। आयुध कारखानों के सभी मान्यता प्राप्त कर्मचारी संगठनों के संयुक्त मंच, यूनाइटेड फोरम ऑफ ऑर्डनेंस एम्प्लॉइज (यूएफओई) ने कैबिनेट सचिव और प्रमुख मंत्रालयों के वरिष्ठ सचिवों से औपचारिक रूप से संपर्क करके सरकार पर दबाव बढ़ा दिया है। यूएफओई ने आयुध कारखानों के सात रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (डीपीएसयू) में निगमीकरण के बाद लगभग 59,000 रक्षा नागरिक कर्मचारियों के सेवा दर्जे की सुरक्षा की मांग की है। यूएफओई, जो नवगठित डीपीएसयू में अनिवार्य समायोजन का विरोध कर रहा है, ने मांग की है कि कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता में गठित सचिवों की प्रस्तावित समिति एक सरकारी अधिसूचना जारी करने की सिफारिश करे। इसमें कर्मचारियों को उनकी सेवानिवृत्ति तक प्रतिनियुक्ति पर केंद्रीय सरकारी कर्मचारी के रूप में बने रहने की अनुमति दी जाए। सात डीपीएसयू के सीएमडी द्वारा आयोजित अवशोषण पैकेज पर बैठकों का संयुक्त मंच द्वारा सामूहिक बहिष्कार करने के फैसले से हितधारक परामर्श प्रक्रिया कथित तौर पर बाधित हो गई।

यूएफओई के अनुसार, आईओएफएस अधिकारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले संघों सहित सभी संघों द्वारा पूर्ण बहिष्कार के कारण रक्षा मंत्रालय को शेष तीन परामर्श बैठकें रद्द करनी पड़ीं। यूएफओई का कहना है कि यह अस्वीकृति डीपीएसयू में अवशोषण के खिलाफ कर्मचारियों के स्पष्ट जनादेश को दर्शाती है। कैबिनेट सचिव और संबंधित सचिवों को लिखे अपने पत्र में यूएफओई ने चार प्रमुख बिंदुओं पर प्रकाश डाला है।

सूचना

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर बिल्डिंग 2/बी एसआरए सहकारी गृहनिर्माण संस्था लिमिटेड के सदस्य श्री शंकर मलप्पा प्रसनायक, जिनका पता बिल्डिंग नं. 2/बी, कक्ष नं. 605, 6वीं मंजिल, एसआरए बिल्डिंग, भारतरत्न बाबासाहेब आंबेडकर बिल्डिंग 2/बी एसआरए को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, गवर्नमेंट कॉलोनी बिल्डिंग 7/8 के पास, खेरवाड़ी, बांद्रा (पूर्व), मुंबई, महाराष्ट्र 400051 है तथा जो संस्था की इमारत में फ्लैट/टेनमेंट नं. 605 के धारक थे, का 25 मार्च 2012 को बिना कोई नामांकन किए निधन हो गया.

अतः संस्था एतद्द्वारा संस्था की पूंजी/संपत्ति में उक्त मृत सदस्य के उक्त शेयरों एवं हितों के हस्तांतरण के संबंध में उसके उत्तराधिकारी/उत्तराधिकारियों अथवा अन्य दावेदार/आपत्तिकर्ता से, इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 15 दिनों की अवधि के भीतर, संस्था की पूंजी/संपत्ति में मृतक सदस्य के शेयर्स और हितों के हस्तांतरण हेतु अपने-अपने दावे/आपत्तियों के समर्थन में संबंधित दस्तावेजों एवं अन्य प्रमाणों की प्रतियों सहित दावे/आपत्तियां आमंत्रित करती है. यदि उपर्युक्त निर्धारित अवधि के भीतर कोई दावे/आपत्तियां प्राप्त नहीं होती हैं, तो संस्था को संस्था के उपविधियों में प्रावधानित तरीके से मृत सदस्य के पूंजी या संपत्ति में उसके शेयरों एवं हितों के संबंध में आगे की कार्यवाही करने की स्वतंत्रता होगी. संस्था को प्राप्त होने वाले दावे/आपत्तियां, यदि कोई हों, मृत सदस्य के पूंजी/संपत्ति में उसके शेयरों एवं हितों के हस्तांतरण के संबंध में, संस्था के उपविधियों में प्रावधानित तरीके से निपटाई जाएंगी. संस्था के पंजीकृत उपविधियों की एक प्रति, इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से इसकी अवधि की समाप्ति तक, शाम 7 बजे से रात 9 बजे के बीच, संस्था के कार्यालय/संस्था के सचिव के पास दावेदारों/आपत्तिकर्ताओं के निरीक्षण हेतु उपलब्ध रहेगी.

के लिए एवं उनकी ओर से

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर बिल्डिंग 2/बी एसआरए को-ऑप. हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड की ओर से

हस्ता./-

मानद सचिव

स्थानः मुंबई

तारीखः 24.12.2025

MAHATRANSCO
Maharashtra State Electricity Transmission Co. Ltd.

E TENDER NOTICE

MSETCL invites online bids (E Tender) from registered contractors / agencies on Mahatransco E-Tendering website **https://srmetender.mahatransco.in** for following works.

Tender no:- EE/EHV/PD-1/PN/T/T-10/2025-26 RFX No. 7000038422 **Work :-** Engaging Skilled / Semi Skilled / Unskilled Non Technical & Technical Manpower on Outsourcing Basis at EHV Projects Division 1, Pune under Maharashtra State Electricity Transmission Company Limited. **Tender Amount :-** Rs.88,33,478/-, **EMD:-** Rs.88,335/- **Tender Fees:-** Rs.500/- + GST. **Download of tender documents:-** from dt. 24.12.2025 @ 00:00 hrs to dt.08.01.2026 upto 23:59:59 hrs. **Bid Opening :-** Dt. 09.01.2026 after 11:00 hrs (Tech Bid) dt. 12.01.2026 after 11:00 hrs (Price Bid) For further details visit our website **https://srmetender.mahatransco.in** and open **above RFX** for downloading tender document, schedules, and annexures.

Sd/-

Executive Engineer,
EHV Project Division – I Pune

सार्वजनिक सूचना

एतद्द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि **बागेश्री को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड,** एक सहकारी गृहनिर्माण सोसाइटी जो महाराष्ट्र सहकारी सोसाइटी अधिनियम 1960 के अंतर्गत पंजीकृत है, और पंजीकरण संख्या बी.ओ.एम./एच.एस.जी./896 सन् 1965 दिनांक 03.03.1965 धारण करती है, जिसका पंजीकृत कार्यालय प्लॉट नं. 75 व 76, टी.पी.एस. 6, रोड नं. 3, सांताक्रूज (पश्चिम), मुंबई - 400 054 पर है (इसके पश्चात **"उक्त सोसाइटी"** के रूप में संदर्भित), नीचे अनुसूची में वर्णित संपत्ति के संबंध में स्वामी है और अधिकार, स्वामित्व और हित रखती है तथा उक्त संपत्ति के संबंध में स्वामित्व की जांच करती है.

उक्त सोसाइटी उक्त संपत्ति की पूर्ण और निरपेक्ष स्वामी बन गई है. मुझे आगे सूचित किया गया है कि सोसाइटी के रिकॉर्ड के अनुसार निम्नलिखित नीचे तालिका में उल्लिखित वर्तमान सदस्य हैं:-

अ. क्र.	फ्लैट नं.	नाम	पुराना कारपेट एरिया	शेयर प्रमाणपत्र सं.	विशिष्ट सं.
1	01	श्रीमती शालिनी राजाराम अमोनकर	641	45	1261 से 1320
2	02	श्री शंताराम रामचंद्र चव्हाण	423	29	1321 से 1380
3	03	अ) श्री शैलेश श्रीधर पाटकर, ब) श्री संजय श्रीधर पाटकर	547	25	1441 से 1500
4	04	श्रीमती गीताबेन जीवनलाल मकवाना	519	18	1021 से 1080
5	05	अ) श्रीमती वलीबेन नारन पटेल, ब) श्री नारन भाना पटेल	525	34	1081 से 1140
6	06	अ) श्री नारन भाना पटेल, ब) श्रीमती वलीबेन नारन पटेल	544	42	541 से 600
7	07	कुमारी मीता सुरेश कोरगांवकर	653	21	1201 से 1260
8	08	श्री चंपालाल पकाजी मेदतिया	425	06	301 से 360
9	09	श्री शांताराम मोरोपंत बडकर	531	12	661 से 720
10	10	श्री गजानन शांताराम रांगणेकर	549	11	601 से 660
11	11	अ) श्रीमती वलीबेन नारन पटेल, ब) श्री नारन भाना पटेल	544	44	481 से 540
12	12	अ) श्रीमती रीमा शैलेश पाटकर, ब) श्री शैलेश श्रीधर पाटकर	545	32	781 से 840
13	13	अ) श्री हेमंत जयरामदास भाटिया, ब) श्रीमती प्रिया हेमंत भाटिया	527	08	421 से 480
14	14	अ) श्री करनमल शंकरलाल वया, ब) श्रीमती रूपादेवी करनमल वया	551	31	361 से 420
15	15	अ) श्री सतीश अप्पी प्रभु, ब) श्री अनिल अप्पी प्रभु, क) श्री प्रकाश अप्पी प्रभु	444	20	1141 से 1200
16	16	श्री विश्वनाथ वेंकटेश भट	625	30	1381 से 1440
17	17	अ) श्री नारन धरमशी वाविया, ब) श्रीमती जयश्री नारन वाविया	539	40	241 से 300
18	18	अ) श्री अमूलकुमार करनमल वया, ब) श्री करनमल शंकरलाल वया, क) श्रीमती रूपादेवी करनमल वया	555	43	121 से 180
19	19	अ) श्रीमती दक्षा महेंद्र छेडा, ब) श्री महेंद्र शामजी छेडा	552	27 व 28	181 से 185 व 186 से 240
20	20	श्रीमती सुवर्णा शशिकांत भट्ट	539	37	841 से 900
21	21	श्री सुभाष रामचंद्र परूळकर	540	35	901 से 960
22	22	श्री मदन नारायण हेगडे	555	41	01 से 60
23	23	अ) श्री शांतिलाल मनोहरलाल मेहता, ब) श्रीमती लीला शांतिलाल मेहता	371	39	61 से 120
24	24	श्री गौरव शांतिलाल मेहता	331	13	721 से 780
25	25	श्रीमती रूपा आशिष बडकर	359	46	961 से 1020

मुझे आगे सूचित किया गया है कि उक्त सोसाइटी ने उक्त संपत्ति के संबंध में और/या उक्त संपत्ति पर वर्तमान में खड़ी इमारत में परिसरों के संबंध में और उक्त सोसाइटी के प्रत्येक उक्त वर्तमान सदस्य के संबंधित कक्ष के अधिभोग में कोई बंधक, धारणाधिकार, प्रभार और/या कोई अन्य भार/भार और/या कोई अन्य तृतीय पक्ष अधिकार निर्मित नहीं किया है।

दिनांक 10.09.1966 के बंधक विलेख के द्वारा और उसके अंतर्गत, जो मुंबई में आश्वासन के उप-पंजीयक के यहां क्रम संख्या 377 सन् 1966 के अंतर्गत, दिनांक 10.09.1966 को पुस्तक संख्या 1 में पंजीकृत हुआ, जो यहां सोसाइटी (जिसे उसमें "बंधककर्ता" के रूप में संदर्भित किया गया है) एक पक्ष का और महाराष्ट्र राज्य सहकारी गृहनिर्माण वित्त निगम लिमिटेड (जिसे उसमें "बंधकग्रहीता" के रूप में संदर्भित किया गया है) दूसरे पक्ष का, के बीच निर्मित और संपन्न किया गया था, जिसमें उपर्युक्त बंधकग्रहीताओं से ऋण प्राप्त किया था और उक्त संपत्ति को मूल्य और प्रतिफल के लिए बंधकग्रहीताओं के पास संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में रखा था, उसमें उल्लिखित नियमों और शर्तों पर।

दिनांक 01.12.2008 के पुनः-हस्तांतरण विलेख के द्वारा और उसके अंतर्गत, जो मुंबई में आश्वासन के उप-पंजीयक के यहां क्रम संख्या 10773 सन् 2008 के अंतर्गत पंजीकृत हुआ, जो महाराष्ट्र राज्य सहकारी गृहनिर्माण वित्त निगम लिमिटेड (जिसे उसमें "बंधकग्रहीता" के रूप में संदर्भित किया गया है) एक पक्ष का और यहां सोसाइटी (जिसे उसमें "बंधककर्ता" के रूप में संदर्भित किया गया है) दूसरे पक्ष का, के बीच निर्मित और संपन्न किया गया था, जिसमें उपर्युक्त दिनांक 10.09.1966 के बंधक विलेख के अंतर्गत प्रतिफल की चुकौती पर, उक्त बंधकग्रहीताओं ने, महाराष्ट्र राज्य सहकारी गृहनिर्माण वित्त निगम लिमिटेड ने उक्त संपत्ति को यहां सोसाइटी को मूल्य और प्रतिफल के लिए, उसमें विशेष रूप से उल्लिखित नियमों और शर्तों पर पुनः-हस्तांतरित किया था।

मेरे मुवक्किल ने मूल रूप से **नविश रियल्टी** को विकास अधिकार प्रदान करने के लिए, सहमति व्यक्त की है, और तदनुसार मैं आवश्यक शीर्षक स्वामित्व प्रमाणपत्र जारी करने के लिए उक्त भूमि के संबंध में और साथ ही व्यक्तिगत सदस्यों के संबंधित शीर्षक स्वामित्व की जांच कर रहा हूं। यदि कोई व्यक्ति, कंपनी, फर्म, व्यक्तियों का संघ, सार्वजनिक या निजी ट्रस्ट, या व्यक्ति या व्यक्तियों का कोई संघ या कोई अन्य संस्था जो यहां स्पष्ट रूप से दर्ज किए गए के अलावा उक्त संपत्ति में या उसके किसी भाग में या उस पर, विक्रय, विनिमय, समनुदेशन, दान, बंधक, न्यास, उत्तराधिकार, कब्जा, वसीयत, भरण-पोषण, धारणाधिकार, विरासत, पट्टा, किरायेदारी, लाइसेंस, लिस पेंडेंस, कस्टोडिया लेजिस, सुखाधिकार या अन्यथा, या किसी अन्य अधिकार या किसी अन्य हित के माध्यम से कोई अधिकार, स्वामित्व, हित और/या दावा रखता है और/या दावा करता है, तो ऐसे सभी व्यक्ति जिनके दावे या हित की प्रकृति के साथ-साथ उसी की पहचान करने के लिए पर्याप्त अन्य विवरण और ऐसे दावे या हित के समर्थन में प्रासंगिक दस्तावेजों की प्रतियां, यदि कोई हो, हमारे कार्यालय में **फ्लैट नं. 16, तीसरा तल, तांबे बिल्डिंग, डॉ. आंबेडकर रोड, माटुंगा सेंट्रल, मुंबई - 400019** पर इस सूचना के प्रथम प्रकाशन से **14 दिनों की अवधि के भीतर** लिखित में दर्ज की जानी चाहिए, यदि उपर्युक्त अवधि के भीतर ऐसी कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है, तो यह माना जाएगा कि यहां दर्ज तथ्यों के आधार पर उक्त संपत्ति के लिए उक्त सोसाइटी का शीर्षक स्वामित्व स्पष्ट, विपणन योग्य और सभी भारों से मुक्त है या किसी भी स्थिति में, दावों के धारक/धारकों ने, यदि कोई हैं, उसे/उन्हें त्याग दिया है। ऐसी स्थिति में, मैं सोसाइटी को आवश्यक शीर्षक स्वामित्व प्रमाणपत्र जारी करूंगा और ऐसे दावे/दावों, यदि कोई हो, जो उक्त अवधि के बाद उठाए जा सकते हैं, के संज्ञान में किसी भी तरीके से लेने के लिए किसी भी तरह से उत्तरदायी नहीं रहूंगा।

उपर्युक्त संदर्भित अनुसूची:

(उक्त संपत्ति)

वह समस्त भूमि का टुकड़ा या पार्सल जो मूल रूप से सी.टी.एस. नं. 1636 व 1637, अंतिम प्लॉट नं. 75 और 76, सांताक्रूज टाउन प्लानिंग स्कीम नं. VI, क्षेत्रफल 1301 वर्ग मीटर या लगभग, गांव - विले पार्ले पश्चिम, तालुका - विले पार्ले, मुंबई उपनगरीय जिला के उप पंजीकरण जिले के पंजीकरण जिले में स्थित है, अंतिम प्लॉट नं. 75 व 76, टी.पी.एस. रोड नं. 6, सांताक्रूज पश्चिम, मुंबई - 400 054 पर स्थित है, उस पर खड़ी इमारत के साथ जो बागेश्री को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड के नाम से जानी जाती है, जिसमें दो इमारतें हैं, इमारत नं. 1 जिसमें भूतल सहित 2 ऊपरी मंजिलें शामिल हैं, जिसमें 12 परिसर हैं और इमारत नं. 2 जिसमें 13 परिसर हैं, कुल मिलाकर 25 परिसर हैं, जो प्लॉट नं. 75 व 76, टी.पी.एस. 6, रोड नं. 3, सांताक्रूज पश्चिम, मुंबई - 400 054 पर स्थित है और निम्नानुसार सीमांकित है:-

पश्चिम में या की ओर : अंतिम प्लॉट नं. 74
पूर्व में या की ओर : अंतिम प्लॉट नं. 77
उत्तर में या की ओर : अंतिम प्लॉट नं. 73
दक्षिण में या की ओर : सार्वजनिक सड़क

हस्ता/-
पूर्वा झवेरी
उच्च न्यायालय की अधिवक्ता

स्थानः मुंबई
दिनांकः 25.12.2025

कैसे सेलिब्रेट करते हैं क्रिसमस

क्रिसमस त्योहार से जुड़ें हैं सांता क्लॉज, जिंगल बेल, क्रिसमस ट्री, क्रिसमस कार्ड, अस्तबल की झांकी, रिंगिंग बेल्स, मोमबत्ती, स्पेशल प्रार्थना, गिफ्ट, स्वादिष्ट पकवान आदि कई बाते हैं जो क्रिसमस को शानदार बनाती है। आओ जानते हैं कि किस तरह करें क्रिसमस को सेलिब्रेट।

- क्रिसमस को लेकर ईसाई समुदाय में कई दिन पहले से ही तैयारी शुरू हो जाती है।
- घरों को लाइट और स्टार से सजाया जाता है।
- घरों में साफ-सफाई के साथ रंग-रोगन का कार्य किया जाता है।
- बच्चे सांता क्लॉज के स्वागत की तैयारी करते हैं।
- स्टार, बैलून, सेंटा क्लॉज आदि से क्रिसमस ट्री को आकर्षक बनाया जाता है।
- नए कपड़े खरीदे जाते हैं।
- घरों में क्रिसमस के पकवान बनाने के लिए सामग्री लाई जाती है।
- रम केक, जिंजर वाइन, डोनल्ड, सलोनी, मीठा, नमकीन सहित तरह-तरह के पकवान रोजाना रसोई घर में बनते हैं।
- चर्च में रंग रोगन के साथ ही सुंदर लाइटिंग की जाती है।
- चर्च में बड़े से क्रिसमस ट्री के साथ ही झांकियों का निर्माण करने के लिए साजो सामान एकत्रित किए जाते हैं।
- इस दिन नए वस्त्र में या झांकियां आदि बनाने में लाल और हरे रंग का अत्यधिक उपयोग होता है।
- कैसे सेलिब्रेट करते हैं क्रिसमस ।
- सुबह जल्दी उठकर घर को सजाने के बाद मेहमानों के स्वागत की तैयारी करते हैं।
- तरह तरह के स्वादिष्ट पकवान बनाकर खाए जाते हैं।
- स्मोक्ड टर्की, फ्रुअ केक, विगिल्ला, जेली पुडिंग, टुररॉन आदि पकावान बनाते हैं।
- क्रिसमस पर हर देश में अलग परम्परागत भोजन भी बनता है।
- कुछ लोग दूध और कुकीज के रुप में सैंटा के लिये भोजन रखते हैं।
- सैंटा क्लॉज की टोपी पहनकर चर्च जाते हैं। चर्च में विशेष प्रार्थना करते हैं।
- इस दिन लोग चर्च जाते हैं और क्रिसमस कैरोल (धार्मिक गीत) गाते हैं।
- मोमबत्तियां जलाकर प्रभु यीशु की भक्ति करते हैं।
- एक दूसरे को क्रिसमस कार्ड और गिफ्ट देते हैं।
- क्रिसमस के दिन घंटी को बजाने का भी रिवाज है जिसे रिंगिंग बेल कते हैं।
- क्रिसमय के लिए कई जगहों पर कम से कम 10 दिन की छुट्टियां मिलती है।
- इस दौरान लोग या तो अपने पैत्रक घर, नाना नानी या दादा दादी के घर जाकर क्रिसमय मनाते हैं।
- कुछ लोग समुद्र के तट पर जाकर क्रिसमस का आनंद लेते हैं।
- पूरी दुनिया में क्रिसमस के रूप में बड़ी धूम-धाम से मनाया जाता

क्रिसमस पर रिंगिंग बेल्स बजाने का क्या है महत्व?

ईसा मसीह के जन्मदिन क्रिसमस उत्सव के दौरान सांता क्लॉज, जिंगल बेल, क्रिसमस ट्री, क्रिसमस कार्ड, अस्तबल की झांकी, रिंगिंग बेल्स, मोमबत्ती, स्पेशल प्रार्थना, गिफ्ट, स्वादिष्ट पकवान आदि कई बाते हैं इस त्योहार की परंपरा का हिस्सा है। इसमें से एक है रिंगिंग बेल्स। आओ जानते हैं कि क्रिसमस पर क्यों बजाई जाती है रिंगिंग बेल्स।

परंपरा

गिरजाघरों में पारंपरिक तरीके से ईसा मसीह के लिए गाए जा रहे भक्ति गीत के अलावा 'जिंगल बेल्स', 'ओह होली नाइट' और 'सैंटा क्लॉज इज कमिंग टु टाउन' सरीखे गीतों से माहौल खुशनुमा हो जाता है। इसी बीच रिंगिंग बेल्स बजाने की परंपरा भी कई देशों में हैं। क्रिसमय पर गिरजाघरों या घरों में क्रिसमस ट्री सजाया जाता है, भक्ति गीतों के साथ जिंगल का गाना भी बजाया जाता है। लोग एक-दूसरे को कार्ड और गिफ्ट देते हैं। इसके अलावा घंटियां भी बजाते हैं, जिसे रिंगिंग बेल्स कहते हैं। आओ जानते हैं कि इसे बजाने के पीछे क्या है मान्यता।

रिंगिंग बेल्स:-

- क्रिसमस के दिन घंटी को बजाने का भी रिवाज है जिसे रिंगिंग बेल कते हैं।
- यह बेल सर्दियों में सूर्य के लिए भी बजाई जाती है और खुशियों के लिए भी।
- मान्यता है कि घर को घंटियों से सजाने से नकारात्मक ऊर्जा दूर हो जाती है।
- सैंटा क्लॉज का स्वरूप सफेद लंबी दाढ़ी, सफेद बार्डर वाले लाल रंग के कपड़े और सफेद बार्डर वाली सिर पर लंबी टोपी पहने बूढ़े बाबा जैसा है।
- मान्यता अनुसार सैंटा क्रिसमस के दिन सीधा स्वर्ग से धरती पर आते हैं और वे बच्चों के लिए टॉफियां, चॉकलेट, फल, खिलौने व अन्य उपहार बांटकर वापस स्वर्ग में चले जाते हैं।
- परंपरा से बच्चे सैंटा को 'क्रिसमस फादर' भी कहते हैं।
- आपने देखा होगा कि उनके हाथ में एक घंटी भी होती हैं जिसे वे बजाकर बच्चों को खुश करते हैं।
- सैंटा क्लॉज और जिंगल बेल के बगैर अब क्रिसमस पर्व की कल्पना नहीं की जा सकती।
- अब तो सैंटा क्लॉज के हाथों भी भी उपहार के साथ एक बेल (घंटी) नजर आती है।

ईसा मसीह के जन्म के रहस्य

ईसा मसीह को इब्रानी में येशु, यीशु या येशुआ कहते थे, परंतु अंग्रेजी उच्चारण में यह जेशुआ हो गया। यही जेशुआ बिगड़कर जीसस हो गया। प्रभु यीशु यानी ईसा मसीह के जन्मदिन को क्रिसमस के रूप में मनाया जाता है। यह पर्व हर वर्ष 25 दिसंबर को मनाया जाता है। इस दिन ईसाई समाज के लोग चर्च में एकत्रित होकर यीशु के जन्म का उत्सव मनाते हैं और विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन करते हैं। आओ जानते हैं ईसा मसीह के जन्म के संदर्भ में प्रचलित धारणाओं के बारे में।

ईसा मसीह का जन्म समय

परंपरा से ईसा मसीह का जन्म समय 25 दिसंबर सन् 6 ईसा पूर्व माना जाता है। इसीलिए हर वर्ष 25 दिसंबर को क्रिसमस मनाया जाता है। हालांकि बाइबल में ईसा के जन्म का कोई दिन नहीं बताया गया है। न्यू कैथोलिक इनसाइक्लोपीडिया और इनसाइक्लोपीडिया ऑफ अरली क्रिश्चियानिटी में भी इसका कोई जिक्र नहीं मिलता है।
बाइबल में यीशु मसीह के जन्म की कोई निश्चित तारीख नहीं दी गयी है। यीशु का जन्म कब हुआ, इसे लेकर एकराय नहीं है।

ईसा मसीह का जन्म स्थान

ईसा के जन्म के कुछ ही समय पहले सम्राट ऑगस्टस ने यह आदेश जारी किया कि उसके राज्य के सभी लोग अपना अपना नाम दर्ज कराएं। ईसा के माता पिता भी अपना नाम दर्ज कराने ही जा रहे थे कि रास्ते में ईसा का जन्म हुआ। मतलब यह कि ईसा के माता पिता नाजरथ से येरुशलम जा रहे थे तो रास्ते में बेथलेहम में एक जगह में उनका जन्म हुआ। बेथलेहम इजराइल के यरुशलम से 10 किलोमीटर दक्षिण में स्थित एक फिलिस्तीनी शहर है।

माता पिता :

कहते हैं जब यीशु का जन्म हुआ तब मरियम कुंआरी थीं। मरियम योसेफ नामक बढ़ई की धर्म पत्नी थीं। जिस वक्त ईसा मसीह का जन्म हुआ उस वक्त परियों ने वहां आकर उन्हें मसीहा कहा और ग्वालों का एक दल उनकी प्रार्थना करने पहुंचा। यह भी कहा जाता है कि मरियम को यीशु के जन्म के पहले एक दिन स्वर्गदूत गाब्रिएल ने दर्शन देकर कहा था कि धन्य हैं आप स्त्रियों में, क्योंकि आप ईश्वर पुत्र की माता बनने के लिए चुनी गई हैं। यह सुनकर मदर मरियम चकित रह गई थीं। कहते हैं कि इसके बाद सम्राट ऑगस्टस के आदेश से राज्य में जनगणना प्रारंभ हुई जो सभी लोग येरुशलम में अपना नाम दर्ज कराने जा रहे थे। यीशु के माता पिता भी नाजरथ से वहां जा रहे थे परंतु बीच बेथलेहम में ही माता मरियम ने एक बालक को जन्म दिया।
ईसाई धर्मपुस्तक के अनुसार माता मरियम गलीलिया प्रांत के नाजरथ गांव की रहने वाली थी और उनकी सगाई दाऊद के राजवंशी युसुफ नामक बढ़ई से हुई थी। कहते हैं कि विवाह के पूर्व ही वह परमेश्वर के प्रभाव से गर्भवती हो गई थीं। परमेश्वर के संकेत के चलते युसुफ या योसेफ ने उन्हें अपनी पत्नी स्वीकार कर लिया। विवाह के बाद युसुफ गलीलिया प्रांत छोड़कर यहूदी प्रांत के बेथलेहम नामक गांव में आकर रहने लगे और वहीं पर ईसा मसीह का जन्म हुआ।

सीताफल की पत्तियों में छिपा है सेहत का खजाना

सीताफल, जिसे अंग्रेजी में "Custard Apple" कहा जाता है, भारतीय उपमहाद्वीप का प्रसिद्ध फल है। इसे खाने के अलावा, इसकी पत्तियों को भी आयुर्वेदिक उपचार में सदियों से प्रयोग किया जा रहा है।सीताफल के पत्ते बहुत ही पौष्टिक होते हैं। सीताफल के पत्तों में विटामिन A, विटामिन C, कैल्शियम, आयरन जैसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं जो स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायक होता हैं। सीताफल के पत्तों का सेवन खाने के रूप में या चाय के रूप में किया जाता है। इससे शरीर को कई पोषक तत्व मिलते हैं और स्वास्थ्य लाभ मिलता है।आइए जानते हैं सीताफल के पतों का फायदा ...

डायरिया में

डायरिया की समस्या में सीताफल के पत्ते बहुत लाभदायक हो सकते हैं। सीताफल के पत्तों में टैनिन नामक एंटी-ऑक्सीडेंट पाया जाता है जो पेट की समस्याओं में लाभदायक होता है। यह पेट को शांत करता है और डायरिया को कम करने में मदद करता है। इसमें मौजूद फाइबर पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है और डायरिया को रोकने में मदद करता है। सीताफल के पत्तों में एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं जो आंतों में संक्रमण को रोकते हैं और डायरिया की समस्या को कम करते हैं। इसके पत्तों का जूस पीने से शरीर को हाइड्रेटेड रखने में मदद मिलती है जो डायरिया में महत्वपूर्ण होता है।

त्वचा के लिए

सीताफल के पत्तों का उपयोग त्वचा की कई समस्याओं के लिए किया जाता है। इसमें विटामिन C और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो स्किन को हेल्दी और ग्लोइंग बनाते हैं। ये त्वचा के लिए नरिशिंग भी काम करते हैं।इसके पत्तों में एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं जो मुहांसों, दाद और अन्य समस्याओं को दूर करने में मदद करता है। इसके पत्तों का पेस्ट बनाकर लगाने से त्वचा की गंदगी साफ होती है और त्वचा मुलायम और कोमल बनती है।

कैंसर से सुरक्षा

कुछ अध्ययनों में पाया गया है कि सीताफल की पत्तियों में कैंसर को रोकने की क्षमता हो सकती है। सीताफल के पत्तों में पाए जाने वाले फाइटोकेमिकल्स एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों के कारण कैंसर कोशिकाओं के विकास को रोकते हैं। इसमें पाए जाने वाले विटामिन C और विटामिन A कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करने में मदद करते हैं। सीताफल के पत्ते शरीर की डिटॉक्सिफाइंग क्षमता को बढ़ाते हैं जो कैंसरकारी तत्वों को शरीर से बाहर निकालने में मदद करती है।

डायबिटीज पर नियंत्रण

सीताफल के पत्ते डायबिटीज यानी मधुमेह पर नियंत्रण रखने में मददगार होता है। सीताफल के पत्तों में मौजूद फाइबर रक्त शर्करा स्तर को स्थिर रखने में मदद करता है।इसमें पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट्स इन्सुलिन की संवेदनशीलता को बढ़ाते हैं जो रक्त शर्करा के स्तर को कम करने में मदद करता है।

सर्दियों में छुहारा खाने के फायदे

सर्दियों में ड्राई फ्रूट्स खाने की अक्सर सलाह दी जाती है। ताकि स्वास्थ्य से जुड़ी कोई भी समस्या न हो। जिन लोगों को बार-बार सर्दी-जुकाम की समस्या होती है उन्हें रोजाना ड्राई फ्रूट्स खाने की सलाह दी जाती है। लेकिन ऐसे लोगों के लिए खास सलाह यह है कि फ्राइड छुहारा पकाकर खाने से शरीर को गर्मी मिलती है। जिससे कई सारी समस्याओं से निजात मिल जाता है। साथ ही जिन लोगों को टॉयलेट से जुड़ी परेशानी होती उन्हें भी सर्दियों में छुहारा पकाकर खाना चाहिए.

शरीर को मिलेंगे ये 6 विटामिन:
पका हुआ छुहारा खाने से शरीर को विटामिन बी-6 मिलती है। इसके अलावा इसमें विटामिन सी, विटामिन बी 1, बी 2, राइबोफ्लेविन, निकोटिनिक एसिड और विटामिन ए भी शामिल है। यह सभी विटामिन सेहत के लिए बहुत ज्यादा फायदेमंद होता है। शरीर में इस विटामिन खून की कमी को पूरा करती है।

ब्रेन के लिए होता है अच्छा:
छुहारा पकाककर खाने से शरीर में इंटरल्यूकिन मिलता है। जिससे सूजन संबंधी साइकोकिन्स की कमी होती है। जो ब्रेन के लिए बेहद खतरनाक होता है। नर्वस सिस्टम को यह काफी ज्यादा तेज करता है।

सर्दी जुकाम में फायदेमंद:
सर्दी-जुकाम में छुहारा पकाकर खाने से शरीर को काफी ज्यादा फायदा मिलता है। शरीर को गर्म रखने के साथ-साथ कफ को भी शरीर से बाहर निकालने का काम करता है। इसके अलावा कंजेशन को भी कम करता है। फेफड़ों में फंसे कफ को भी बाहर निकालने का काम करता है। छुहारा में एंटी इंफ्लेमेटरी होती है जो फ्लू के कारण और सिर दर्द की रोकथाम करता है।

सर्दी-जुकाम में है फायदेमंद:
छुहारा पकाकर खाने से सर्दी-जुकाम रहता है दूर। यह शरीर को काफी ज्यादा गर्म रखता है। यह कफ को शरीर से बाहर निकलाने का भी काम करता है।

ठंड लगने के बाद पेट में क्यों होता है दर्द?

सर्दी में ठंडी हवाएं बढ़ती है। जिसकी वजह से पेट से जुड़ी समस्याएं अक्सर बढ़ने लगती है। दरअसल, ये ठंड लगने के कारण होता है। टेंपरेचर का काम होना काफी ज्यादा पेट पर असर डालता है। जिसके कारण डाइजेशन को भी स्लो करता है। इससे पेट के साथ आंत पर भी असर पड़ता है। कई बार ठंड लगने के कारण बैक्टीरियल और वायरल बीमारियों का कारण भी बनता है। यह सब फूड पॉइजनिंग और गैस्ट्रोएंटेराइटिस की बीमारी होने लगती है। इसकी वजह से शरीर में कई तरह के लक्षण दिखाई देने लगते हैं। ठंड लगने के बाद पेट में खराब होने के साथ-साथ दर्द होने लगता है। इन लक्षणों को अक्सर ठंड लगने के साथ कनेक्शन किया जाता है। इन सब के अलावा गैस्ट्रोएंटेराइटिस का खतरा भी बढ़ता है। आज इस आर्टिकल के जरिए जानेंगे ठंड लगने के बाद पेट में होने वाले दर्द और उसके लक्षण।

- ठंड लगने के बाद पेट में गंभीर लक्षण दिखाई देते हैं।
- सबसे पहले पेट में अकड़न और तेज दर्न होना इसके गंभीर लक्षण होते हैं।
- पेट खराब होने के साथ-साथ दर्द की समस्या बनी रहती है
- उल्टी होने की वजह से डिहाइड्रेशन की समस्या से भी जूझना पड़ता है।
- ठंड लगने के बाद पाचन क्रिया भी काफी हद तक प्रभावित होता है। जिसके कारण पेट में लंबे समय तक दर्द होता है।

मांसपेशियों में दर्द

- मतली आना
- फूड प्वाइजनिंग हो सकती है।
- ब्लड में शुगर लेवल इधर-उधर होना
- सिरदर्द और बुखार भी हो सकता है।
- पेट में ठंड लगने के उपचार
- हींग का पानी पिएं
- ठंड लगने के बाद हींग एंटी इंफ्लेमेटरी पानी और पेट के दर्द को कम करने में मदद करता है। इससे पेट में मरोड़ और दर्द होने लगता है। डाइजेशन भी ठीक करता है। सर्दियों में ठंड लगने के बाद पेट में दर्द होने लगता है।
- पेट की सिंकाई करें
- सबसे पहले पेट की सिंकाई करें। इसमें पेट में दर्द और मरोड़ की समस्या से निजात दिलाता है।

दांतों का रंग बताता है आपकी सेहत का हाल

दांतों की चमक ब्यूटी को बढ़ाने में अहम रोल अदा करती है। मुस्कुराते हुए नज़र आने वाले चमचमाते दांत हमारे हेल्दी होने का एक ठोस सबूत है। दरअसल, दांतों की मज़बूती के साथ उसके रंग में आने वाला बदलाव आपकी सेहत को ब्यां करने का आसान तरीका है। केवल दांतों को देखकर इस बात का अंदाज़ा लगाया जा सकता है कि आप किन शारीरिक समस्याओं का शिकार है। किसी व्यक्ति के दांत पीले होते हैं, तो किसी के दांतों का रंग ब्राउन दिखने लगता है। आखिर किस रंग के दांत वाकई सेहतमंद होने की निशानी है। इस लेख में जानते हैं कि आपके दांतों के रंग से कैसे आपकी हेल्थ के बारे में जानकारी मिल सकती है।

हल्के पीले दांत

वे लोग जिनके दांत सफेद या हल्के पीले है। उनकी गिनती स्वस्थ दांतों में की जाती है। वे लोग जो दांतों का ख्याल रखते हैं। इसके अलावा स्मोकिंग, तंबाकू और दांतों सफाई के लिए फ्लोराइड से भरपूर टूथ पेस्ट का प्रयोग करते हैं। तो उससे दांतों का रंग हल्का पीला या सफेद होता है। अगर आपके दांत बिल्कुल सफेद हैं, तो ये फ्लोरोसिस का कारण भी बन सकता है।

ब्राउन दांत

कुछ लोगों के दांत धीरे धीरे ब्राउन होने लगते हैं। वे लोग जिनके दांतों के मध्य गहरे ब्राउन रंग की लकीरें नज़र आने लगती हैं। एसका कारण मेडिसिन होती हैं। मेडिसिन का लगातार सेवन दांतों के रंग को गहरा करने लगता है। इसके अलावा चाय और कॉफी का रोज़ाना सेवन भी ब्राउन दांतों की समस्या को बढ़ा देता है।

ग्रे और ब्लैक दांत

अगर आपने कैविटीज़ को सील करने के लिए दांतों में मेटल की फिलिंग करवाई है, तो उसका असर दांतों के रंग पर भी दिखने लगता है। इससे आपके दांतों में ग्रे या काले रंग के पैच दिखने लगते हैं। जो आपके दांतों के रंग को बदल डालता है।

पीले दांत

टीथ इनेमल में बदलाव आने से दांतों के रंग में परिवर्तन दिखने लगता है। कैफीन इनटेक को बढ़ाने से टैनिन क्रोमोजेन पिगमेंट दांतों के साथ खुद ब खुद चिपकने लगता है। इसका असर दांतों के रंग पर भी दिखने लगता है और दांतों का रंग पीला होने लगता है। इसके अलावा तंबाकू और स्मोकिंग भी दांतों के रंग को पीला करने लगते हैं।

दांतों के लिए इन हर्ब्स का करें इस्तेमाल

दांतों को क्लीन और मज़बूत बनाए रखने के लिए अगर आप नेचुरल तरीके को अपनाना चाहती हैं, तो हर्ब्स सबसे बेहतरीन विकल्प है। आर्टिफीसियल फ्लेवर्स से परे आयुर्वेदिक जड़ीबूटियों के इस्तेमाल से दांत स्ट्रॉन्ग बनते हैं और ओरल हेल्थ भी उचित बनी रहती है। जड़ी बूटियों में मौजूद एंटीसेप्टिक प्रापर्टीज दांतों का ख्याल रखने में मददगार साबित होती है। जानते हैं दांतों की मज़बूती के लिए कौन सी हर्ब्स को करें प्रयोग।

कोहली और रोहित शर्मा की सेंचुरी

दिल्ली ने आंध्र और मुंबई ने सिक्किम को हराया; पंत रहे फ्लॉप

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट फैंस के लिए बुधवार, 24 दिसंबर का दिन खास बन गया है। टीम इंडिया के दो सबसे बड़े सुपरस्टार विराट कोहली और रोहित शर्मा एक बार फिर घरेलू क्रिकेट में खेलते नजर आए। दोनों दिग्गज विजय हजारे ट्रॉफी 2025 में अपनी-अपनी टीमों के लिए मैदान पर उतरे और बल्ले से जलवा बिखेरा है। विराट कोहली दिल्ली की ओर से आंध्र प्रदेश के खिलाफ शतक जड़ा, जबकि रोहित शर्मा ने मुंबई की जर्सी में सिक्किम के खिलाफ तूफानी शतक लगाया।

आपको बता दें कि, विराट कोहली ने विजय हजारे ट्रॉफी में आखिरी बार शतक 2009 में बनाया था। ये मैच हरियाणा के खिलाफ था और विराट ने 124 रनों की पारी खेली थी। उस सीजन विराट ने 4 शतक के दम पर 534 रन बनाए हैं। वहीं ने 7 साल बाद रोहित शर्मा ने विजय हजारे ट्रॉफी में सेंचुरी लगाई है। इस टूर्नामेंट में रोहित शर्मा 7 साल बाद ही खेलने उतरे हैं। गौरतलब हो कि विजय हजारे ट्रॉफी में अपने पहले मैच में भी हिटमैन ने ऐसा ही किया था।

कोहली के शतक से दिल्ली ने आंध्र प्रदेश को हराया

दिल्ली और आंध्र प्रदेश के बीच मुकाबला बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेला गया। जिसे दिल्ली ने विराट कोहली के शतक (131 रन) की बदौलत 4 विकेट से जीत हासिल करने में सफल रही है, इससे पहले आंध्र की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट खोकर 298 रन बनाये जिसके जवाब में दिल्ली ने 6 विकेट खोकर मैच को अपने नाम किया। विराट कोहली ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए शतक पूरा कर 131 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 12 चौके और 3 छक्का देखने को मिला। दिल्ली ने आंध्र प्रदेश के खिलाफ विराट कोहली के शानदार शतक की बदौलत दिल्ली ने 4 विकेट से मुकाबला जीत लिया। गौरतलब हो कि दिल्ली ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। विराट कोहली दिल्ली टीम का हिस्सा हैं, जबकि कप्तानी की जिम्मेदारी ऋषभ पंत संभाल रहे हैं। यह मुकाबला पहले बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में होना था, लेकिन अंतिम समय में वेन्यू बदल दिया गया। कोहली की घरेलू क्रिकेट में मौजूदगी से युवा खिलाड़ियों को काफी प्रेरणा मिल रही है। आंध्र प्रदेश ने 50 ओवर में आठ विकेट गंवाकर 298 रन बनाए। वहीं विराट कोहली ने बुधवार को लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज़ी से 16,000 रन बनाने के मामले में दिग्गज सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया।

रोहित के तूफानी शतक से मुंबई ने सिक्किम को हराया

मुंबई और सिक्किम के बीच मैच जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेला गया। इस मुकाबले में सिक्किम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। सिक्किम ने 50 ओवर में सात विकेट पर 236 रन बनाए। जवाब में मुंबई ने 30.3 ओवर में दो विकेट गंवाकर रोहित शर्मा की धुआंधार पारी की बौदलत लक्ष्य हासिल कर लिया। रोहित शर्मा ने आक्रामक बल्लेबाजी की। उन्होंने 62 गेंद में आठ चौके और आठ छक्के की मदद से शतक लगाया। इसके बाद 91 गेंद में 150 रन पूरे किए। वह 94 गेंद में 18 चौके और नौ छक्कों की मदद से 155 रन बनाकर आउट हुए। अंगकृष रघुवंशी ने 58 गेंद में 38 रन की पारी खेली। वहीं, मुशीर खान 26 गेंद में 27 रन और सरफराज खान पांच गेंद में आठ रन बनाकर नाबाद रहे। 237 रन के टारगेट का पीछा करते हुए मुंबई की तरफ से अंगकृष रघुवंशी और रोहित शर्मा ओपिंग करने आए और पहले विकेट के लिए 141 रन की पार्टनरशिप की।

ईशान किशन ने 33 गेंदों में शतक ठोककर रचा इतिहास

नई दिल्ली। झारखंड के कप्तान ईशान किशन ने बुधवार को विजय हजारे ट्रॉफी में तूफानी शतक जड़कर इतिहास रच दिया। किशन ने कर्नाटक के खिलाफ अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में केवल 33 गेंदों में शतक जमाया।

किशन विजय हजारे ट्रॉफी में सबसे तेज शतक जमाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। विजय हजारे ट्रॉफी इतिहास में सबसे तेज जमाने का रिकॉर्ड बिहार के सकीबुल गनी के नाम दर्ज है, जिन्होंने बुधवार को ही अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ केवल 32 गेंदों में सैकड़ा जमाया। हालांकि, ईशान किशन ने बिहार के ओपनर वैभव सूर्यवंशी का रिकॉर्ड जरूर तोड़ दिया। वैभव ने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 36 गेंदों में शतक जमाया था, जिसे किशन ने पीछे छोड़ दिया।

ईशान किशन की पारी की सोशल मीडिया पर भी जमकर तारीफ हो रही है। यह तारीफ उनके रिकॉर्ड के लिए नहीं, बल्कि उनके मिडिल ऑर्डर में आकर शतक जमाने के लिए हो रही है। झारखंड के लिए किशन नंबर-6 पर बल्लेबाजी करने उतरे और प्रचंड फॉर्म दिखाया।

बाएं हाथ के बल्लेबाज ने केवल 33 गेंदों में सैकड़ा पूरा कर लिया। 27 साल के ईशान किशन ने कर्नाटक के खिलाफ 39 गेंदों में सात चौके और 14 छक्के की मदद से 125 रन बनाए। उनका स्ट्राइक रेट 320.15 का रहा।

ईशान किशन को टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। फैंस मान रहे हैं कि किशन मिडिल ऑर्डर के लिए शानदार विकल्प साबित हो सकते हैं।

बता दें कि झारखंड और कर्नाटक के बीच ग्रुप ए का मुकाबला अहमदाबाद में खेला जा रहा है। कर्नाटक ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। झारखंड ने कप्तान ईशान किशन (125), कुमार कुशाग्र (63) और विराट सिंह (88) की पारियों के दम पर 50 ओवर में 9 विकेट खोकर 412 रन बनाए।

बता दें कि ईशान किशन इस समय शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। हाल ही में उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के फाइनल में भी शतक जमाया था। हरियाणा के खिलाफ किशन ने 49 गेंद का सामना करते हुए 10 छक्के और 6 चौके की मदद से 101 रनों की पारी खेली। वह SMAT के फाइनल में शतक बनाने वाले पहले कप्तान बने। झारखंड ने 69 रन से मुकाबला जीता।

विजय हजारे ट्रॉफी में वैभव सूर्यवंशी ने मचाया तूफान

84 गेंद में खेली 190 रन की आतिशी पारी

नई दिल्ली। विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में एक ऐसा कारनामा देखने को मिला, जिसने भारतीय क्रिकेट फैंस को हैरान कर दिया। महज 14 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने प्लेट ग्रुप के मुकाबले में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ ऐसी बल्लेबाजी की, जिसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा। रांची में खेले गए इस मैच में वैभव ने सिर्फ 84 गेंदों में 190 रन जड़ दिए और बिहार की पारी को विशाल स्कोर की ओर ले गए।

वैभव सूर्यवंशी का बल्ला शुरुआत से ही आग उगलता नजर आया। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश के गेंदबाजों को संभलने का कोई मौका नहीं दिया। मैदान के चारों ओर शॉट्स खेलते हुए वैभव ने चौकों और छक्कों की बरसात कर दी। आउट होने से पहले उन्होंने 16 चौके और 15 लंबे छक्के जड़ दिए। उनकी इस तूफानी पारी की बदौलत बिहार ने यह न्यूज लिखे जाने तक 56 ओवर में 500 से ज्यादा रन बना लिए थे।

यह पारी इसलिए भी खास मानी जा रही है क्योंकि कुछ दिन पहले ही वैभव अंडर-19 एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ कुछ खास नहीं कर सके थे। उस मुकाबले में वह सिर्फ 26 रन बनाकर पवेलियन लौट गए थे। जिसके चलते भारत को 191 रन से करारी हार का सामना करना पड़ा था। उसी मैच के दौरान वैभव की पाकिस्तानी गेंदबाज अली रजा के साथ कहासुनी भी हो गई थी। जिसका वीडियो सोशल मीडिया खूब चर्चा में रहा था। ऐसे में विजय हजारे ट्रॉफी में आई यह पारी वैभव के लिए खुद को साबित करने का बड़ा मौका थी, जिसे उन्होंने दोनों हाथों से भुनाया। मैदान पर उनका आत्मविश्वास देखते ही बन रहा था। हर गेंद पर वह आक्रामक नजर आए और यह साफ दिखा कि वह हालिया निराशा को पीछे छोड़ चुके हैं। 14 साल की उम्र में लिस्ट ए क्रिकेट में इस तरह का प्रदर्शन करना आसान नहीं होता, लेकिन वैभव सूर्यवंशी ने दिखा दिया कि उनमें बड़े मंच का खिलाड़ी बनने की काबिलियत है।

यश दयाल ने बढ़ाई आरसीबी की टेंशन

जयपुर। आईपीएल 2026 से पहले आरसीबी को टीम के ही एक खिलाड़ी की तरफ से झटका लगा है। टीम के स्टार खिलाड़ी की कोर्ट ने अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। स्टार गेंदबाज यश दयाल के ऊपर नाबालिग लड़की के साथ कथित बलात्कार करने का आरोप है। जयपुर की एक पीओसीएसओ अदालत ने अब स्टार गेंदबाज को झटका दे दिया है और अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है, जो आरसीबी के लिए एक तरह से झटका है। जयपुर महानगर न्यायालय की न्यायाधीश अलका बंसल के आदेश के मुताबिक, रिकॉर्ड में मौजूद सबूतों से यह साबित नहीं हुआ है कि यश दयाल को झूठा फंसाया गया है। ऐसे में कोर्ट ने उन्हें अग्रिम जमानत नहीं दी।

बॉक्सिंग-डे टेस्ट के लिए इंग्लैंड की प्लेइंग-11 का एलान

नई दिल्ली। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ECB) ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सीरीज के चौथे टेस्ट मैच के लिए प्लेइंग-11 का बुधवार को एलान किया। ये पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा मैच है जो बॉक्सिंग डे टेस्ट रहेगा, जिसकी शुरुआत 26 दिसंबर 2025 से मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में होनी है। मौजूदा सीरीज में इंग्लैंड की टीम 0-3 से पीछे चल रही है।

इस टेस्ट मैच के लिए बेन स्टोक्स की कप्तानी वाली इंग्लैंड की टीम ने पिछले टेस्ट मैच की प्लेइंग-11 की तुलना में दो बदलाव किए हैं। बॉक्सिंग-डे टेस्ट के लिए दाएं हाथ के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर सीरीज के बाकी मैचों से बाहर हो गए हैं, जबकि ओली पोप भी प्लेइंग-11 से बाहर हैं। दरअसल, बॉक्सिंग-डे टेस्ट के लिए ओली पोप की जगह जैकब बैथेल को चौथे टेस्ट के लिए प्लेइंग-11 में शामिल किया है, जो कि नंबर-3 पर बैटिंग करेंगे। गस एटकिनसन की वापसी हुई है, जिन्होंने तीसरा टेस्ट जो कि एडिलेड में खेला गया था, वह मिस किया। एडकिनसन की जगह इंजर्ड जोफ्रा आर्चर की प्लेइंग-11 में वापसी हुई है।

इंग्लैंड की प्लेइंग-11

जैक क्राउली, बेन डकेट, जैकब बैथेल, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), विल जैक्स, गस एटकिनसन, ब्रायडन कार्से, जोश टंग इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम ने बॉक्सिंग डे टेस्ट के लिए 15 सदस्यीय स्क्वॉड का एलान किया था। कप्तान पैट कमिंस और दिग्गज स्पिनर नाथन लियोन टीम उपलब्ध नहीं हैं।

ऑफ स्पिनर टॉड मर्फी और तेज गेंदबाज रिचर्डसन को स्क्वॉड में जगह मिली है, जो चौथे टेस्ट में खेलते हुए नजर आएंगे। स्टीव स्मिथ पैट कमिंस की गैरमौजूदगी में टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि ऑलराउंडर माइकल नैसर और ब्यू वेबस्टर और ब्रेडन डोगेट ने स्क्वॉड में अपनी जगह बना ली है। एडिलेड टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 82 रन से इंग्लैंड को हराकर सीरीज में 3-0 की अजय बढ़त हासिल की है। कमिंस को मेलबर्न टेस्ट के लिए आराम दिया गया है, क्योंकि वह अभी बैक इंजरी से ठीक होकर लौटे हैं, जबकि कप्तान के आखिरी टेस्ट जो कि 4 जनवरी से सिडनी में खेला जाना है। मेहमान टीम ने एडिलेड ओवल में तीसरे टेस्ट में प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन किया और मैच को पांचवें दिन तक खींचा. हालांकि उन्होंने चौथे दिन का खेल अच्छे नोट पर खत्म किया और जीत की दौड़ में बने रहे, लेकिन ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों, जिन्हें जीतने के लिए चार विकेट चाहिए थे, ने इंग्लैंड को आखिरी दिन आगे बढ़ने का मौका नहीं दिया।

जोफ्रा आर्चर सीरीज से बाहर

हैरी ब्रूक में भी जो रूट जितना ही टैलेंट : रिकी पोंटिंग

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने मौजूदा एशेज सीरीज के दौरान हैरी ब्रूक के खेलने के तरीके की आलोचना की है। उनका कहना है कि ये राइट-हैंडर बैटर अपने जबरदस्त टैलेंट का पूरा फायदा नहीं उठा रहा है। 'द आईसीसी रिव्यू' पर संजना गणेशन से बात करते हुए पोंटिंग ने कहा कि ब्रूक के कुछ आउट होने के तरीके निराशाजनक रहे हैं।

पोंटिंग ने कहा, 'देखिए, मुझे हैरी ब्रूक बहुत पसंद है। वो दुनिया के सबसे अच्छे खिलाड़ियों में से एक है जिसे देखना अच्छा लगता है। लेकिन उसके कुछ आउट होने के तरीकों से, वो खुद को कम आंक रहे हैं कि वो कितने अच्छे हैं। उन्हें कुछ ऐसी चीजें करने की जरूरत नहीं है जो वो कर रहे हैं। उसे पिछले 15 सालों से जो रूट को क्रिकेट खेलते हुए देखने का मौका मिला है और ये जो रूट की कोई बुराई नहीं है, हैरी ब्रूक में भी उतना ही टैलेंट है जितना जो रूट में है।'

एशेज सीरीज में हैरी ब्रूक के आउट होने के तरीके को लेकर काफी आलोचना हुई है. तीसरे टेस्ट की दूसरी पारी में, उन्होंने नाथन लियोन को रिवर्स-स्वीप करने की कोशिश की और बोल्ड हो गए. इस राइट-हैंडर बैट्समैन ने 3 मैचों में 28.83 की औसत से 173 रन बनाए हैं, जिसमें सिर्फ एक फिफ्टी शामिल है। पोंटिंग ने आगे कहा, 'वो हमेशा कहेंगे, 'हम इसी तरह खेलते हैं और हम उन्हें अपना नेचुरल गेम खेलने के लिए एनकरेज करते हैं'।

टेम्बा बावुमा ने अब "बौना" कहे जाने को लेकर तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका की टीम के लिए भारत का दौरा हाल में खत्म हुई 5 मैचों की टी20 सीरीज के साथ खत्म हो गया, जिसमें उन्होंने 2 मैचों की टेस्ट सीरीज में जहां टेम्बा बावुमा की कप्तानी में क्लीन स्वीप करने में कामयाबी हासिल की तो वहीं 3 मैचों की वनडे सीरीज में उन्हें 2-1 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद खेली गई 5 मैचों की टी20 सीरीज में भी अफ्रीकी टीम ने 3-1 से हार का सामना किया। इस दौरान के कुछ ऐसी विवादित टिप्पणियां भी दोनों टीमों की तरफ से देखने को मिली जिसको लेकर पूरे वर्ल्ड क्रिकेट में काफी ज्यादा चर्चा देखने को मिली। इसी में एक टिप्पणी टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह द्वारा अफ्रीकी कप्तान टेम्बा बावुमा को लेकर की गई थी, जिसको लेकर उन्होंने माफी भी मांग ली थी। वहीं अब बुमराह की उस टिप्पणी पर अफ्रीकी कप्तान बावुमा ने बार अपनी चुप्पी को तोड़ा है। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच में 2 मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में खेला गया था। इसी मैच के दौरान जसप्रीत बुमराह ने अपनी

गेंदबाजी में टेम्बा बावुमा के खिलाफ आउट की एक एलबीडब्ल्यू अपील पर उन्होंने उन्हें बौना कहा था, जिसे स्टंप माइक पर साफतौर से सभी ने सुना। इसको लेकर उस समय काफी ज्यादा चर्चा देखने को मिली थी, लेकिन तब बावुमा ने किसी तरह की कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी।

अब बावुमा ने ईएसपीएन क्रिकइंफो के अपने कॉलम में इस पूरी घटना को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है, जिसमें उन्होंने लिखा कि मुझे पता है कि मेरे साथ क्या हुआ था, जिसमें उन्होंने अपनी भाषा में मुझे लेकर कुछ कहा था। हालांकि दिन का खेल खत्म होने के बाद ऋषभ पंत और जसप्रीत बुमराह ने आकर मुझसे इस चीज को लेकर माफी मांग ली थी।

शुभमन गिल को बाहर करना गावस्कर पर श्रीकांत को तरजीह देने जैसा?

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए भारतीय टीम के चयन के बाद विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज और टी20 के उपकप्तान शुभमन गिल को बाहर किए जाने के फैसले ने क्रिकेट जगत में तीखी बहस छेड़ दी है। अब इस पर पूर्व भारतीय बल्लेबाज और भारतीय महिला टीम के पूर्व कोच डब्ल्यूवी रमन ने चयनकर्ताओं को आड़े हाथों लिया है।

अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति ने 15 सदस्यीय टीम में शुभमन गिल को जगह नहीं दी, जबकि वे लंबे समय से टीम का हिस्सा रहे हैं। इस फैसले को लेकर डब्ल्यूवी रमन ने कहा कि गिल को किसी बड़ी गलती या खराब प्रदर्शन के कारण बाहर नहीं किया गया, बल्कि टीम कॉम्बिनेशन की वजह से उन्हें 'बलि का बकरा' बनाया गया। डब्ल्यूवी रमन ने इस फैसले की तुलना करते हुए कहा, 'यह ऐसा ही है जैसे टी20 फॉर्मेट में सुनील गावस्कर के बजाय कृष्णमाचारी श्रीकांत को चुनना। हम सभी जानते हैं कि किसका स्तर क्या है, लेकिन टी20 क्रिकेट में विस्फोटक बल्लेबाजों को प्राथमिकता दी जाती है।' उन्होंने आगे कहा कि आधुनिक टी20 क्रिकेट में आक्रामकता अहम फैक्टर बन चुकी है और गिल की तुलना में कुछ अन्य बल्लेबाज स्वभाविक रूप से ज्यादा आक्रामक हैं। रमन ने यह भी सवाल उठाया कि जब शुभमन गिल को टीम से बाहर ही करना था, तो उन्हें टी20 का उपकप्तान बनाने की जरूरत क्या थी। उनके मुताबिक, टीम में पहले से ही ऐसे कई खिलाड़ी मौजूद थे जो टी20 फॉर्मेट के लिए ज्यादा उपयुक्त थे। हाल ही में इंग्लैंड टेस्ट सीरीज से पहले शुभमन गिल ने अपनी बल्लेबाजी तकनीक में बदलाव करते हुए ज्यादा सीधे बल्ले से खेलना शुरू किया था। हालांकि रमन का मानना है कि इस तकनीकी बदलाव का उनके टी20 प्रदर्शन पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ा।

विजय हजारे में सकीबुल गनी ने जड़ा सबसे तेज शतक

नई दिल्ली। बिहार के कप्तान सकीबुल गनी ने बुधवार को विजय हजारे ट्रॉफी में ऐसा कारनामा किया, जिसने पूरे भारतीय क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। बुधवार को रांची के जेएससीए ओवल ग्राउंड पर अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ खेले गए मुकाबले में सकीबुल गनी ने महज 32 गेंदों में शतक जड़कर इतिहास रच दिया। इसके साथ ही वह विजय हजारे ट्रॉफी के इतिहास में सबसे तेज़ शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज़ बन गए। लेकिन ये पहली बार नहीं है जब सकीबुल गनी का नाम सुर्खियों में है। इससे पहले भी गनी कई इतिहास रच चुके हैं। लेकिन तमाम तूफानी रिकॉर्ड्स के बाद भी गनी को अबतक आईपीएल में मौका नहीं मिल सका है। सकीबुल गनी ने बुधवार को अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ केवल 40 गेंदों में नाबाद 128 रन बनाए। उनकी विस्फोटक पारी में 10 चौके और 12 छक्के शामिल रहे। 26 वर्षीय गनी ने यह रिकॉर्ड बनाकर ईशान किशन का पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया, जिन्होंने इसी टूर्नामेंट में कर्नाटक के खिलाफ 33 गेंदों में शतक लगाया था। गनी की इस तूफानी पारी ने दर्शकों और क्रिकेट विशेषज्ञों को हैरान कर दिया।

गनी का जन्म 2 सितंबर 1999 को बिहार के मोतिहारी में हुआ। उनका क्रिकेट सफर एक स्थानीय क्रिकेट एकेडमी से शुरू हुआ. यहीं उन्होंने अपनी बल्लेबाज़ी और गेंदबाज़ी की बुनियाद मजबूत की। अंडर-19 टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के बाद उन्होंने चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींचा। सकीबुल दाएं हाथ के बल्लेबाज़ होने के साथ मध्यम तेज गेंदबाज़ भी हैं। सकीबुल गनी ने अंडर-19 स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व किया और इसके बाद रणजी ट्रॉफी में उनका नाम तेजी से उभरा। उन्होंने मिजोरम के खिलाफ रणजी ट्रॉफी में डेब्यू करते हुए 341 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली। यह डेब्यू मैच में तिहरा शतक लगाने का अनोखा रिकॉर्ड था। उस पारी में उन्होंने 56 चौके और दो छक्के जड़े, उनकी प्रतिभा पूरे देश के सामने आ गई।

फर्स्ट क्लास डेब्यू पर उच्चतम स्कोर :
341 सकीबुल गनी (2022)
267* अजय रोहेरा (2018)
260 अमोल मजूमदार (1994)
256* बाहिर शाह (2017)
240 एरिक मार्क्स (1920)

भारत के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज के लिए न्यूजीलैंड ने किया टीम का एलान

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने अगले महीने भारत दौरे पर खेली जाने वाली तीन मैचों की वनडे और पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए अपनी टीमों का एलान कर दिया है। इन दोनों टीमों ने दो बड़े खिलाड़ियों को जगह नहीं मिली है जबकि कई खिलाड़ी चोट के कारण चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे। घरेलू क्रिकेट में दमदार खेल दिखाने वाले जेडन लेनॉक्स को टीम में चुना गया है। जेडन को पहली बार टीम में जगह मिली है। वह वनडे टीम में चुने गए हैं। उनके साथ-साथ वनडे टीम में क्रिस्टिन क्लार्क, अदी अशोक, जॉश क्लार्कसन, निक केली और हाल ही में टेस्ट में डेब्यू करने वाले मिचेल रे को भी भी चुना गया है।

दाएं हाथ के तेज गेंदबाज काइल जेमिसन और बाएं हाथ के स्पिनर मिचेल सैंटनर की वापसी हुई है। जेमिसन को वनडे और टी20 दोनों टीमों में जगह मिली है। वहीं सैंटनर को टी20 टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। सैंटनर ग्रोइन की चोट के कारण टीम से बाहर थे। सैंटनर को वनडे टीम में नहीं चुना गया है। उनकी जगह माइकल ब्रेसवेल टीम की कप्तानी करेंगे। इस टीम में उनके पास डेवन कॉन्वे, डेरिल मिचेल, विल यंग और हेनरी निकोलस का अनुभव होगा।

केन विलियमसन को टीम में जगह नहीं मिली है और रचिन रवींद्र भी दोनों टीमों से बाहर ही हैं। विलियमसन एसए20 लीग में खेलेंगे इसी कारण भारत दौरे के लिए वह उपलब्ध नहीं हैं। टेस्ट टीम के कप्तान टॉम लैथम और तेज गेंदबाज मेट हेनरी वनडे सीरीज का हिस्सा नहीं होंगे। लैथम पिता बनने वाले हैं और इसी कारण उनको नहीं चुना गया है। वहीं हेनरी अपनी पिंडली की चोट से उबर रहे हैं।

नाथन स्मिथ, ब्लेयर टिकनर और मार्क चैपमैन को भी चोट के कारण वनडे सीरीज के लिए नहीं चुना गया। वनडे सीरीज में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी मिच हे की होगी। वहीं टी20 में इस जिम्मेदारी को कॉन्वे निभाएंगे। जैकब डफी और रचिन रवींद्र को आराम दिया गया है क्योंकि ये दोनों पूरे क्रिकेट सीजन में टीम का हिस्सा रहे हैं।

कई बड़े खिलाड़ियों को नहीं मिली जगह

किरदार में पूरी तरह खो गए थे Mirzapur के मुन्ना भैया

किरदार में पूरी तरह खो गए थे Mirzapur के मुन्ना भैयाबॉलीवुड इंडस्ट्री के कई एक्टर्स ने इस बात का खुलासा किया है कि वह अपने किरदार में इस कदर खो जाते हैं कि उन्हें असल जिंदगी में आने में महीनों लग जाते हैं. फिल्म पद्मावत की शूटिंग के बाद रणवीर सिंह को खिलजी के रोल से निकलने में महीने लग गए थे और इस बात का खुलासा खुद एक्टर ने किया था, लेकिन अब मिर्जापुर सीरीज से फैंस के बीच मशहूर हुए दिव्येंदु शर्मा यानी मुन्ना भैया ने भी इसी स्थिति से जुड़ा एक खुलासा किया है और उन्होंने बताया है कि कैसे वह एक किरदार में इतना ज्यादा घुस गए थे कि अपनी पत्नी की गर्दन ही पकड़ ली थी. आइए आपको इसके बारे में बताते हैं. मिर्जापुर एक्टर दिव्येंदु शर्मा ने मैशेबल इंडिया से खास बातचीत की, जिसमें उन्होंने अपनी जिंदगी की खराब घटना का खुलासा किया. दिव्येंदु ने बताया कि वह एक बार स्कॉटलैंड में शूट कर रहे थे और वह अपने साथ पत्नी आकांक्षा को भी साथ लेकर गए थे. फिल्म की शूटिंग के बाद जब वह रात को होटल पहुंचे तो दिन में शूट हुआ पूरा सीन एक्टर को दिमाग में था और इसी वजह से उन्होंने रात को सोते हुए पत्नी पर हमला कर दिया. एक्टर ने बताया कि रात को नींद में उन्हें पता नहीं चला कब उन्होंने अपनी पत्नी का गला पकड़ लिया था. इसके बाद एक्टर को उनका ये किरदार काफी ज्यादा परेशान करने लगा था. इस घटना के बाद वह काफी समय तक गिल्ट में रहने लगे. एक्टर ने बताया कि उनकी ये फिल्म पति-पत्नी के रिश्ते पर थी.दिव्येंदु शर्मा के साथ इस इंटरव्यू में राधिका आप्टे भी थीं, जो ओटीटी क्वीन कहा जाता है. राधिका ने इस घटना पर अपनी राय देते हुए कहा कि उन्हें लगता है कि एक्टर्स के साथ ऐसी घटनाएं इसी वजह से होती हैं क्योंकि इंडस्ट्री में लोग आपसे ओवरटाइम करवाते हैं। एक्ट्रेस ने आगे बताया कि इंडस्ट्री में एक्टर्स हो या फिर ईपी... यहां पर लोगों से इतना काम करवाया जाता है कि वह कई बार रातों की नींद तक ठीक से नहीं ले पाते हैं. बता दें कि राधिका आप्टे और दिव्येंदु शर्मा ने साली मोहब्बत और ट्रेन फ्रॉम छपरौला में साथ काम किया था।

काश 60 की उम्र में भी ऐसा ही दिखूं

सलमान खान को भारत का सबसे बड़ा फिटनेस आइकन कहना गलत नहीं होगा। फिटनेस के लिए उनकी मेहनत ने देश में कई लोगों को हेल्दी रहने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने खासकर युवाओं को यह सिखाया है कि फिट रहना सिर्फ़ दिखावे के लिए नहीं, बल्कि ज़िंदगी का हिस्सा होना चाहिए। देश के सबसे चहेते सुपरस्टार्स में शामिल सलमान की फैन फॉलोइंग भी बेहद मज़बूत और वफ़ादार है। अब से सिर्फ़ छह दिन बाद वह एक साल और बड़े होने वाले हैं, लेकिन उनकी सोच और उनकी फिटनेस देखकर उम्र का कोई असर नज़र नहीं आता। जिम से सलमान खान की हालिया पोस्ट साफ़ कहती है कि फिटनेस कोई थोड़े समय का शौक नहीं, बल्कि रोज़ निभाई जाने वाली आदत है।

हाल ही में सलमान खान ने सोशल मीडिया पर जिम की कुछ शानदार तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें उनकी मज़बूत और फिट बॉडी साफ दिखती है। यह उस इंसान की तस्वीर है जिसने समय के साथ खुद को बनाए रखा और कभी उम्र या आँकड़ों को खुद पर हावी नहीं होने दिया। सलमान सिर्फ़ अपनी पीढ़ी के लिए ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी यह दिखा रहे हैं कि 60 की उम्र में भी फिट और मज़बूत कैसे रहा जा सकता है। पोस्ट के साथ उन्होंने लिखा, "काश मैं 60 की उम्र में भी ऐसा ही दिखूँ! सलमान खान की फिल्मों की लाइनअप भी जबरदस्त है, जिसमें उनकी आने वाली और काफी चर्चित वॉर ड्रामा फिल्म, बैटल ऑफ़ गालवान शामिल है, जिसने पहले लुक के सामने आने के बाद से ही इंटरनेट पर खूब चर्चा और दर्शकों में उत्सुकता पैदा कर दी है। दूसरी तरफ कबीर खान के साथ उनकी मुलाकात, खासकर बजरंगी भाईजान 2 के जरिए, उनके पहले के काम की तरह इमोशनल और असरदार कहानी कहने की राह में एक नया मोड़ साबित हो सकती है।

रश्मिका मंदाना स्टारर 'मायसा' की पहली झलक आई सामने

रश्मिका मंदाना की अपकमिंग फिल्म 'मायसा' अपनी घोषणा के वक्त से ही सुर्खियों में है। 'मायसा' भारत की पहली ऐसी पैन-इंडिया फिल्म है, जिसकी अगुवाई एक महिला स्टार कर रही है। जबरदस्त एक्शन और ड्रामा से भरपूर इस फिल्म में रश्मिका मंदाना एक बार फिर जबरदस्त अंदाज में दर्शकों के सामने आ रही हैं। मायसा, जिसमें रश्मिका मंदाना नजर आने वाली हैं, अपनी शुरुआती झलकियों के सामने आने के बाद से ही हर तरफ चर्चा में बनी हुई है। धीरे-धीरे फिल्म को लेकर उत्सुकता इतनी बढ़ गई कि यह साल की सबसे ज्यादा चर्चित फिल्मों में शामिल हो गई। अब इस पूरे क्रेज के बीच फिल्म की पहली झलक आखिरकार सामने आ चुकी है और यह बिना किसी शक के इस साल की सबसे इंटेंस फर्स्ट ग्लिम्प्स में से एक मानी जा रही है। इस झलक में रश्मिका मंदाना अपने अब तक के सबसे खतरनाक और दमदार अवतार में नजर आ रही हैं, जिसने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। मायसा इस साल के सबसे रोमांचक सिनेमाई अनुभवों में से एक बनती नजर आ रही है। लंबे इंतज़ार के बाद आखिरकार फिल्म की पहली झलक सामने आ चुकी है, जो पूरी तरह से इलेक्ट्रिफाइंग है। दमदार ओपनिंग नैरेशन के साथ रश्मिका को मायसा के रूप में पेश किया गया है, वहीं जलते हुए जंगल के दृश्य और उसके साथ चलता जबरदस्त बैकग्राउंड स्कोर मिलकर एक बेहद तीव्र और प्रभावशाली माहौल रचते हैं। फिल्म का BGM इस झलक को और भी ताकतवर बना देता है और सच में रौंगटे खड़े कर देने वाला है। यह रश्मिका के गुस्से, जुनून और उनकी तीखी मौजूदगी को पूरी तरह से सपोर्ट करता है। क्रिटिक्स और दर्शक दोनों ही इस फर्स्ट ग्लिम्प्स की जमकर तारीफ कर रहे हैं। रश्मिका मंदाना को इतने दमदार और इंटेंस किरदार में देखना वाकई हैरान करने वाला और यादगार अनुभव साबित हो रहा है। यह फिल्म एक हाई-ऑक्टेन इमोशनल एक्शन थ्रिलर होने का वादा करती है, जो दर्शकों को गोंड जनजाति की सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और आकर्षक दुनिया में गहराई तक ले जाएगी। इस फिल्म में रश्मिका मंदाना एक बिल्कुल नए और बदले हुए अवतार में नजर आएंगी, जैसा उन्हें पहले कभी नहीं देखा गया।

ऋतिक से भी बड़े सुपरस्टार बनेंगे उनके दोनों बेटे?

बॉलीवुड के जानेमाने एक्टर ऋतिक रोशन और उनका परिवार लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। बीते दिन ही ऋतिक रोशन के कजिन ईशान रोशन की शादी हुई है। इस शादी की वजह से लगातार ऋतिक रोशन और उनके बेटे लाइमलाइट में बने हुए हैं। ऋतिक रोशन के बेटों की वीडियोज और तस्वीरें खूब वायरल हो रही हैं। फैंस ऋतिक रोशन के बेटे रेहान और हृदान की जमकर तारीफ कर रहे हैं। अभी ज्यादा समय नहीं हुआ है जब ऋतिक ढ़ोल की धुन में डांस करते नजर आए। वहीं रेहान और हृदान भी इस दौरान स्टाइलिश लुक में नजर आए। इसी बीच रेहान और हृदान का एक वीडियो और वायरल हो रहा है। इस वीडियो को देखकर फैंस रेहान और हृदान को बॉलीवुड का अगली सुपरस्टार बता रहे हैं। दरअसल इस वीडियो में रेहान और हृदान अपने पापा ऋतिक रोशन के साथ डांस करते नजर आ रहे हैं। देसी अंदाज में इन तीनों ने खूब धमाल मचाया। रेहान और हृदान ने अपने पापा को इस दौरान डांस में कड़ी टक्कर दी। रेहान और हृदान ने एक भी डांस स्टेप नहीं छोड़ा है। यही वजह है जो फैंस रेहान और हृदान के डांस के दीवाने हो गए हैं। रेहान और हृदान अपने लुक्स के जरिए तो पहले ही फैंस पर जादू चला चुके हैं। अब तो फैंस रेहान और हृदान को बॉलीवुड में आने की सलाह दे रहे हैं। फैंस को लगता है कि रेहान और हृदान आते ही ऋतिक रोशन को भी पछाड़ देंगे। फैंस के ये कमेंट सुनकर ऋतिक रोशन का सीना भी गर्व के मारे चौड़ा हो जाएगा। रेहान और हृदान के अलावा राकेश रोशन ने भी बीते दिन खूब लाइमलाइट बटोरी है। रेहान और हृदान के दादा ने ईशान रोशन और ऐश्वर्या सिंह की शादी में खूब रंग जमाया। अब ईशान रोशन और ऐश्वर्या सिंह की शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर धमाल मचा रही हैं।

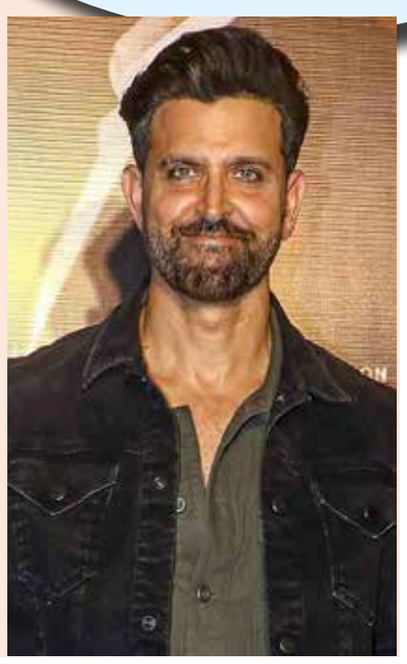

'धुरंधर' के रणवीर सिंह की एक्टिंग के कायल हुए 'लुटेरा' डायरेक्टर

रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर' इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। फिल्म न सिर्फ कमाई के मामले में आगे बढ़ रही है, बल्कि रणवीर के अभिनय को लेकर भी हर तरफ चर्चा है। दर्शकों से लेकर फिल्म क्रिटिक्स और इंडस्ट्री के दिग्गज तक, सभी एक सुर में मान रहे हैं, कि यह रणवीर सिंह के करियर की अब तक की सबसे दमदार परफॉर्मेंस में से एक है।'धुरंधर' के बाद रणवीर सिंह की एक्टिंग को लेकर सोशल मीडिया पर तारीफों की बाढ़ आ गई है। कई फिल्ममेकर और एक्टर्स खुलकर कह रहे हैं, कि रणवीर सिंह ने इस फिल्म में खुद को एक अलग ही लेवल पर साबित किया है। इसी कड़ी में अब 'लुटेरा' के डायरेक्टर विक्रमादित्य मोटवानी का नाम भी जुड़ गया है।विक्रमादित्य मोटवानी जिन्होंने सालों पहले 'लुटेरा' में रणवीर सिंह को निर्देशित किया था, उन्होंने 'धुरंधर' में रणवीर की तारीफ करते हुए दिल से अपनी बात कही। मोटवाने ने कहा कि रणवीर को लेकर उन्हें हमेशा से भरोसा रहा है। उनके मुताबिक, रणवीर की असली काबिलियत अभी पूरी तरह सामने नहीं आई है।मोटवाने ने कहा, 'मैं सच में रणवीर से बहुत प्यार करता हूं। मुझे लगता है, कि हमने अभी तक उसकी पूरी क्षमता देखी ही नहीं है। वो इससे कहीं ज्यादा कर सकता है। उसका सबसे अच्छा काम अभी आना बाकी है।' मोटवाने ने रणवीर की सबसे बड़ी ताकत उनकी मेहनत और समर्पण को बताया। उन्होंने कहा कि रणवीर हर किरदार में सौ नहीं बल्कि हजार फीसदी देते हैं। वह रोल में पूरी तरह डूब जाते हैं, और किसी भी तरह की कसर नहीं छोड़ते।

बांसुरी उत्सव के 17वे संस्करण का आयोजन

भारतीय शास्त्रीय संगीत प्रेमियों के बीच अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका बांसुरी उत्सव अपने 17वें संस्करण के साथ एक बार फिर लौट रहा है। यह दो दिवसीय महोत्सव 3 और 4 जनवरी 2026 को प्रतिदिन शाम 6.30 बजे से ठाणे पश्चिम के डॉ. काशीनाथ घाणेकर सभागार में आयोजित किया जाएगा। इस वर्ष उत्सव का प्रमुख आकर्षण होगा फ्लूट सिम्फनी, जिसमें प्रसिद्ध बांसुरी वादक विवेक सोनार के नेतृत्व में 8 से 80 वर्ष आयु वर्ग के 100 बांसुरी वादक एक साथ प्रस्तुति देंगे। बांसुरी उत्सव का आयोजन गुरुकुल प्रतिष्ठान द्वारा किया जाता है, जिसकी स्थापना बांसुरी वादक विवेक सोनार ने भारतीय शास्त्रीय संगीत विशेष रूप से बांसुरी की परंपरा को संरक्षित व लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से की है। महोत्सव के पहले दिन कथक नृत्यांगना कृष्णप्रिया की थीमैटिक प्रस्तुति, कथक विशेषज्ञ अदिति भगवत और बांसुरी वादक विवेक सोनार की युगल संगीतमय प्रस्तुति होगी। इसके बाद शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति मीता पंडित देंगी। प्रथम दिन का समापन विश्वविख्यात बांसुरी सम्राट पं. हरिप्रसाद चौरसिया की बांसुरी वादन प्रस्तुति से होगा। उनके साथ पखावज पर काशी के संकट मोचन मंदिर के महंत विश्वम्भर नाथ मिश्र संगत करेंगे। दूसरे दिन रविवार, 4 जनवरी को विवेक सोनार के नेतृत्व में भव्य बांसुरी उत्सव फ्लूट सिम्फनी प्रस्तुत की जाएगी, जिसमें 100 बांसुरी वादक भाग लेंगे। इसी दिन 'पंडित हरिप्रसाद चौरसिया लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड 2026' से प्रख्यात गीतकार जावेद अख्तर को सम्मानित किया जाएगा। महोत्सव का समापन पद्मश्री से सम्मानित वरिष्ठ गायिका शुभा मुद्गल की शास्त्रीय गायन प्रस्तुति से होगा। उनके साथ तबले पर अनीश प्रधान संगत करेंगे।

ऑस्कर में एंट्री के बाद कानूनी पंचड़े में फंसी 'होमबाउंड'

करण जौहर के प्रोडक्शन हाउस में बनी फिल्म 'होमबाउंड' को ऑस्कर 2026 में बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म की कैटेगरी में शॉर्टलिस्ट किया गया है। यह भारत की तरफ से ऑस्कर की ऑफिशियल एंट्री फिल्म है। ऑस्कर में एंट्री के बाद 'होमबाउंड' विवादों में भी घिर गई है। जर्नलिस्ट और राइटर पूजा चांगोईवाला ने धर्मा प्रोडक्शंस और नेटफ्लिक्स एंटरटेनमेंट सर्विसेज इंडिया के खिलाफ लीगल एक्शन लिया है। उनका आरोप है कि 'होमबाउंड' ने कॉपीराइट नियमों का उल्लंघन किया गया है। नीरज घायवान के निर्देशन में बनी इस फिल्म में ईशान खट्टर, विशाल जेठवा और जाह्नवी कपूर लीड रोल में हैं। पूजा चांगोईवाला बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका दायर करने जा रही हैं। उनका दावा है कि 'होमबाउंड' फिल्म ने उनके 2021 के नॉवेल 'होमबाउंड' से गैरकानूनी रूप से कॉन्टेंट लिया है। उन्होंने 'हिंदुस्तान टाइम्स' को भेजे एक ईमेल में पुष्टि की कि अदालत की औपचारिक कार्यवाही शुरू होने से पहले ही उनके वकील ने प्रोडक्शन हाउस को कानूनी नोटिस भेज दिया है। वहीं 'होमबाउंड' के निर्माताओं ने बताया कि फिल्म की कहानी पत्रकार बशारत पीर द्वारा 2020 में न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित 'एक दोस्ती, एक महामारी और राजमार्ग के किनारे एक मौत' टाइटल वाले आर्टिकल से प्रेरित है। कहानी दो बचपन के दोस्तों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो कोविड-19 महामारी के दौरान राष्ट्रीय पुलिस परीक्षा पास करने की चुनौतियों का सामना करते हैं।

तारक मेहता का उल्टा चश्मा में दयाबेन की होगी वापसी?

टीवी सीरियल तारक मेहता का उल्टा चश्मा सालों से दर्शकों के दिलों पर राज कर रहा है। इस सीरियलय में जेठालाल की जोड़ी दयाबेन के साथ बनी थी और ये किरदार दिशा वकानी निभाती हुई नजर आई थी, लेकिन दिशा वकानी इंडस्ट्री को छोड़ चुकी हैं और अब फैंस दयाबेन को शो में लाने की मांग कर रहे हैं। अब तक कई एक्ट्रेसेस के नाम दयाबेन के रोल के लिए सामने आ चुके हैं। इसी लिस्ट में एक और एक्ट्रेस का नाम जुड़ गया है। दयाबेन की जगह अब जेठालाल के साथ टीवी की भाभी जी को फैंस देखना चाहते हैं। सोशल मीडिया पर अब फैंस की नई मांग शुरू हो गई है।टीवी सीरियल तारक मेहता का उल्टा चश्मा के साथ एक्ट्रेस शुभांगी अत्रे का नाम जुड़ रहा है। शुभांगी अत्र ने लगभग 10 साल तक सीरियल भाभी जी घर पर हैं में अंगूरी का रोल निभाया है। हाल ही में एक्ट्रेस ने ये शो जोड़ा है, जिस वजह से फैंस काफी ज्यादा उदास हैं। शुभांगी के फैंस उन्हें फिर से स्क्रीन पर देखना चाहते हैं और इस वजह से उनका नाम सीरियल

तारक मेहता का उल्टा चश्मा से जुड़ रहा है। सोशल मीडिया पर फैंस तारक मेहता का उल्टा चश्मा में शुभांगी अत्रे को दयाबेन के रोल में देखना चाहते हैं। कई लोगों का कहना है कि शुभांगी अत्रे दयाबेन के रोल में काफी ज्यादा अच्छी लगेंगी। शुभांगी सीरियल भाभी जी घर पर हैं में काफी अलग एक्टिंग करती हैं। उनका हमेशा ही भोजपुरी टच आया है। ऐसे में फैंस का मानना है कि वह दयाबेन के कैरेक्टर को भी आसानी से पकड़ लेंगी। हालांकि, अब मेकर्स फैंस की ये डिमांड मानते हैं या नहीं... ये देखने वाली बात होगी। बता दें कि दिशा वकानी ने तारक मेहता का उल्टा चश्मा से मैटरनिटी लीव लेने के साथ ही एक्टिंग से ब्रेक ले लिया था। तब कहा जा रहा था कि वह एक्टिंग में फिर से लौट आएंगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। दिशा वकानी ने धीरे धीरे एक्टिंग से पूरी तरह दूरी बना ली। दावा है कि शो के मेकर्स असित मोदी ने कई बार दिशा वकानी से शो में आने की बात भी की, लेकिन दिशा अपना सारा समय बच्चों को देना चाहते हैं और इसी वजह से वह एक्टिंग में लौटना नहीं चाहतीं। दावा है कि दयाबेन के लिए मेकर्स कई एक्ट्रेसेस का ऑडिशन ले चुके हैं, लेकिन मेकर्स को अब तक दयाबेन नहीं मिली है।